अनुक्रमनिका.

तार	स स स स रि स स • ४	स रि रि ग • ४ ग रि स •
मध्य		नि
मन्द्र		

ऑ र ना रा . ग न   ध रा मं . क   प व न
३ २ २   १ ३ २   ३ २

तार		स स •
मध्य	नि ध प • ४	प ध नि ध प • ४ ध प म ग ग रि
मन्द्र		

• आ म   प शू . पं . . छी   ज ल थ ल स ब
२   १ ३ २   ३ ६ २

तार	रि स
मध्य	म ध म ध नि ध प • ४ ध नि ध प • ४
मन्द्र	

ध न . दा . मि नीं   आ . . . . .
१ ३ २ ३ २ २

तार	रि
मध्य	प ध ध नि नि • ४ म ध म म ऽ ग रि रि ४
मन्द्र	नि

आ . . . आ र   ना . . . . री न र
१ ३ २   ३   २ २

तार | |

मध्य | पु नि ध्र म्र पु . गु रि रि | प म्र ग . रि प गु . ४

मन्द्र | नि |

त नि स . . बा . म र तें . . . रो . इ

१ ३ २

तार | | स सस . ४ स स स स

मध्य | प प प पु गु . पु . ४ | प ध प

मन्द्र | |

ध्या न ध र . न चौं . द म्र र ज औ र त रा

३ २ २ १ ३ २ ३ २

तार | रि सु सु . ४ | सु सु स . ४ सु सु सु सु रि सु सु

मध्य | | पु धु पु

मन्द्र | |

. ग न चौं . द म्र र ज औ र ता रा . ग न

२ १ ३ २

तार | सु . ४ रि रि गु . ४ गु रि सु . | गहाँमे

मध्य | नि नि ध पु . ४ | प ध

मन्द्र | |

ध रा मे . क प व न . आ म प घ

३ २ २ १

पार ब्रह्म परमेश्वर पुरुषोत्तम परमानंद नंद नंद आनंद कंद यशोदानंद श्री गोविंद ॥ अन्तरा ॥ दीनानाथ दुख भंजन पद्मनाभ मधुसुदन वासुदेव वनवारी व्रिजपाल यदु नंद नंद ॥ १ ॥

तार		
मध्य	प ग ग रि ग ध प ग ϕ म ग रि	ग म प ध प ग
मन्द्र		

पा र ब्र . ह्म प र मे . श्व र पु रु षो त्त म प

१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	ϕ म ग रि ग रि स	स स स स ग रि ग ग
मन्द्र		नि ध

र मा . नं . द नं द नं द न आ नं द कं द

२ २ १ ३ २ ३ २ २

तार		स स
मध्य	स नि ध नि ध प प स ग रि ग	ग प म ध
मन्द्र		

य शो दा नं . द श्री गो विं . द दि ना . . ना थ

१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार	स स स स स	स स स रि म
मध्य		नि ध नि नि ध प
मन्द्र		

दु ख भं ज न प ग ना . भ म धु सू . द न
३ २ २ १ ३ २ ३ २ २

तार	स ग ग ०म रि स स	
मध्य	नि ध प	ग म प ध नि
मन्द्र		

वा . सु दे . व ब न वा री त्रि अ ग ति य
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	ध म ध प म ग रि ग	
मन्द्र		

दु नं . द . नं द न
३ २ २

राग भूपाली ओडव नं. ३.

इस रागमें मध्यम और निषाद वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर.

ताल तेवरा, (मात्रा ७.)

आपनो निजपद देत बली को दान मांगत बाल होको ॥ अंतरा ॥ बटु कपट जब समझ कवी को मांगे सो मत दे तो यलही रखवाको ॥ भूव तीन पदको मांगे वामन हसके नृप बोले और लंघन भयो त्रि विक्रम कियो पद क्रम एक मही पर बिजे को अंबर बंजू के प्रभू तिजे को शिरपर ॥ १ ॥

तार	आरोह स अवरोह
मध्य	स रि ग प ध ध प ग रि स ९
मन्द्र	

तार	स	
मध्य	ध ध प ग ग प • ४	स रि ग स रि
मन्द्र		

आ प नो नी ज प द दे . त ब ली
१ ३ २ २ १ ३ २

तार			
मध्य	स • ९	ग ग ग प प प • ४	ध प रि
मन्द्र			

को . दा . न मां ग त बा ल हो
२ १ ३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	ग रि स रि स स	स रि रि स रि ग ०रि ग प ध
मन्द्र	ध	

३ २ १ २ ३ २

तार			स स रि रि ग रि रि स
मध्य	प ग ग	प प ध ध	ध
मन्द्र			

१ २ ३ २

तार	रि रि स	स स
मध्य		ध प ध ध प ग ध प ग रि ग रि स
मन्द्र		

१ २ ३ २

तार			
मध्य	रि ·४	प प ध प ग ग ०प ग रि रि ०	ग रि स स ०रि
मन्द्र			

१ २ ३ २ १ २

तार	स॒ ०.४	
मध्य	प प ग रि ग प ध	ध प ध प ग रि ग॒-
मन्द्र		

दि न दि न क र त है यि ध ह र प . .
१ ३ २ २ ३ १ ३ २

तार		स सस	सस रि
मध्य	प रि स॒ ०.४	प प ध ध प प॒ ०.४	
मन्द्र			

घ ना भ न व दि न न व रा त म न व बा
२ ३ १ ३ २ २ ३ १ ३

तार	ग रि स रि स स॒ ०.४	
मध्य		ध प ध प रि ग प रि स॒ ०.४
मन्द्र		

ह न नि क स त र थ प र द स रं दी न
२ २ ३ १ ३ २ २ ३

तार	स स	स ०.१ स रि ग रि स रि
मध्य	ग ग रि ग प ध	
मन्द्र		

ओं य ह्रीं व्यं क ट जी को . गा . ब त गा .
१ ३ २ २ ३ १ ३ २ २

ताल चारताल.

—:०:—

चौंचल चपलाकी गत तैसी कमल बदनी अनुपम कामिनी सुंदर करन फुलराज तमाने मंगल गावी। मुख सूरत छबी सुंदर परम काम निसराम धाम दृग बिसाल अधरपर बिद्रुम वारवार डार ॥

तार	सु
मध्य	सु रि गु मु धु नि नि धु ▲ मु पु गु मु रि सु ४
मन्द्र	

तार	सु . स	
मध्य	धु . ४ ४	नि नि . ४ धु ▲ मु मु . ४ पु पु . ४
मन्द्र		

चौं . चल . च . . प ला . . . की
३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	धु पु ▲ मु पु पु . ४	गु मु रि गु मु धु . ४ ▲ मु पु
मन्द्र		

ग त तै . सो क म ल ब द नी अ नु
३ २ २ १ ३ २ ३

तार	सं सं	
मध्य	नि	धध प॒ ०४ म प प ध ध प ०४ म प प ०४
मन्द्र		

रा . म धा . म ह ण वि सा . . . . . ल

२ २ १ ३ २ ३ २ २

तार	सं	रिं ०४
मध्य	स स स ध ध प ०१ ध नि नि ०४	ध पधनि
मन्द्र		

अ ध र प र बी . द्रु म बा र था र डा . र

१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

राग हमीर नं. ७.

ताल तेवरा (खंडजाति तीनताल.)
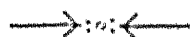
श्रीरामचंद्र कृपालु भज मन हरन भव भय दारुणं नव कंज लोचन कंज मुखकर कंज पद कंजारुणौ ॥ अंतरा ॥ कंदर्प अगणित अमित छबी नव नील नीरज सुंदरं पट्ट पीत मानौ तडीत रुची सूची नौमी जनक सुतावरं ॥

तार	सु
मध्य	सु मु गु मु पु पु नि ▲मु धु ▲मु पु गु मु गु रि
मन्द्र	नि

पा नि या भ र न के स जा . उ . मो रि . . आ
१ २ ३ २

तार	‖	सु सु स सु गु रि सु
मध्य	सु मु -४	‖ पु नि नि पु नि नि नि .४
मन्द्र	‖	

. लि हुं ज ल ज मु ना भ र न घ र से जा ती
१ २ ३ २

तार	सु गु रि मु गु रि सु सु.
मध्य	नि धु पु मु गु रि सु४
मन्द्र	नि

बि च मे मि ल ग ये प . नं द जि के . छो रा
१ २ ३ २

राग बिहाग नं. ९.

ताल झपताल.

सखी आज नंद नंद सुख कंद मुख चंद हसत आनंद सोमची हं.री ॥ सखी० ॥ एक संग ग्वालने शामसो बातकर रत ब्रिज नाल मिल राधा गोरी ॥

तार	स	सगमपमगरि ससरिस॰४
मध्य	पप नि॰४	नि
मन्द्र		

. न क र क त . भ्रि ज्ञ ना . . . र मि ल
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	निध ᐃ मप ꓕ मगम . ४	
मन्द्र		

रा धा . . . गौ री .
१ २ ३ २

राग बिहाग नं. १०.

ताल धमार मात्रा १४.

जय राम रूप अनूप निरगुण सगुण गुण प्रेरक सही दश शीश बाहु प्रचंड खंडन चापशर मंडन मही ॥ पाथो-दगात सरोज मुख राजीव आयत लोचनं नित नौमिराम कृपालु बाहु विशाल भव भय मोचनं ॥

तार			
मध्य	गम	ग ससरिस ससससस॰४	सस
मन्द्र		नि निप	नि

ज य रा . म रू प अ नू प नि र गु ण स गु ण
१ २ ३ २ १

तार	स पु मु ग स सु रि स
मध्य	नि . ९ | नि नि ▲ म प धु ▲ मु पु
मन्द्र	

नं नि न . नों . मि रा म कृ पा . लु बा . . .
२ १ २ ३ २

तार	
मध्य	▲ म स | ग़ ग प नि धु ▲ मु . प ग म ग रि सु . ४
मन्द्र	नि नि

हु वि शा ल म य भ . य मों च नं . . .
१ . २ ३ २

राग खमाज संकीर्ण नं. ११.

इस रागमें गंधार दो शुद्ध और अतिकोमल धैवत दो शुद्ध और अतिकोमल निषाद अतिकोमल, अतिकोमल धैवत और शुद्ध गंधारके वास्ते निशाणी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर.

ताल तीनताल.

प्रीत रीत रघुराई हो जानत होनाते सब हाते कर राखे राम सनेह सगाई होजानत ॥ तिय बिरही सुग्रीव सखा लखी प्राणप्रिया बिसुराई रन पायो बंधु बिभीखन हुं को सोच हृदय अधिकाई हो जानत ॥ घन गुरु गृह प्रिय सदन सासुरे भई जब जहां पहुनाई तब तह कहे शबरीके बेरन रुची माधुरीन पाई ॥ हो जानत ॥

तार	स स स स स
मध्य	नि नि नि नि ध ध प ध नि ध प ध
मन्द्र	

सा सु रे म ई ज ब ज हा प हूं ना ई म ब न ह

३   ०

तार	स स स स स
मध्य	ध ध नि नि नि ४ ध ४ ध प प प
मन्द्र	

क हे शा ब री के बे र न कों म नि मा धु री

१   २   ३

तार	‖
मध्य	नि ४ ध प म ग ग रि स रि ४ ‖
मन्द्र	‖

न पा . ई हो आ . न त

२

राग छायालगत्व खमाज नं. १२.

इस रागमें दो गंधार और दो निषाद लगते है. एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल, अतिकोमल गंधार और अतिकोमल निषादके लिये निशानी होगी. बाकीके सब शुद्ध स्वर

ताल चारताल.

राजन रघुवीर धीर भंजन भव बिर पीर हरन सकल सरजुतीर निरखहु सखी सोई ॥ अनुज मनुज निकर संग करन दनुज बलभंग अंग अंग अंग छवी अनंग अगणित मन मोहै ॥

तार	स स स रिस	
मध्य	नि प नि	४ नि ध प ध म प प ४ नि ध
मन्द्र		

रा ज न र घु वी . र धी . . र भं ज न भ व

१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार		स स स ० ४
मध्य	म प म ग ग ० ४	स म ग म प ध नि नि
मन्द्र		

बि र पी र ह र न स क ल स र जु ती र

३ २ २ १ ३ २ ३ २ २

तार	रि ४ ग रि स रि स स
मध्य	नि ध ४ नि प ध ऽ ० १
मन्द्र	

नि र ख हु स खी . सो ई . . . .

१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स रि ग म ग रि ऽ ग रि स स ऽ ऽ
मन्द्र	नि नि

न . र . क रु . . न . हीं
१ २ ३ २

तार		
मध्य	ग म म ध ग म रि ऽ ऽ ऽ	स रि म रि म प
मन्द्र		नि

जा . त ज सं . दा . उ म गं . जो ब न
१ २ ३ २ १ २ ३

तार	सं	
मध्य	ध ऽ नि ऽ ऽ	ध प ध ग म प ध म ग रि ऽ ऽ
मन्द्र		

जा . त पी या ब . न मे . . रा . .
२ १ २ ३ २

तार	सं सं सं सं ऽ ऽ	सं रिं ऽ गं रिं सं
मध्य	म प नि नि	नि
मन्द्र		

जी न के . पि या प र दे . स . ग ब
१ २ ३ २ १ २ ३

राग केदार. नंबर १८.

इसमें गंधार वर्ज मध्यम दो निषाद दो अतिकोमल निषाद और तिव्रतर मध्यमके वास्ते निशानी होगा. बाकी सब शुद्ध स्वर.

ताल चारताल

सरस सीस मोर मुगुट पाछनको राजत कुंडल ललन कुटिल अलक भाल विशाल तिलक मृगमदके नीके झलके ॥ भवय धनुके नैन कमल नासकीर अधर बिंब दशन गुंज कंठ कंबू तामद मन कौस्तुभ शोभे झलके ॥

तार |

मध्य | म रि स म प पु ॰ ४ ध ४ नि ध प ▵ म पु ॰ ४ ▵ म

मन्द्र |

स र स सी ॰ स मो ॰ र मू गू ट पा
३ २ २ १ ३ २ ३

तार | स

मध्य | पु धु ॰ ध प म ॰ १ प ध प नि धु ॰ ४ ▵ म पु धु ॰

मन्द्र |

॰ ॰ छ न को ॰ रा ॰ ज त ॰ कुं ॰ ॰
२ २ १ ३ २ ३

तार |

मध्य | प म १ ॰ ४ | स म म म ध पु ॰ ४ प म म रि सु ॰ ४

मन्द्र |

ड ल ॰ ल ल त कु टी ल अ ल क भा ॰ ल
२ २ १ ३ २ ३ २ २

तार		रि स
मध्य	प म म॒ • ४	म प प॒ • ४ प नि ध प ध प॒ • ४
मन्द्र		

ठ कं न्न   ना म द्   म न कौ . . स्नू . भ
२   २   १   ३   २   ३   २   २

तार	
मध्य	प म रि स रि स॒ • ४ ॥
मन्द्र	

शो . मे ह्र ल के
१   ३   २

राग केदार नंबर १०.

ताल धमार.

होरीरि मोहन होरी रंग होरी ॥ काल्ह हमारे आंगनमे गारि दे आयो सो कोरी ॥

तार	
मध्य	स रि स म • ० म प प प॒ △ म॒ ध॒ प॒ म • ०
मन्द्र	

हो . री रे   मो ह न हो   . . . री
१   २   ३   २

तार		सं सं.ऽऽ
मध्य	धु मु मु ऽ ग	म म ग ग.ऽऽ म ध
मन्द्र		

नि . . . पू र म . . . .
१ २ ३ ४

तार	रिं
मध्य	नि नि धु मु मु ऽ ग.ऽ म ग म ग.ऽऽ
मन्द्र	

. मा . मि नी . . . . ग . धा . .
१ २ ३ ४

तार	
मध्य	म ग रि रि.ऽऽ
मन्द्र	नि नि ऽ

व्या . री . . . . .
१ २

राग पूरिया नंबर २१.

ताळ तीनताल.

रामवदन मति मोजु विलोकय शारद कोटी शशिम मुख निर्मल माझि चकोरं रुपये ॥ भ्रकुटी कुटील धनु दीवतनि वलेंमें कुंकम तिलक ललाटं सुंदरय हृदय विशोपकरं करू-णामय नयन विपाटं ॥

तार |

मध्य | म ग रि स स स स | स स स रि

मन्द्र | | नि नि ध.४

रा म व द न म ति मौ जु विलो. क य

३ २ १ २

तार | |

मध्य | स स स | स स रि रि स स.४

मन्द्र स ध ध | नि नि नि

शा र द् को टि श शि न यु ब नी . . मैं ल

३ २ १ २

तार | |

मध्य | १रि रि ग.४ | ग म ध ग म ग रि स४

मन्द्र | नि नि नि | नि

मा णि च को . र क . . . . प ये . .

३ २ १ २

तार | स स स स स स | स स स स रि

मध्य | म ध | नि नि ध.४

मन्द्र | |

भृ कुटि कु टि ल ध नु री व त नि व . ल य

३ २ १ २

राग पूरिया नंबर ८२.

ताल तीनताल तराना.

—→ :०: ←—

तों तनन तननतनन देरेना तन देरेनातन नादेरे देरे तनन निताल नितनन देरेना तननन देरेना देरेना दीं तना दीं दीं तनन तादीं दीं दीं तनना दीं तननन दीं तनननननतन दीं दीं तनन तदीं दीं तनन दीं दीं तननतन देरेना देरेना दीं तना दीं दीं तनन दर दर दर दर दानी ॥ नादीर दीर दीर धि तिलन दीं तननन दीं तननन नित नसु नित नसुनिनादि तन निता्दि तन नादर दर तुंदरदराधिलां तुंदर दर धिलां तुंदर दर धिलां तुंदर दर दर दर दर दर दानी ॥

तार		
मध्य	रि ग ग रि रि सु सु स • ४	रि सु
मन्द्र	नि	नि धु
	तों त न न त न त न	दे रे ना .
	३ २	१ २

तार		
मध्य	सु स • १ सु	सु रि रि रि रि सु
मन्द्र	१ धु धु नि नि	
	त न दे रे ना . त न	ना दे रे दे रे त
	३ २	१ २

तार		
मध्य	स स रि रि स स स स . ४	रि स
मन्द्र	नि	नि . १ म

न न नि ता न नि त त न   दे रे ना . त
३ २ १ २

तार		
मध्य		स स
मन्द्र	म ध नि नि नि ध म म . ४	म म ध म ध

न न न दे रे ना . .   दे रे ना दीं त ना .
३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	स स स स स . ४	स १ रि रि म ग . १
मन्द्र		ध ध नि

दीं दीं त न न   ता दीं दीं . दीं त न ना . .
२ १ २ ३ २

तार	
मध्य	रि रि ग ग ग म म ध म म ग ग ग . ४
मन्द्र	नि

दीं त न न न दीं त न न न न न न न
१ २ ३ २

तार		
मध्य	म नि ध म म म ध नि ध म म म	ग .स स
मन्द्र		

दीं . दीं त न न त दीं दीं त न न दीं दीं त

१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	स स स स स रि स ०	म म रि ग म ध म . प
मन्द्र		

न न न न दे रे ना दे रे ना दीं त ना .

३ २ १ २

तार		
मध्य	नि ध म ध ग ग	म म म म ग ग रि रि स स
मन्द्र		

. दीं दीं त न न द र द र द र द र दा नि

३ २ १ २

तार		
मध्य	रि ग ग रि रि स स स . प	ग ग ग ग ग
मन्द्र	नि	

तों त न न त न त त न ना दिर द र द

३ २ १

तार	स स स स स स • ४	स स स
मध्य	ग म म ध ध	
मन्द्र		

र धि ति ल न धीं त न न न धीं त न न

२ ३ २ १

तार	स रि	
मध्य	नि नि नि ध नि ध ध स म नि	ध ध स
मन्द्र		

न नि त न मु नि त न मु नि ता रे त न नि

२ ३ २ १

तार	स स स स स रि
मध्य	म ध ग ग म ध ध स म नि
मन्द्र	

ता रे त न ना द र द र तुं द र द र धि त लां

२ ३ २

तार	ग रि स स स स रि
मध्य	नि नि नि ध ध ध ध म ध
मन्द्र	

तुं द र द र धि त लां तुं द र द र धि त लां

१ २ ३

तार		
मध्य	नि ध म म म म	म म म म ग ग रि रि स स •४
मन्द्र		

• तुं द र द र द र द र द र द र दा नि
२ १ २

राग कानडा संपूर्ण नंबर २३.

इस रागमें गंधार, धैवत, कोमल, निषाद दो, एक शुद्ध दुसरा अतिकोमल अतिकोमल निषाद के वास्ते निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल चारताल.

→:०:←

तुव मूरत रुपरेखरंगकी बनी आये आलेरी धन धन धन बिरंचत कारी यह ॥ तूसी तुही और देखीनले खीये तुव पर मेरी झाई देवलोक मे नाहि नारीयह ॥

तार		
मध्य	स म रि स रि •४	
मन्द्र	नि	ध ध ध ध १ नि प •४

तुव • मु र त रु • प रे • ख
३ २ २ १ ३ २

तार | |

मध्य | | सु॰ सस॰१ रि

मन्द्र | मुपध ध ४नि॰४ | नि नि

रं ग की . व नी आ ये . आ .

३ २ २ १ ३ २ ३ २

तार | |

मध्य | ससु॰ | स रि रि १ रि ग ॰१ध

मन्द्र | ४निध१ | मपनि

ले री . . ध न ध न ध न बि रं . च

२ १ ३ २ ३ २

तार | | | सु॰

मध्य | ग ॰१ | गमरिससु॰४ | मपध॰१नि नि

मन्द्र | | |

त का . री य ह तू . सीं . तु हि . औ

२ १ ३ २ १ ३ २ ३ २

तार | ससु॰४ | सु॰ सारसु॰

मध्य | | नि निध॰१ध४निपु॰४

मन्द्र | |

. र दे खी . न ले . . . खीं . ये

२ १ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	प ग ॰१ ग म प ग रि रि स ॰४	स रि म प
मन्द्र		नि

तु ब . प . र मे रि झा ई   दे व लो . क
१ ३ २ ३ २ २   १ ३ २

तार	स	
मध्य	ध ॰१ नि ध ४ नि प १ ॰४	रि म रि स स ॰४
मन्द्र		

मे . ना . हे . .   ना . री य ह
३ २ २   १ ३ २

राग कानडा नंबर ७४.

ताल तीनताल.

→:०:←

सोइ करीम रहीम हकीम पाक परवर दिगार गरीबियको गरब दूर करडारत है छिनमे दुखिया को मोरे दाताये ॥ ओमौ मनकी इछा सो पुजवो साइ सदा रंगको दिजे दीन दुनीमे जो बातये ॥

तार	
मध्य	स स ४ रि स • ४ स ग मु मु प प प प
मन्द्र	नि

ये . . तु व जो मौ म न को इ छा सो
२ १ २ ३ २

तार	
मध्य	मु पु ४ नि ४ नि पु मु रि सु रि स स
मन्द्र	नि ४ नि ४ नि

पु ज वो . . . . . सा . . इ स दा
१ २ ३ २

तार	स • ९
मध्य	स स रि मु मु प ४ नि पु ४ नि
मन्द्र	मु पु ध

रं ग को दी जे दी न दु नी में • जो बा
१ ५ ३ २ १ २

तार	
मध्य	४ नि पु मु रि सु सु रि स सु ४ रि सु • ४
मन्द्र	नि नि

• त • • • • • • यं . . तु व
३ २

राग कानडेकी बहार नंबर २९.

इसमें गंधार दो शुद्ध और कोमल, धैवत दो शुद्ध और कोमल
निषाद दो शुद्ध और अतिकोमल, शुद्ध ध, ग, और
अतिकोमल नि के वास्ते निशानी होगी. बाकी के
सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल तीनताल.

—— :o:——

उदतन दतन दयानगे दिंतानो दिं तनन देरेना दीं दीं तननन देरेना तानो दीं दीं तननन देरेना देरेना दर दर तननन देरेना देरेना देरेना तदानी तन तुंदर तदारे दानी तदानी ॥ यललीयलली यल लीयललीयली यलायलाया लाले यल लल लाले उद नि तान देरेना दीं तननन देरेना नादर दर तुंदर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर दर धित्लां तुंदर दर तारे दानी तदानी ॥

तार	सं सं	
मध्य	नि नि ४नि प म रि स रि	ग म प ध ५४
मन्द्र		

उ द त न द त न द या न गे दिं ता नो
३ २ १ २ ३

तार	सं सं रिं सं	
मध्य	नि ४नि	ध ·१ ध ध ४नि प प
मन्द्र		

दिं त न न दे रे ना दीं दीं . त न
२ १ २ ३

तार		
मध्य	प म ४ नि प ग ॰ ४	ग म प ɪ ग ॰ १ ग म
मन्द्र		

न न दे रे ना ता . . . नों दों दों
२ १ २ ३

तार		
मध्य	स स स स ॰ ४	स ॰ स स म ५ म म म म
मन्द्र		

त न न न दे र ना दे . रे ना द र
२ १ २

तार		म ॰ म म ॰ ४
मध्य	म म प प प प ४ नि म प ॰ ४	
मन्द्र		

द र त न न न दे रे ना दे रे ना
३ २ १

तार	स स रि रि
मध्य	ग ॰ ग म प ɸ ग म प ɸ ध नि
मन्द्र	

दे रे ना त दा नि त न तूं द र त द
२ ३ २

तार	स रि स	स स
मध्य	४नि ४नि प.४नि नि	४नि प म
मन्द्र		

रे दा नि त दा नि उ द त न द त न

१ २ ३ २

तार		
मध्य	रि स ९	म म म म प प ध ध नि नि नि
मन्द्र		

द . य ल लि य ल लि य ल लौं य ल

१ २ ३

तार	स स स.४	रि स रि स स.
मध्य		४नि नि ध ध नि
मन्द्र		

लौं य लि य ला य ला या ला. ले य ल

२ १ २ ३ २

तार	स रि	रि स.४ स स
मध्य		नि. म म प म प.प म प
मन्द्र		

ल ल ला. ले उ द नि ता त दे रे ना दीं.

१ २ ३ २

तार	
मध्य	४नि ४नि प म रि रि स • ४ स स स स स
मन्द्र	

त न न न दे रे ना ना द र द र
१ २ ३

तार		
मध्य	म म म म म म म म म	प प प प प प प
मन्द्र		

तुं द र द र द र द र द र द र द र द र
२ १

तार	स म रि रि रि स
मध्य	४नि ४नि प प प प प प
मन्द्र	

द र द र द र द र धित्लां तुं द र द
२ ३ २

तार	स म	रि स स	‖
मध्य		नि ४नि प • ४	‖
मन्द्र			‖

र ता रे दा नि त दा नि
१ २

राग कानडेकी बहार नंबर २६.

ताल तीनताल.

—— :०: ——

कैसी निकसी चांदनी शरद रैन मद माति थिकल भई पिऊं पिऊं टेरत भामिनी ॥ छिन आंगन छिन जात भुवनमे छिन बैठत छिन ठाडे हु दौरत कलन परत तरफत बिरह कुल चमकत जो द्युती दामिनी ॥

तार		स सु४
मध्य	४नि पु मु पु गु मु ४	धु नि नि नि
मन्द्र		

कै सी नि क सी . चां . द नी . .
३ २ १ २

तार		
मध्य	४नि नि पु म मु म मु	गु मु मु पु रि रि सु
मन्द्र		

स र द रै न म द मा . ती थी क ल भ
३ २ १ २

तार		स
मध्य	सु ४ मु मु पु पु धु मु पु गु ० मु	धु नि नि
मन्द्र		

ई पि ऊं पि ऊं टे . . र त भा . मि नी
३ २ १ २

तार	सं ४		संसंसंसं	संरिं
मध्य	नि	मं मं ४ नि धं ४ निं		निं
मन्द्र				

. . छि न आं . , ग न छि न जा . त
३ २ १

तार	संरिंरिं	
मध्य	धं धं ४ निं ४ निं प मं मं मं मं	गं मं मं
मन्द्र		

भु व न मे . छि न बै ठ त छि न ठा . डे
२ ३ २ १

तार		सं
मध्य	पं रि सं सं सं सं मं मं मं पं पं	गं मं
मन्द्र	निं	

हु दौ र त क ल न प र त त र फ त बि
२ ३ २ १

तार	सं सं रिं सं
मध्य	नि धं . ४ ४ निं ४ निं पं मं ध प म
मन्द्र	

र हा . . कु ल च म क त जो . .
२ ३ २

तार			सु रि ग रि सु सु.४
मध्य	पु १गु मु	धु नि नि	नि
मन्द्र			

. . घु ति दा . मि नि . . . .
१ २

राग कामोद नंबर २७.

इस रागमें मध्यम दो लगते है. एक शुद्ध दुसरा तीव्रतर, जब शुद्ध मध्यम लगे उसवक्त अवरोह करना, और तीव्रतर लगे उसवक्त आरोह करना, तीव्रतर मध्यम के वास्ते निशानी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर.

ताल चारताल.

→:०:←

जाने न द्यौंगी रिमाई आपने बालमको नैनन मेंकर राखो पलखन मुंद मुंदकरे ॥ जब आवेंगे लालही आपही मोरे मंदर लेहु बले या झुमझुम करे ॥

तार		
मध्य	१पु पु धु धु . पु	म . मु पु धु ▲मु पु गु मु रि
मन्द्र		

.जा ने न द्यौं . गी रि मा ई . . . आ प ने
२ १ २ ३

तार		
मध्य	स स रि स ॰ ४	स स स रि स
मन्द्र		नि ध ॰ नि नि

बा ल म कों नैं . न न मे क र रा खो
२ १ २ ३

तार		
मध्य	स स स स ॰ ४	रि स रि स रि स रि स ५ ४
मन्द्र		

प ल ख न मुं . . द मुं . . द .
२ १ २

तार		
मध्य	स रि प ० प प ध ध ॰ प	म ॰ म प ध △ म प ४
मन्द्र		

क रे . . जा ने न द्यौ . गी रे मा ई . .
३ २ १ २

तार	स	स स स ४ म म रि स
मध्य	म म प प	ध ॰ प
मन्द्र		

न ब आ वैं गे ला ल हि आ . प हि मो रे
३ २ १ २ ३ २

तार			म म रि ऽ रि स • ऽ स रि
मध्य	म रि	ऽ स ऽ ४	ध नि
मन्द्र			

मं द • र ले • ह्र ब लै या • • •
१ २ ३ २

तार	स	
मध्य	नि ध प प म ऽ स रि प • ४	
मन्द्र		

झू • म झू • म क रे •
१ २ ३

राग कामोद नंबर २८.

ताल झपताल.

गोरे बदन पर शाम धिटोना तिलक भाल और बुंदन माई ॥ गोरे गोरे कर जामे हरी हरी चुरीया पाछे गजर और बुंदन माई ॥

तार		
मध्य	रि प प प प ध ▲ म प • प • ४	▲ म प ध नि
मन्द्र		

गो रे ब द न प • • र शा • म •
१ २ ३ २ १ २

तार	स .	
मध्य	ध ऽम धु पु म ग रि . ४	रि प ऽम प ग
मन्द्र		

. धि टो . . ना . . तिल क . भा
३ २ १ २

तार		स
मध्य	म रि स सु . ४	रि प ध प ग म स रि
मन्द्र	नि	

. ल औ . र बूं . . द . न . मा .
३ २ १ २ ३ २

तार		स स स स स सु . ४	स
मध्य	सु . ४	प प	नि ध
मन्द्र			

ई गो रे गो रे क र जा मे ह रि हा
१ २ ३ २ १ २

तार	रि स	रि प ग म रि स सु . ४
मध्य	नि ध प . ४	नि
मन्द्र		

रि चु रि या . पी छे ग ज र औं . .
३ २ १ २ ३ २

तार	स	
मध्य	रि म ध प ग म स रि स॒ . ४	
मन्द्र		

बू . द . न . मा . इ
१ २ ३ २

राग शांकरा नंबर. २९.

इस रागमें मध्यम वर्ज बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल वक्र चारताल. (आडा चौताल.)

चंडी चंड मुंडाहिदळ मली महिशा सुर संहारनी अघ मनको गर्तादिनी ॥ संत पालनी और दिनना दुखीयान तीहु लोक विदीन जैसी कीनी ॥

तार	स॒ स॒	
मध्य	ध नि . ४	प ग प ग स स॒ . ४ स .
मन्द्र		नि॒ ध

चंडी . . चं . ड मुं . ड हि . द
२ ३ १ २ ३ २ ३

तार		
मध्य	स॒ रि स . ९	स स स स स॒ रि स॒
मन्द्र		प ध प

ळ म ली म हि षा . सु र सं हा र नी
२ ३ १ २ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	स स॒ . ४	ग ग ग॒ ग रि॒ ग॒ ४ प ग ग स॒ . ४
मन्द्र		

अ घ   म न को ग ती .   . दी . नी
३   १ २ ३   २ ३

तार	स॒ स॒	स स॒ स स . १ स स ग ग ग
मध्य	ध नि॒ ४	प॒ नि
मन्द्र		

चं डी . .   सं त पा ल नी   औ र दी . न ना
२ ३   १ २ ३ २   ३   २ ३

तार	प प॒ ग॒ . प ग रि॒ स॒ . स स
मध्य	नि॒ ध॒ नि प ध
मन्द्र	

. . .   दु खी . या   न ती , .   हु लो .
१   २ ३   २   ३ २

तार		
मध्य	नि॒ १ . ४	प प ग ग रि॒ ग॒ . प ग ग स . १
मन्द्र		

क   वि दी त जै . .   सी की . नी
३   १ २ ३   २

राग नट नंबर ३०.

इस रागमें सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल तीनताल.

—:०:—

करत हो मोसो ने हाकी झुटी झुटी बतीया बनाये बनाये ॥ वे तो हमें हूं जानत तुमहो जानत सरसजग जानत हियरलो हियरा देता जनाये ॥

तार		
मध्य	सु॰सुगु॰१ सुसु॰४	रिगरि॰४ गु
मन्द्र	नि नि	

क . . . . र . त हो . . .
३ २ १ २

तार		
मध्य	मु पु म ग रि	स॰१सु रि सु सु॰
मन्द्र	नि	नि नि

. . मो . . सो . ने . . . . .
३ २ १ २

तार		
मध्य	सु॰	स॰१रिगुरिगु
मन्द्र	ध॰४४ध नि	प११धध

हा की . . . . झूटी . झू . . .
२ २ १ २ ३ २

तार		
मध्य	२ रि ४ स रि स • १ रि ग ग म	ध प ध प म
मन्द्र	नि	

. . टी . . . ब ती था . ब . . . ना

१ २ ३ २ १

तार		
मध्य	ग • १ ग म ग रि • १	ग म प म ग रि
मन्द्र		नि

. ये . . . ब . . ना . . ये

२ ३ २ १ २

तार			
मध्य	स स • स ग • २ स स • ४	रि • १	ग प
मन्द्र	नि नि		

• क • . . . र • त हो वे तो

३ २ १ २

तार	स • स • स • १	स •
मध्य	प नि	नि ध प म प • प म
मन्द्र		

ह मे . . हूं जा . . . . . न त

३ २ १ २ ३

तार | |
मध्य | ग म रि ४ | रि रि ग म प म म रि स स.
मन्द्र | | नि

. . . तु म हो . जा . . . .
२ १ २ ३ २

तार | |
मध्य | रिस.१ रिस.१सुरि सु | ऽ
मन्द्र | प प नि नि | ध प१.४

न त . स र स ज ग . जा . . . . न त .
१ २ ३ २ १ २

तार | स स. |
मध्य | ग म प प नि ध प | म ग ग म रि
मन्द्र | | नि

हि य र सो . . . ही य रा . दे . . ता
३ २ १ २ ३

तार | | ||
मध्य | स रि सु रि सु | ऽ स ||
मन्द्र | नि | नि ध नि ४ ||

. जा ना . . . . ये . . .
२ १ २

———

राग मालवकौशिक नंबर. ३१.

इस रागमें रिषभ और पंचम वर्ज. गंधार धैवत और निषाद अतिकोमल, बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल चारताल.

आये रघुबीर धीर लंकधीश अवध मान संग सखा अंगद सुगरीव और हनुमान॥ रहस रहस गावत युवती जग बंधन विधान देव कूसूम बरखतघन जाके रहेनभबिमान ॥

तार	स •
मध्य	स ग म ध नि नि ध म ग स • १
मन्द्र	

तार		
मध्य	स स स म म ग म म • ४	म म म म
मन्द्र	ध नि	

आ ये र घू बी • र धी • र लं क धी • शा
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार		स स ग स
मध्य	ध म म ग ग • ४	ग म ध नि
मन्द्र		

आ व ध मा • न संग स खा • अं ग द
३ २ २ १ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	नि ध़ • ऽ	स़ ध़ नि ध म म ग ग म स स़ • ऽ
मन्द्र		

सू ग री . . व औ. र ह नू . मा. न

२ १ ३ ० ३ २ २

तार	स स स	स स स
मध्य	ग ग म ध ध नि नि नि़ • ऽ	
मन्द्र		

र ह स र ह स गा व त यु व ती ज ग

१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार	स	स म ग स स स
मध्य	नि ध नि ध ध म़ • ऽ	
मन्द्र		

बंधन विधा . न देव कूसू म ब

२ ३ २ २ १ ३ २ ३

तार	स ग स	
मध्य	नि ध़ • ऽ	ग म म़ ध़ नि ध म ग
मन्द्र		

र ख त घ न जा . के . . र है न

२ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	ग ग म स स ०४	
मन्द्र		

म बि ० मा न
२ २

राग मालवकौशिक नंबर ३७.

ताल तीनताल.

आद्या स्मरदमना शंकरा डमरू वरकरा अमल निधाना ॥ कंठीं गरल नेत्रीं अनल शीर्षी शशिधरा डमरुवरकरा अमल निधाना ॥ भुतातमापरात्परा महेश्वरा उमावरा प्रवरा नवरा नवरा दुसरा पुराकरासुरा दिगंबरा शंकरा डमरुवरकरा अमल निधाना ॥ ब्रह्माच्युतयुत गाती मुनीवर योगा वरी वरी वाचे उनीपर राहे गिरिवर महात्म अपार श्रुतीसनपार ॥

तार		
मध्य	ग	स ०४१ म म ग म ध नि
मन्द्र	नि नि नि ध नि	

आ द्या स्म र द म ना शं क रा ड म रू
३ २ १ २ ३

तार	सु	
मध्य	नि धु नि ॰ ४	धु मु गु मु ग सु ॰ ४ ग
मन्द्र		नि

व र क रा अ म ल नि धा ना आ द्या
२ १ २ ३

तार		सु ० स सु
मध्य		म म मु धु नि
मन्द्र	नि नि धु नि ॰ ४	

स्म र द म कं ठी ग र ल ने . त्री अ
२ १ २ ३

तार		सु
मध्य	नि धु नि	नि नि धु मु ग ० मु धु नि नि
मन्द्र		

न ल शी र्षी श शि ध रा ड म रु व र
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	धु नि	धु मु गु मु ग सु ॰ ४ ग
मन्द्र		नि नि नि धु

क रा अ म ल नि धा ना आ द्या स्म र द
१ २ ३ २

तार			स • स
मध्य		स म ग ५ ४ म ध • नि	ध • नि
मन्द्र	नि • ४		

म भू ता त्मा प रा त्प रा म हे श्व
१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	म • ध ग • म	स • ९ म ग म ध म ध नि ध
मन्द्र		

रा उ मा व रा प्र व रा न व रा न व
३ २ १ २ ३ २

तार		स स स	
मध्य	नि • ४	नि नि नि ध ध म म ग	ग स
मन्द्र			

रा दु स रा पू रा क रा सु रा दि गं ब रा
१ २ २ २ १

तार	स	
मध्य	म म ग • ४ म ध नि नि ध नि	ध म ग म ग
मन्द्र		

शं क रा ड म रु व र क रा अ म ल नि धा
२ ३ २ १ २

तार		
मध्य	स ग	स स ग स स
मन्द्र	नि नि नि ध नि ॰ ४	नि

ना आ द्या स्म र द म ब्रं ह्मा च्यु त यु त
३ २ १ २

तार		
मध्य	म म ॰ ४ ध म ग म	ध ध ॰ ४ नि ध म ध नि
मन्द्र		

गा ती मु नि व र यो गा व रि व रि वा
३ २ १ २ ३

तार	स	स स ॰ ४ स स
मध्य	नि ॰ ४ नि ध नि	नि ध म नि
मन्द्र		

चे उ नि प र रा हे गि रि व र म हा
२ १ २ ३

तार		
मध्य	ध नि ध म	ध म ग म ग स ॰ ४
मन्द्र		

त्म अ पा र श्रु ती स न पा र
२ १ २

राग कौशिक कानडा नंबर. ३३.

इस रागमें पंचम वर्ज ग नी अतिकोमल जाति षाडव,
बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल चारताल.

—>:o:<—
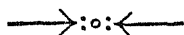
धन धन धन मात गंग चाहत मुनी जन प्रसंग, प्रगटी रघुनाथ चरन करन सुख बिहारी ॥ दीनी विधी वुंद डार अरि अनंग सीसडार आई मृत मध्य लोक संतनको प्यारी॥

तार		
मध्य	नि ध म ग रि स स स स • ४	स ग
मन्द्र	ध नि	नि

ध न ध न ध म मा . त गं ग चा . ह
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	म ध ध ध ध नि • ध म म • ४	ग म ध नि
मन्द्र		

त मु नि ज न . प्र सं ग प्र ग टी .
२ ३ २ २ १ ३

तार	स स रि स	स
मध्य	नि नि ∙ ४ नि ∙ ४	नि ध म ग रि
मन्द्र		

र घु ना थ च र न क र न सु ख वी
२ ३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	स स ग म ध ∙ ४	ग म ध नि ध ∙ नि
मन्द्र	ध नि	

∙ ∙ हा ∙ री ∙ ∙ ∙ दी ∙ नीं ∙ ∙ वि
३ २ २ १ ३ २

तार	स स स स ∙ ४	स रि स स ∙
मध्य	नि नि	नि नि नि ध
मन्द्र		

धी बूं द डा ∙ र अ रि अ नं ∙ ∙ ग सीं
३ २ २ १ ३ २ ३

तार		स म ग ∙ रि स ∙ ४ स रि स स
मध्य	म ग म म ∙ ४	
मन्द्र		

स डा ∙ र आ ∙ ∙ ई ∙ मृ त म ध्य
२ २ १ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	नि ध म • ४	ग म ग रि स • १ स ग म ध • ४
मन्द्र		ध नि

लो . क सं . त न को ध्या . री . . .
२ १ ३ २ ३ २ २

राग बागेसरी नंबर ३४.

इस राग में गंधार अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध दुसरा अतिकोमल शुद्ध निषाद के वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है .

ताल तीनताल.

—:०:—

कोन गत भईली मोरी, पियान पूछे एक बात ॥ एक बन धूंडू सकल बन बन आये डारे डार करपात ॥

तार		
मध्य	१ रि ग रि स	रि स • १ स स रि • स
मन्द्र		नि ध • ध

को न ग त भ इ . ली . . मो . . री
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	० धु पु ग़. रिु गु सु .ऽ	गु मु पु पु धु म ग रिु सु
मन्द्र		
	. रे . डा. . र	क र . . . पा . त .
	३ २	१ २ २

राग सोहनी षाडव नंबर ३९.

इस रागमें रिषभ अतिकोमल, मध्यम तीव्रतर, पंचम वर्ज, निपाद तीव्र बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल तीनताल.

—:०:—

येरि जसोदा तुसे लरोंगी लरोंई तेरे कुवरनें धूम मचाई ॥ काहुके सिरसे मटकी या दधकी लीनी, काहुके सिरसे घगरिया दूर काई ॥ बिच डगर मोसे निपटत नटवर चांद हसत सब ब्रिजकी लुगाई ॥

तार	सु	रिु सु रिु रिु
मध्य	० गु गु गु मु धु निु	निु निु निु
मन्द्र		
	ये रि ज सो दा तु से	ल रों गि ल रा . .
	३ २	१ २

तार	सं ॰४१ रिं सं रिं सं	सं
मध्य	नि ध	म ध नि ध नि
मन्द्र		

ई ते रे कु व र ने धू म म चा . .
३ २ १ २

तार				सं रिं सं रिं
मध्य	नि ॰४	१ग ग ग म ध नि नि		नि
मन्द्र				

ई का हु के सि र से म ट की या द ध
३ २ १ २

तार	सं सं १रिं सं रिं सं	
मध्य	नि नि ध ध	म ध नि नि
मन्द्र		

कि लि नि का हु के सि र से घ ग रि या हू
३ २ १

तार	सं १गं रिं मं गं रिं सं	रिं सं
मध्य	नि ध नि नि नि	नि
मन्द्र		

र का . . ई वि च ड ग र मो से नि प ट
२ ३ २ १

तार	रिं रिं सं सं ९ रिं सं रिं सं	
मध्य	निं निं धं धं	मं मं
मन्द्र		

त न ठ व र चां द हा स त स ब वि ज
२ ३ २ १

तार	सं	
मध्य	धं निं धु नि निं ० ४	
मन्द्र		

कि लु गा ० ० ई
२

राग हिंडोल ओडव नंबर ३६.

इस रागमें रिषभ पंचम वर्ज मध्यम तीव्रतर बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल धमार.

शाम मोसो खेलोन होरी पालागो कर जोरी गैया चरावन मै निकासी हूं सास ननंदकी चोरी ॥

तार	सं ०
मध्य	स ग म ध नि ध म म ग स स स ० ९
मन्द्र	ध

शा ० म मो ० ० सो ० खे लो न हो ० री
१ २ ३ २

तार	स
मध्य	स ॰ सगगमध सगमध ॰४
मन्द्र	नि ध म ध

पा . . लागो . कर जो . . री . . .
१ २ ३ २

तार	स स स स ॰१
मध्य	स ध ध नि म ॰ ध ध ध ॰ ४ ध
मन्द्र	

गै या च रा . . व न मैं नि कसी हूं
१ २ ३ २

तार	स ग ग म ग स स ॰
मध्य	ध नि ध म ग स स ॰४
मन्द्र	ध

सा . स न मं द की . . . . . चो . री
१ २ ३ २

राग ललित षाडव नंबर ३७.

इस रागमें रिषभ धैवत अतिकोमल मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर, तीव्रतर म के वास्ते निशानीं होगी, बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल धमार.

—:०:—

कैसी जाऊ आली निकसी ननंद्की चोरी लाल हो ॥ वादीन को डर मेरे रीदीया मे ता दिनी बाहाम रोरी लाल हो ॥

तार	स • ५४
मध्य	म • म • ९ म म म ▲ म म ▲ म ग ▲ म ध
मन्द्र	

कै से जा उ आ ली . . . नि कसी

१ २ ३ २

तार	• रि
मध्य	नि नि ▲ म ध ▲ म ग म ग म ग ९ रि ग
मन्द्र	नि

न नं द की . . . . चो . री ला ल हो

१ २ ३ २

तार		स स स • स स • ९	रि ग रि
मध्य	म • ५	▲ म ध	नि •
मन्द्र			

. वा • दी न को ड र मे रे री दी

१ २ ३ २ १ २

तार	सु ॰९ रि	सु • सु स • ९
मध्य	नि नि ध	▲म ध ▲म ग म •
मन्द्र		

या मे . . . . ता दी नी
३ २ १ २ ३ २

तार	रि
मध्य	नि नि ध ▲म ध ग म ग ९ रि ग म - ४
मन्द्र	नि

बा . ह्म रो . . . रीं लाल हो .
१ २ ३ २

राग ललीत नंबर ३८.

ताल तीनताल.

पिया पिया करत पपियरा उडरी कोयलीया कवन देस मोरे पियाको मिलना कब होवे ॥ झिंगार झिंगार दादुर बोले मुरवा बोले बन बनके आवन सुनी पत्तिम मन रंगकी मगन भये सब घरके हियरा ॥

तार		
मध्य	ग रि ग म ग रि रि	ग म म ▲म ग म • ४
मन्द्र	नि	

पि या पि या क र त प पी . य रा . .
३ २ १ २

तार	सं सं	रिं
मध्य	▲म ध ▲म ध नि	नि ध ▲म ध ▲म
मन्द्र		

उ ड रि को य लि या क व न हे . स
३ २ १ २

तार	सं रिं	
मध्य	म ग .४ ▲म ध ▲म ध नि नि	नि ध
मन्द्र		

मो रे पि या को मि ल ना . . क ब
३ २ १

तार		
मध्य	▲म नि ध ▲म ग म ग .४	▲म ध ▲म ध
मन्द्र		

. . हो . . . बे झिं गा र झिं
२ ३

तार	सं . सं	सं रिं रिं सं .४ रिं
मध्य		नि नि नि नि ध नि नि
मन्द्र		

गा र द्वा द र बो . . ले मु र बा बो .
२ १ २ ३ २

तार		रि
मध्य	▲म ध	▲म ध नि ध ▲म ग म • म म म
मन्द्र		

ले . ब न ब न के . . . आ व न
१ २ ३

तार		
मध्य	म म म	ग रि ग म ग रि स • ४ ▲म ध ▲म ध
मन्द्र		

सु नी पी त्त म म न रं ग की म ग न भ
२ १ २ ३

तार	स स स	रि
मध्य		नि नि ▲म ध ▲म ग म • ४
मन्द्र		

ये स ब घ र के हि य रा . .
२ १ २

राग बसंत नंबर ३९.

इस रागमें रे, ध अतिकोमल म दो शुद्ध. तीव्रतर शुद्ध म के वास्ते निशानी होगी, बाकीके सब शुद्ध स्वर आरोहमे पंचम वर्ज.

ताल तीनताल.

→•←

पिया संग खेलोरी बरन बरन के बसन पर फुल बनके हरवा गुंदे गुंदे डारी हो गरवा ॥ तैसोही बसंत उपजे सबके मन उलसा लितो मनवा अतही छाव परीला मोराजी हरवा॥

तार		
मध्य	९ म ध नि • ९ ध प • ४	ध म प म ग म ग •
मन्द्र		

पि या . सं ग खे . . . . . .

३ २ १ २

तार	स • ५ ४	रि स रि स स • ४ स
मध्य	९ म ध	नि नि ध
मन्द्र		

लो . री ब र न ब र न के ब स

३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	नि ध प • ४ म म	ध नि नि ध म ग • ४ म ग
मन्द्र		

न प र फु ल ब न के ह र वा गुं दे

२ १ २ ३

तार		सं॰	
मध्य	रि स ॰ ऽ म	ध नि नि ध प	ऽम ध नि ॰ ऽ
मन्द्र			

गुं दे डा रि हो ॰ ग र वा पि या ॰

२ १ २ ३ २

तार			सं ॰ ऽऽ
मध्य	ध प ॰ ऽ	ध म प म ग म ग ॰ ऽम ध	
मन्द्र			

सं ग खे ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ लो ॰ री

२ १ २ ३ २

तार	सं सं सं ॰ सं सं सं सं ॰ ऽ	सं सं सं
मध्य	ऽ ॰ म ध	
मन्द्र		

तै सो हि ब सं त उ प जे स ब के

१ २ ३ २ १

तार	सं सं सं सं रिं सं ऽ सं	रिं गं
मध्य	नि नि नि ध नि ॰ ऽ	
मन्द्र		

म न उ ल सा ॰ ॰ ॰ ॰ लि नो म न्वा अ त

२ २ २ १

तार	गु.रि सुरिरिसु सु
मध्य	नि नि निध धममध.
मन्द्र	

हि . छा व प री , . . ला . मो . . रा
२ ३ २

तार	स सु ‖
मध्य	निध निधप ‖
मन्द्र	‖

जी ह र वा . . .
१ २

राग कालिंगडा संपूर्ण नंबर ४०.

इस रागमें रिषभ, धैवत अतिकोमल, निषाद दो शुद्ध और अतिकोमल शुद्ध निषादके वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल तीनताल.

——:०:——

प्रानी तूं हरसो डररे तूं क्या रहानींडररे ॥ गाफिल मत रे चेत सबेरा मनमे राख फिकररे जो कछुकरे बेग तू करले शिरपर काल जबररे ॥

तार |
मध्य | नि ध प म ग ग म प | ध ध प ऽ ऽ स ग म
मन्द्र |

प्रा . नि . तूं ह र सो ऽ र रे . तूं क्या र
३ २ १ २ ३ २

तार | | सं रिं रिं सं
मध्य | ०नि ध | ध ध प ध नि नि ध प म प
मन्द्र | |

हा नि ऽ र रे . . . .
१ २

तार | |
मध्य | म म म म म म | ग ग ग ग म प ध ध ध ध
मन्द्र | |

गा फि ल म त रे चे त स बे . रा म न में रा
३ २ १ २ ३ २

तार | | सं | ०रिं सं रिं
मध्य | प ध | प म प ऽ ऽ प ध ध नि नि |
मन्द्र | | |

ख फि क र रे . . जो क छु क रे बे ग तू .
१ २ ३ २ १

तार	रिं सं॰ऽ संसं	
मध्य	निं पंपं निधंधं	धंधंपप
मन्द्र		

कर ले शिरपर काल ज बर रे॰
२ ३ २ १ २

तार	सं ऽ	॥
मध्य	धनि निं	॥
मन्द्र		॥

• • • •

यह अंतरे उपर भजनके अंतरेके माफक गाना.

काले गोरे तनपर भूला तन जायेगा जररे।
यमके दूत पकरकर घीसे काटे वहुत कसररे॥
वृज धूले प्रभू पद नौका चढ भवसागरको तररे।
हर भज हर भज हर भज प्राणि हरिको भजन तू कररे॥

राग परज संपूर्ण नंबर ४१.

इस रागमें रिषभ, धैवत अतिकोमल मध्यम दो शुद्ध और तीव्रतर. तीव्र तर म के वास्ते निशानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल धमार.

—:o:—

लाल गुलाल जिन डारो बरजोरी न करो रघुनंदन छोडोजी हात हमारो ॥ झक झोरोम मुरख जाय वैय्या छूट जाय कचवारो राम सखे धारे पैय्या परत मैंरो घुंगट पटन उघारो ॥

तार	सु
मध्य	नि ध प प • ४ नि ध • प ग म ग १ • ४
मन्द्र	

ला ल गु ला ल जि • न डा • रो ,
१ २ ३ २

तार	स रि रि स ा
मध्य	रि ग ▲ म ध नि नि नि ध • ४
मन्द्र	नि नि

ब र जो रि न क रो र घु नं • • द न
१ २ ३ २

तार	रि स रि स स
मध्य	ध नि नि ▲ म ध नि ध ▲ म ध • ४
मन्द्र	

छो • डो जि हा • त ह मा • रो • • •
१ २ ३ २

तार	स
मध्य	म ग ∆ म प प॒ • ४ म ध नि नि • नि॒ ध नि॒ • ४
मन्द्र	

झ क झो रो न मु र क जा • य ब इ यां
१ २ ३ २

तार	स स
मध्य	ध नि ध प म॒ ग॒ ∆ म ध नि • ध नि॒ • ४
मन्द्र	

छू • ट जा • य • क च वा • रो • •
१ २ ३ २

तार	रि ग ग रि ∆ म ग रि स रि॒ स रि॒ स॒ •
मध्य	नि नि
मन्द्र	

रा म स खे धा रे पै • यां प र त में •
१ २ ३ २

तार		रि स रि स
मध्य	नि॒ ध • ४	ध नि नि ध ∆ म ∆ म॒
मन्द्र		

रो • घुं • ग ट प ट न उ • •
१ २ ३

तार	सं॰	
मध्य	ध नि ध नि ∆म धं॰ ४	
मन्द्र		

धा . रो . . . .
२

राग बिभास ओढव नंबर ४२.

इस रागमें निषाद और मध्यम वर्ज, रिषभ और धैवत अतिकोमल बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल सुरफाकता.

—>:०:<—

गायन विद्या गुरुके आंगण्यो रे साधले होतम तां गजामें वरत ॥ सरस्वति सुमीरन जे गुनी करियात तब हूं बजत अंगके रंगके चेत ॥

तार		
मध्य	ग रि स स ॰ १ स रिं सं स	स रि ग प प
मन्द्र	धं॰ ४	

गा य न वी द्या . . गु रु के . आंगण्यो
१ ३ २ २ ३ १ ३ २

तार		
मध्य	ध़ प़ ग रि स ॰ १	स ग प रि ग प प ध़ ॰ ४
मन्द्र		

. . . . रे साध ले हो . . त म
२ ३ १ ३ २ २ ३

तार	स	स स
मध्य	ध प ग रि स स स़ ॰ ४	ग ग प ध
मन्द्र		

तों ग जा मे . य र त स र स्वा ति सू मी
१ ३ २ २ ३ १ ३ २ २

तार	रि स ॰ १	स स स रि रि स
मध्य		प ध ध प़ ॰ ४
मन्द्र		

र न जे . गू नी क री या . . त
३ १ ३ २ २ ३

तार		स रि स
मध्य	ग ग प ग प प प ध ध ॰ १	ध प
मन्द्र		

त व ह्व ब ज त अं ग के रं ग के . .
१ ३ २ २ ३ १ ३ २

तार		‖	
मध्य	ग रि सु सु • ४	‖	
मन्द्र		‖	

. . चे त
२ ३

समाप्त.

॥ श्रीगुरु दत्त प्रसन्न. ॥

संगीत बालबोध.

अर्थात्

(हारमोनियम प्रकाश.)

1944
8/1/4

द्वितीय भाग.

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्युझिक, प्रिन्सिपॉल,

गांधर्व महा विद्यालय—बंबई द्वारा रचित.

सन १९२१.

तृतीयावृत्ति] प्रती १००० [मुल्य १ रुपया.

"गांधर्व महा विद्यालय" प्रेस, सँडहर्स्ट रोड-बंबई.

हमारे यहां के लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम्) को समजने के लिये **संगीत तत्वदर्शक** को पढना चाहिये.

प्रस्तावनिका.

इस **संगीत बालबोध** द्वितीय भाग में प्रातःकाल से ले कर सायंकाल तक जो प्रसिद्ध २ राग है वह प्रकाशित किये गये हैं. इस पुस्तक को पढने से तथा इन में लिखे हुवे गायनों को और **सा, री, ग, म,** को याद करने से दिन के रागों का उत्तम प्रकार का ज्ञान हो सकेगा. इस लिये प्रेमीयों से कथन है कि वह उक्त बातों पर ध्यान देकर इस पुस्तक से लाभ उठावेंगे.

भवदीय,

विष्णु दिगंबर पलुस्कर,

अनुक्रमणिका.

श्रीगुरु दत्त प्रसन्न.

राग भैरव संपूर्ण.

इस राग में ऋषभ, धैवत अतिकोमल, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

ताल विलंबित चारताल.

तार		
मध्य	ग म म प · ४ ४	ध ध प म प म ग · ४
मन्द्र		

प्र . थ म आ . . . द .
२ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	ग म रि · ग प म · ४	म ध ग · म रि · I
मन्द्र		

ना . . . . द ध्रं . . . .
२ २ १ ३ २

तार		
मध्य	स॒ • ऽ ४ रि॒ रि॒ स॒ स॒ •	
मन्द्र	नि ध ध • ४	ध॒

ह्ल जो . जा . . सो . भ
३ २ २ १

तार	
मध्य	स॒ • स • स॒ • ऽ ४ रि॒ ग॒ ग॒ प॒ • ऽ ४
मन्द्र	नि

यो . . है स व हि .
३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	म॒ ग म • रि स॒ स ४	ग॒ म॒ म॒
मन्द्र	नि	

बी . . स्ता र . . प्र . थ
१ ३ २ ३ २

तार		स स॰४ स स
मध्य	प॰५४	म ध नि नि
मन्द्र		

म शब्द प व न आ म्न पा

२ १ ३ २ ३ २

तार	स स॰४	स स॰५४
मध्य		नि ध॰नि ध॰
मन्द्र		

. नि ध र . . त्री

२ १ ३ २

तार	रि स स॰	
मध्य	नि ध ध प॰४	म प ध ध
मन्द्र		

मा या . . मा . इ स्तू ष्टी र .

३ २ २ १ ३ २

तार	
मध्य	स • ऽ ऽ रि रि स स़ •
मन्द्र	नि ध़ ध़ • ऽ ध

ह्म जो . जा . . सो . भ
३ २ २ १

तार	
मध्य	स • स़ • स • ऽ ऽ रि ग ग प • ऽ ऽ
मन्द्र	नि

यो . . है सब हि .
३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	म ग म • रि स स़ ऽ ‖ ग म म
मन्द्र	नि

बी . . स्ता र . . प्र . थ
१ ३ २ ३ २

तार		स सु॰ऽ सु स
मध्य	प॰ऽऽ	म धु नि नि
मन्द्र		

म   शब्द   प   व   न   आ   ग्न   पा
२   १   ३   २   ३   २

तार	स सु॰ऽ	स स॰ऽऽ
मध्य		नि धु॰ नि धु॰
मन्द्र		

. नि   ध   र . . .   त्री
२   १   ३   २

तार	रि स सु॰	
मध्य	नि धँ धँ पु॰ऽ	मु पु धँ धँ
मन्द्र		

मा   या . . मा . इ   स्व धी र .
३   २   २   १ ३ २

तार	सं	
मध्य	ध • ४ ध ध प • ४	ग स ध ग • म
मन्द्र		

. चो क . र ता . . . .
३ २ २ २ ३

तार		
मध्य	रि • I स स ४	ग स स प • ४ ४
मन्द्र	नि	

. र . . प्र . थ म
२ ३ २ २

तार	
मध्य	ध ध प म प म ग • ४ ग स रि • ग प
मन्द्र	

आ . . . . द . ना . . . .
१ ३ २

तार	
मध्य	स • ऽ स ध ग • म रि • ऽ स • ऽ ऽ
मन्द्र	

द ग्रं • • • • ह्म
३ २

तार		
मध्य	रि रि स स •	स •
मन्द्र	नि ध ध • ऽ	ध

जो • जा • • सो • भ यो
२ १

तार	
मध्य	स • स • ऽ ऽ रि ग ग प • ऽ ऽ म
मन्द्र	नि

• • है स ब हि • • वि
३ २ ३

तार	
मध्य	गु मु · रि सु सु ४ गु मु मु पु · ४ ४
मन्द्र	नि

· · स्ता र · · प्र · थ म
२ २

तार	स स · ४ स स स स · ४
मध्य	म ध नि नि
मन्द्र	

श ब्द प व न आ ग्न पा · नि
१ ३ २ ३ २ २

तार	स स · ४ स स स स · ४
मध्य	म ध नि नि
मन्द्र	

श ब्द प व न आ ग्न पा · नि
१ ३ २

तार	स स · ऽ ऽ रि स
मध्य	नि ध · नि ध · नि
मन्द्र	

ध र . . . त्री   मा या .
३   २   २

तार	स ·	
मध्य	ध ध प · ऽ	म प ध ध ध
मन्द्र		

.   मा . इ   सृ ष्टी र . .
         १   ३

तार	स
मध्य	ध ध प · ऽ ग म ध ग · म रि · ऽ स
मन्द्र	

ची क . र   ता . . . . .   र
२   ३   २

		*	
तार			
मध्य	सु ऽ गु मु सु पु · ऽ ऽ		ग म म
मन्द्र	नि		

. . प्र . थ मं   प्र . थ
         २   २

तार		
मध्य	प · ऽ ऽ	ध ध प म प म ग · ऽ ग म
मन्द्र		

म   आ . . . . द .   ना .
       १   ३

तार	
मध्य	रि · ग प म · ऽ म ध ग · स रि · ऽ
मन्द्र	

. . . द ब्र . . . .
         २

तार		स स . ४
मध्य	ग म म प . ४ ४	म ध नि
मन्द्र		

प्र . थ म   श ब्द प व न
२   १ ३ २

तार	स स स स . ४	स स . ४
मध्य	नि	म ध नि
मन्द्र		

आ ग्न पा . नि   श ब्द प व न
३ २ २   १

तार	स स स स . ४ स	
मध्य	नि	नि ध . नि ध .
मन्द्र		

आ ग्न पा . नि   ध   र . . .
३   २

तार	स़ • ॠ ॠ रि स़ स़ •
मध्य	नि ध़ ध़ प़ • ॠ
मन्द्र	

श्री मा या • • मा • इ
३

तार	स	
मध्य	म प ध ध ध • ॠ ध ध प • ॠ	ग
मन्द्र		

सृ ष्टी र • • ची क • र ता
२ २ १

तार	
मध्य	म ध ग • म रि • ऽ स स ऽ ग म ध
मन्द्र	नि

• • • • • र • • ता • •
३ २ ३ २

तार	
मध्य	ग • म रि • ऽस स ँ ग म म प ऽ ऽ
मन्द्र	नि

• • • र • • प्र • थ म
२

राग भैरव संपूर्ण.

इस राग में ऋषभ, धैवत अतिकोमल, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

ताल द्रुत चारताल.

तार		
मध्य	म • ग रि स स रि स स स स	स रि
मन्द्र		

जा • गो ब्रि ज रा ज कुं व र नं द
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	ग म प ग म रि ग म म प •	ग ग म
मन्द्र		

के . दु ला . . रे . . . ज मु ना

२ ३ २ २ १ ३

तार	स स स	स रि स
मध्य	ध नि नि	नि नि
मन्द्र		

मैं गैं . द डा र ग्वा ल बा ल हां

२ ३ २ २ १ ३ २ ३

तार	स	स रि स
मध्य	ध ध प म	प ध नि नि
मन्द्र		

. रे . . . का . लि . . बु भु

२ २ १ ३ २

तार		
मध्य	धु धु नि धु धु पु	मु धु पु धु मु पु गु
मन्द्र		

का . र दे . त शा . म ही ए क का
३ २ . २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	म रि गु सु म पु ४	सु . ग रि सु सु
मन्द्र		

. . रे . . . जा . गो बि ज
२ २ १ ३ २

तार		
मध्य	रि सु सु सु सु	म . गु रि स स रि स
मन्द्र		

रा ज कुं व र जा . गो बि ज रा ज
३ २ २ १ . ३ २

तार	
मध्य	स स स स रि ग म प ग म रि ग म
मन्द्र	

कु व र नं द के ॰ दु ला ॰ ॰ रे ॰

✳ ३ २ २

तार		
मध्य	म प ४	म ॰ ग रि स स रि स स स
मन्द्र		

॰ ॰ जा ॰ गो ब्रि ज रा ज कुं व

१ १ २ ३ २ २

तार			स स स
मध्य	स	ग ग म ध नि	नि
मन्द्र			

र ज मु ना में गँ ॰ द डा र

१ ३ २ ३ २ २

तार	स स स स रि
मध्य	ग ग म ध नि नि नि
मन्द्र	

ज मु ना में गें . द डा र ग्वा ल बा
१ ३ २ ३

तार	स स	स रि
मध्य	नि ध ध प म	प ध नि
मन्द्र		

ल हा . रे . . . का . ली . .
२ १

तार	स
मध्य	नि ध ध नि ध ध प म ध प ध म प ग
मन्द्र	

बु भु का . र दे . त शा . म हि ए क का
३ २ ३ २

तार		
मध्य	स रि ग म म प ४	म • ग रि स स रि
मन्द्र		

. . रे . . . जा . गो बृ ज रा
२ १ . ३ २ ३

तार		स स
मध्य	स स स स	ग ग म ध नि नि
मन्द्र		

ज कु व र ज मु ना में गें . द डा
२ २ १ ३ २ ३ २ २

तार	स	स स स
मध्य		ग ग म ध नि नि नि
मन्द्र		

र ज मु ना में गें . द डा र ग्वा
१ ३

तार	स	रि	स			स								स
मध्य					नि		ध	ध	प	म	प	ध	नि	
मन्द्र														

ल बा ल हां . रे . . . का . ली .
२ . ३

तार	रि	स												
मध्य			नि	ध	ध	नि	ध	ध	प	म	ध	प	ध	म
मन्द्र														

. बु भु का . र दे . त शा . भ हि ए
२ २

तार										
मध्य	प	ग	म	रि	ग	म	म	प	४	
मन्द्र										

क का . . रे . . .

राग भैरव.
ताल झपताल.

तार		
मध्य	स स ग म प प ग म	प प ध नि
मन्द्र	नि	

आ . ज नं द ला ल सखि प्रे म मा द
३ २ ३ २ १ २ ३

तार	स रि स	स	
मध्य			नि ध प ग म म प प ०
मन्द्र			

क पि ये सं ग ल ल ना . लि ये .
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	ग म नि ध प ग म रि रि स	ग म म
मन्द्र		

ज म न ति य रे . ब र न फो . लि
१ २ ३ २ १ २

तार	स स स स	स स
मध्य	ध ध नि	ध ध नि
मन्द्र		

कें . स र क म ल मा . ल ती .
३ २ १ २

तार	रि रि स स	
मध्य	ध	ध ध प ग म प प ध
मन्द्र		

स ध न ब न मीं . द सु . गं . ध
३ २ १ २ ३ २

तार	स	रि स स
मध्य	नि	ध ध ग म रि रि स
मन्द्र		

सी . त ल स मी . रे . ब र न
१ २ ३ २

तार		
मध्य	प प प ग म प प ध ध प	प प प ध ध
मन्द्र		

मे . ध चौं . प क व र न. कृ . ष्ण र स
१ २ ३ २ १ २

तार	स	
मध्य	नि ध ध प	प ध ध प प ग म म
मन्द्र		

मा . ते . . रा . ग पौं . च म सो
३ २ १ २ २

तार		
मध्य	प प	ग म नि ध ध ग ग ग रि स
मन्द्र		

हे . कु टि ल ह ल का . . . न
१ २ ३ २

तार	स स स	
मध्य	म म ध ध नि नि	ध ध नि
मन्द्र		

ए क मु . ख जो . र स की ध र र
१ २ ३ २ १ २

तार	स रि रि स स	
मध्य	ध	प प ग म प ध नि
मन्द्र		

हि . ध्या न स ब आ प नो . ला ल चि
३ २ १ २ ३ २

तार	स		
मध्य		ध ध प म ग म म रि स	
मन्द्र			

त चो . र पा ये . ब ने .
१ २ ३ २

तार	सं
मध्य	स स ग म प प ग म प प ध नि
मन्द्र	नि

आ . ज नं द ला ल स खी प्रे म मा द क
१ २ ३ २

तार	रि स	स
मध्य		नि ध प ग म म प प ४ ग
मन्द्र		

पि ये सं ग ल ल ना . लि ये . ज
१ २ ३

तार		
मध्य	म नि ध प ग म रि रि स	ग म म ध
मन्द्र		

म न ति य रे . ब र न फू . ले के
२ १

तार	स स स स स स रि रि
मध्य	ध नि ध ध नि
मन्द्र	

. स   र क म ल मा . ल ती . स ध
२   ३   २

तार	स स	स
मध्य	ध	ध ध प ग म प प ध नि
मन्द्र		

न ब न   मं . द सु . गं . ध सी .
१   २

तार	रि स स	
मध्य	ध ध ग म रि रि स	
मन्द्र		

त ल स मी . रे . ब र न
३   २

राग भैरव.

तीनताल.

तार	
मध्य	० ग म म रि स स स रि रि स स
मन्द्र	नि

प्या . रे मै को ला ग ली अ खि मो री
१ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स स स स रि रि स ग म
मन्द्र	ध ध ध नि

अ ब हि ने क. प ल ख [illegible] प क निसा
१ २ ३ २

तार		स
मध्य	प प	ध नि ध ध प प ग म प ध प
मन्द्र		

सा रि ज गी ज गा इ तु नि अ ब न ज गा
१ २ ३ २

तार		
मध्य	ध ध प म प	१ ग म म रि स ग म प
मन्द्र		

वो . . . .   प्या . रे मै को अ ब न
१ २ ३

तार		
मध्य	ध प ध ध प म प	१ म म म प ध ध
मन्द्र		

ज गा वो . . . .   सो ब न दे मो हे
२ १ २

तार	स स स स स स	स
मध्य	ध नि	ध ध ध
मन्द्र		

आ नं द भु व न ग रे   ला गों गी तो
३ २ १ २

तार	सॖ सॖ सॖ	स
मध्य	नि॒ ध नि॒ ध प॒ ध॒	नि॒
मन्द्र		

रे छ ति यां स र न आ ब तू जि
३ २ १

तार	
मध्य	ध॒ ध प ग॒ म॒ प॒ ध॒ प ध ध प म प॒ • ४
मन्द्र	

न जा वो अ ब न ज गा वो . . . .
२ ३ २

राग भैरव.

ताल धमार.

तार	
मध्य	ध॒ ध प प प प ध॒ँ प ग म म • ५ ४
मन्द्र	

आ ज मि ल स ब गी त गा . वो
१ २ ३ २

तार	
मध्य	ध • ध ध म प म म रि ग म प म रि स
मन्द्र	

उ स प्र भु • के • • ध • • न्य वा द

१ २ ३ २

तार	
मध्य	स स स ग म म प ग म
मन्द्र	ध ध ध नि

जि स का य श नि त्य गा • ते हैं गं •

१ २ ३ २

तार	स
मध्य	ध ध नि नि ध ध ध प ग म म
मन्द्र	

ध र्व मु • नी ग ण ध न्य वा • द

१ २ ३ २

तार	स स स	
मध्य	म म ध ध नि नि	ध ध ध
मन्द्र		

मं द रो मैं कं . द रो मैं प र व
१ २ ३ २ १

तार	स स रि रि स	
मध्य	नि ध प	ध प ग म
मन्द्र		

तो . के सि ख र प र दे ते है .
२ ३ २ १

तार	रि स	
मध्य	म प ध ध	ध नि ध ध म म ग
मन्द्र		

ल गा ता र सौ सौ बा र मु नि व र ध
२ ३ २ १ २

तार		
मध्य	म रि ग म प प॒ • ४	
मन्द्र		

. न्य वा . . द्
३ २

राग तोडि संपूर्ण.

इस में ऋषम, गंधार और धैवत आतिकोमल मध्यम तीव्रतर. निषाद शुद्ध.

तीन ताल.

तार	
मध्य	ध ध॒ ध॒ प॒ • म॒ प॒ ध॒ ध॒ म॒ म॒ ग॒ रि॒ ग॒ रि॒
मन्द्र	

का क रि या . जि न मा . . . रो . मो
१ २ ३ २

तार		
मध्य	रि सा	सा सा ध • प ध ध म म ग रि ग
मन्द्र		

• रे अं ग वा ल गी जा • • • रे •

१ २ ३ २

तार		सा सा सा ग ग
मध्य	रि सा सा	प म ध नि
मन्द्र		

लं ग र सु न पा वे • मो री सा •

१ २ ३

तार	रि सा रि सा	ग रि रि
मध्य	नि नि ध	नि
मन्द्र		

स न न दि • या • दो रे दो रे

२ १ २

तार	सॄ रॄ	
मध्य	निॄ धॄ निॄ धॄ पॄ पॄ गॄ मॄ	
मन्द्र		

घ र आ . . वे . लं ग र
३ २

राग तोडी संपूर्ण.
ताल द्रुत चारताल.

तार		
मध्य	सॄ धॄ पॄ ध निॄ धॄ पॄ मॄ गॄ मॄ मॄ	ध पॄ
मन्द्र		

ना द्द द्दे तों त न न त न दे रे ना त
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	पॄ पॄ पॄ धॄ पॄ मॄ गॄ ऽ	गॄ मॄ धॄ निॄ धॄ पॄ
मन्द्र		

न न न दे रे ना . य ल लि य ल लि
२ ३ २ २ १ ३ २

तार		स स स
मध्य	रि ग रि रि स स	स नि ध.
मन्द्र		

य लि य ल ल ल तो. त न न तों
३ २ १ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	नि ध प	ग ग ग ग म म ध ध नि नि
मन्द्र		

त न न य ल लि य ल लि य लि य ल
२ १ ३ २ ३ २

तार	स स	स ग रि स
मध्य		ध ध नि ध नि ध
मन्द्र		

ल ल त दीं दीं त न न न न त दीं
२ १ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	ऽ प नि ध प म ग रि स ऽऽ	
मन्द्र		नि नि

द्रीं त थ न न न न न   धा कि
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	
मध्य	रि रि ग ग ग ग ग ग म म ध ध
मन्द्र	नि

ड़ त क धु म कि ड़ त क धे त्ता कि ड़
३ २ ३ २

तार	स स स स	स स स ग रि रि
मध्य	ध ध	
मन्द्र		

न ग तिं र कि ड़   त क धि लां ग धु
२ १ ३

तार	रि रि स स
मध्य	ध ध नि ध ध ध ध प
मन्द्र	

कि ड त क कि ट ता ग दि ग न धा
२ ३ २ २

राग तोडी संपूर्ण.

ताल झपताल.

तार		
मध्य	ध नि ध ० ऽ	प प ग ग म ध प ० ऽ ऽ
मन्द्र		

दु ० गौ आ ० द भ वा ० नी
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	ध ० ऽ	ध ऽ नि ध प म ग रि स ० ऽ
मन्द्र		

द या ० नी द या क र
१ २ ३ २

तार		
मध्य	स रि ग म ध . ऽ ऽ	म ध
मन्द्र	ध ध नि	

तु व पू . . जे स व   ज ग
१   २   ३ २   १

तार	स रि	
मध्य	नि नि ध . ऽ	म ग ग म ध . ऽ
मन्द्र		

मा . . नी .   अ सु र सं . .
२   ३   १   २

तार	स स स . ऽ ऽ	स रि
मध्य	नि	ध ध नि नि
मन्द्र		

हा . र नी   न ग्र को . ट रा
३   २   १   २ . ३

तार	स	
मध्य	नि ध॒ . ऽ . ऽ ऽ	प॒ ग॒ ग म ध नि
मन्द्र		

. नी .   की जे द या ब .

२   १ २ ३ २

तार		
मध्य	ध॒ . ऽ	ध नि ध म ग रि स॒ . ऽ
मन्द्र		

र   बा . . . . . नी

१ . २   ३

राग आसावरी संपूर्ण.

इस में आरोह में गंधार और निषाद वर्ज. गंधार, धैवत और निषाद अतिकोमल, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

तीन ताल.

तार		
मध्य	० धु नि • नि धु प धु मु	म पु धु मु पु
मन्द्र		

कौ . न रि झा व न जा ये . . .
३ २ १

तार		
मध्य	ग सु रि गु गु रि रि सु सु सु • ४	
मन्द्र		धु

री अ ल वे . ली ना र च ली ल
२ ३ २ १

तार	सु
मध्य	सु सु सु सु • ४ रि मु मु प नि
मन्द्र	धु धु

प क झ प क सो ने व र कीं झ .
२ ३ २

तार	स ॅ		स
मध्य		ध ध ध प ध ऽ म ॰	स प
मन्द्र			

न कारकरेतू वा ट घा
१ २ ३ २

तार	स स	स स स
मध्य	नि	म प नि ध ध
मन्द्र		

ट स ब बा ट घा ट स ब रो .
१ २ ३

तार	स स रि स स	ग रि ग रि स रि
मध्य		ध
मन्द्र		

क त टो क त जि न घ र आ . .
२ १ २

तार	स	सृ	
मध्य	नि धृ पृ पृ मृ प धृ नि		नि
मन्द्र			

वे जा उ चु न रि या . . . पै
३ २ १

तार		
मध्य	धृ ध पृ प धृ मृ	
मन्द्र		

री प्यारी तू . .
२

राग आसावरी.

ताल धमार.

तार		
मध्य	स रि म प धृ . ४	ध ध ध धृ प मृ ५४
मन्द्र		

स खे . री . जा . . दी न .
२ १ २

तार		
मध्य	म प धॢ • ४ ग ग रि स	रि ग • रि स
मन्द्र		

त्य जे . फा . गु न . . आ .
३ २ १

तार	
मध्य	रि स १ • ४ रि म प धॢ •
मन्द्र	धॢ १ • ४ ध ध

. यो चि त को औ . र .
२ ३ २

तार		
मध्य	प ग ।रि १ • ४ स १ • ४	ग प
मन्द्र		

सो हा . वे कु ल
१ २ ३ १

तार	सं ॰ सं ॰ ऽ सं ॰ ऽऽ
मध्य	ध ॰ ऽ ॰ ऽ नि
मन्द्र	

की का . . न
२ ३ २

तार	सं सं रिं सं रिं गं ऽ रिं सं रिं
मध्य	ध ध ध
मन्द्र	

ला . ज स . व . . त्य . ज के
१ २ ३

तार		रिं
मध्य	ध ध प ऽ ॰ ऽ	म ॰ प ऽ ॰ ऽ ध नि
मन्द्र		

. . . मो ह . न . म
२ १ २ ३

तार		
मध्य	ध प . ० ध	म . ग रि स ० . ५
मन्द्र		

न ही लु भ्या . . इ
२ १ २ ३

राग बिलावल.

इस में दो निषाद एक शुद्ध ओर दूसरा अतिकोमल, अतिकोमल निषाद के वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब शुद्ध स्वर.

ताल झपताल.

तार	रि स	
मध्य	ध ध ध ध प म ग . ५	रि ग प
मन्द्र		

प्र व ल ही शा . म अ ब दु . र्वे
१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	म ग रि स स स़ ० ४	स स ध ध ध
मन्द्र		

ल ही दे ख ज न	झ ट ही प ट
३ २	१ २

तार	स़ ० ४	ग ग रि स़
मध्य	नि प ध ० नि	प
मन्द्र		

झ प ट क रे	ग ज ब चा यो
३ २	१ २ ३

तार	स़ ० ४	स़ स
मध्य	प ध ० नि	प़ प ध ० नि
मन्द्र		

	गो प ही ग्वा ल
२	१ २ ३ २

तार	स • ९	स ग ग म ग रि
मध्य		ध नि प • ४
मन्द्र		

को रा ख लि यो गि रि ध . र
१ २ ३ २

तार	स स स स • ४	रि ग
मध्य	प ध ग प ध	
मन्द्र		

इं द्र को . मा . न छि न में .
१ २ ३ २ १

तार	रि स स • ४	
मध्य	प प ध नि	
मन्द्र		

ध टा यो . . . .
२ ३ २

इस भजन के जो अंतरे है वह ऊपर के अंतरे के माफक गाना.

नरहरि रूप धरे बरही सब हारो ॥
दास प्रल्हाद पर योन मायो ॥ १ ॥
चक्रही दास हारी प्रेम के बस भये ॥
गोपीधर छोर के दुधपायो ॥ २ ॥

राग बिलावल.

ताल झपताल.

तार	स स स	
मध्य	ध नि प म ध प .	ग रि स
मन्द्र		

चा रु शी ले . . प्रि ये . चा रु शी
१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	स ऽ ऽ	स ध ध ध ध ध नि ध प . ४
मन्द्र		

ले मुं च म यि मा . न म नि
३ २ १ २ ३ २

तार	
मध्य	प ध ध नि ध प म ॰ ऽ प ध ० नि ॰ ऽ
मन्द्र	

दा . . . नं . . प्रि ये .
१ २ ३ २

तार	स स स	रि म
मध्य	प प प ध ० नि नि	
मन्द्र		

व द सि य दि कीं चि द पि दं त
१ २ ३ २ १ २

तार	ग रि स रि स ॰ ९	
मध्य	० नि	प प ध ग
मन्द्र		

रु चि कौ . मु दी ह र ति द
३ २ १ २

तार	स स स॒ • ४	स
मध्य	प ध ф नि	प ध ध नि
मन्द्र		

र ति मि र ग ति घो . . . .
३ २ १ २

तार		
मध्य	ध॒ प॒ ग॒ म॒ प ध ф नि॒ • ४	
मन्द्र		

रं . . . प्रि ये .
३ २

राग बिलावल.

ताल चारताल.

तार		स स
मध्य	प ध॒ ф नि • ४	ध नि प॒ • ४ ध
मन्द्र		

तूं हि . . आ द ना . द ब्र
२ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	० नि ध प म प ० ४	ग म रि ० ४ ग
मन्द्र		

. ह्म वि . ष्णू तू . . हि
२ २ १ ३

तार		
मध्य	म प म ग रि ० ४ स रि स ० ४	स ऽ ० ४
मन्द्र		

. म हा . . दे . व तू
२ ३ २ २ १ ३

तार	रि ० ४	स
मध्य	ग प प प ऽ ० ४ ध ० नि	
मन्द्र		

हि . गु रु तू हि . चे
२ ३ २ २ १

तार	
मध्य	ध नि प - नि ध प म रि ग . प ध
मन्द्र	

. . . . ला . . . . तू हि
३ २ ३ २ २

तार		स स स
मध्य	ф नि . ५	ग प ध ф नि ध .
मन्द्र		

. तू . ही ख . . ड तू
१ ३ २ ३

तार	स रि स स . ५	स ग रि ग म ग रि
मध्य		
मन्द्र		

ही क प र्द तू . . ही . आ .
२ २ १ ३ २

तार	ग रि स रि स ० ०	
मध्य	ध	नि ध प ० ० ग
मन्द्र		

. . व . ला क . र . तू
३ २ २ १ ३ २

तार		रि स
मध्य	प ध नि ध प ० ०	ध ० नि ध
मन्द्र		

ही आ . क र आ . . के .
३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	नि प ४ नि ध प म रि ग ४	
मन्द्र		

. . ए ला . . . .
३ २

राग सिंदोरा संपूर्ण.

इस राग में गंधार अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल. शुद्ध निषाद के लिये निशानी होगी.

बाकी के सब शुद्ध स्वर.

ताल धमार.

तार	ग . रि स . ९ रि	
मध्य	ध नि . ध प	ग . म
मन्द्र		

आ व त है . . श्री ज ना र
१ २ ३ २ १

तार		
मध्य	प ग ग रि ग स ९	स स स स . ९ रि
मन्द्र		

खे ल न को . . श शी ब द नी
२ ३ २ १ २ ३

तार		सृ . रि
मध्य	मृ पृ ध ध	नि ध नि प म प
मन्द्र		

.. भृ . ग नै . . नी . . स ज
२ १ २ ३ २

तार	सृ . ४	सृ . स
मध्य	ф नि	मृ . पृ पृ ф नि
मन्द्र		

स ज के श री या . .
१ २ ३ २

तार	स रि	गृ . रि सृ स रि
मध्य		नि धृ नि प
मन्द्र		

शी र ची र ब सं . . ती . .
१ २ ३ २

तार		स़ • रि़
मध्य	ग॒ • रि स • १ रि म॒ प॒ ध ध॒	नि॒
मन्द्र		

फु ल न गो हे ला • यीं बे • •
१ २ ३ २ १ २

तार	स़	
मध्य	ध नि प म प ० नि	
मन्द्र		

नीं • • स ज स ज
३ २

राग सुवासुघराई.

इस राग में गंधार कोमल, धैवत दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल. अतिकोमल धैवत और शुद्ध निषाद के वास्ते निशानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार	स •
मध्य	ग़ म़ ध़ ० नि़ ध नि प़ म़ प़ ग़ म़ रि़ स •
मन्द्र	

तार	
मध्य	स नि प़ ० ४ नि़ नि़ प़ म़ प़ म़ रि़ स़
मन्द्र	

व ल्मा रे चू • न री या • मै •
१ २ ३ २

तार			
मध्य	रि ० ४	ग़ • रि़ स़ रि़ • स	० • ४ ०
मन्द्र			

के • ला ल रं गा दे
१ २ ३ २ १

तार		
मध्य	सु रि मु मु पु पु प प पु • ४	मु पु
मन्द्र	φ नि	

जै सि तो • री प गिया वै सी मो •
२ ३ २ १

तार	
मध्य	नि नि म प नि नि प म प म रि स स•४
मन्द्र	

री • रे • चू • न रि या • मै • के
२ ३ २

तार		
मध्य	ग • रि स रि • स	० म म म प ४ ध
मन्द्र		

ला ल रं गा दे रं ग रं गे ली
१ २ ३ २ १ १

तार	स़ स़ स़ स़ स़ स़ ॰ ४	म़
मध्य	० नि़ ० नि़	
मन्द्र		

औ र च ट के ली मा इ भो
३ २ १

तार	म़ रि़ स़ स़ स़
मध्य	० नि़ नि़ प़ ॰ म़ प़ म़ रि़ स़
मन्द्र	

. र मं गा . दे . चू . न रि मै .
.२ ३ २

तार			
मध्य	रि़ . ४	ग़ . रि़ स़ रि़ . स़ . ४	
मन्द्र			

के ला ल रं गा दे
१ २ ३ २

राग सुवासुघराई.

तीनताल.

तार		
मध्य	स़ नि प़ प ध़ ध़ म प गँ गँ	ग म़ प़
मन्द्र		

दी ई त ना दे रे दा जि त न दे रे .
१ २ ३ २ १

तार		
मध्य	ग़ ऽ ऽ ४ रि़ स़ रि़ म	स रि स ०
मन्द्र		०नि़ .

ना त दि य ना . . रे ता
२ ३ २ १ २ ३ २

तार		
मध्य	स़ ४	ग ग़ म़ स रि रि स रि़
मन्द्र		० नि़

न दे रे . ना ता . न तो .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	स	स स • ९
मन्द्र		नि ४ ध ४ ध म प

म त दे नो • दे रे ना।
१ • २ ३ २

तार	स • स स स
मध्य	९ ग म म ४ ध ф नि
मन्द्र	

य ल लि य ली या ल ला ले
१ २ ३ २

तार	स स स ग ग म स स रि
मध्य	९ नि ф नि
मन्द्र	

य ल लि य ली या • ल ला • ले
१ २ ३ २

तार	स़	स़	स़							
मध्य			नि़	नि़	प	नि़	प़	प़	म़	प़ म़
मन्द्र										

. या . आ ल ला ले . या . आ ल
१ २ ३

तार			
मध्य	म म	ग म प ग रि स . ४ सु स़	
मन्द्र			

(तार row, far right: रि़)

ला ले य ल ल म य ला य ला .
२ १ २ ३ २

तार	रि ग़ स़ स स़ स़ स़ स
मध्य	नि़ ग ग
मन्द्र	

दीं भ त ना दे रे दा . नी त न
१ २ ३ २

राग भैरवी संपूर्ण.

इस में ऋषभ, गंधार, धैवत, निषाद, अतिकोमल. मध्यम शुद्ध.

तीनताल.

तार		स रि
मध्य	नि नि ध ध प प ग म	ध . नि
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	स	स
मध्य	नि नि ध ध प प ग म	ध . नि
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	स ग स म ग	९ स
मध्य	ध नि	नि ध प
मन्द्र		

३ २ १ २

तार		ग रि ग रि
मध्य	म ग ग म ग रि रि स ऽ	
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	रि रि	ग
मध्य	नि नि ध ध प प ग	म ग म
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	म ग म प म	ग रि स रि रि स रि स
मध्य		
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	स	स्
मध्य	ग् म् ग् स् ध् नि्	नि् नि् ध् म
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	स स्	
मध्य	ध् नि् नि् नि् नि् ध् ध्	ध् प् प्
मन्द्र		

३ २ १

तार		
मध्य	प् म् म् म् ग् म् ग रि् रि स् ०	स्
मन्द्र		नि्

२ ३ २ १

तार								स़		स़	ग़	म़
मध्य	ग़	म़	प	ग़	म़	ध	नि़		नि़			
मन्द्र												

२ ३ ४

तार	प़	म़	ग़	रि़	स	रि़	स़	
मध्य								
मन्द्र								

१ २

भैरवी छायालगत्व.
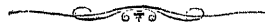
इस राग में ऋषभ दो एक शुद्ध और दुसरा अतिकोमल. गंधार, धैवत और निषाद अतिकोमल. शुद्ध ऋषभ के वास्ते निशानी होगी.

द्रुत चारताल.

तार	
मध्य	म प ध प म ० रि ग म रि रि ग रि स
मन्द्र	

सुं . . . द र स रु . प जा के
१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	स स रि स	ऽ ऽ स
मन्द्र	ध ध म ध नि	

सुं . द र सीं धा र की नो सुं
१ ३ २ ३ २ २ १

तार		
मध्य	स स ध प प ध प ग म म	प ध नि ध
मन्द्र		

द र . न वे . ली जो . पी या . की प्रा
३ २ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	प म ग म प म ग स	ध ध म ध नि
मन्द्र		

. न प्या . . . री . पू . . ज ती
२ ३ २ २ १ ३ २

तार	स स स स	Y Y स स स
मध्य	नि	ध ध
मन्द्र		

म हा दे . व सी ला पा . र
३ २ २ १ ३ २

तार	रि रि रि स	
मध्य	ध ध ध प	प प प प प
मन्द्र		

सु . . चीं मा . . न र ह स र ह
३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	प ध नि ध प ग म म	प ध नि ध प
मन्द्र		

स गा . . . व . त दो . उ क .
३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	म ग म प म ग स	
मन्द्र		

र ता . . . र .
३ २ २

राग छायालगत्व भैरवी संपूर्ण.
ताल तेवरा.

तार		
मध्य	स ध प प प प	ध नि ध म ध प म
मन्द्र		

ध . न्य दी न द या . ल तू . . .
१ ३ २ २ १ ३ २

तार		सं	
मध्य	ग म	प ध नि ध प म ग	ग
मन्द्र			

प्र भु ध . न्य . तू . ज ग दी
२ १ ३ २ २ १

तार		
मध्य	० रि स ० रि ग म प . ०	प प प
मन्द्र		

. श्व रा . . . ध न्य य
३ २ २ १३ २

तार			सं
मध्य	प . ०	ध नि ध प ग म . ०	प ध
मन्द्र			

ह कृ पा है . ते री ध . न्य
२ १ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	नि ध प म ग म	ग रि स ० रि स . ० ०
मन्द्र		

. तू . . प र मे . . श्व रा

२ २ १ ३ २ २

तार		स स स स	स स
मध्य	ध म ध नि	नि	
मन्द्र			

ध न्य द या दी न प र दा ता तू

१३ २ २ १३ २ २ १३

तार	स रि	रि रि रि स
मध्य		नि ध ध प . ० प प
मन्द्र		

ही सं सा . . र दा . . . ध न्य

२ २ १ ३ २ २ १३

तार			सं
मध्य	प प प .९	नि ध ध प ग म	प ध नि ध
मन्द्र			

क रु णा सिं . . धु स्वा मी जो . की . से
२ २ १ ३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	प म म	ग म ध प म ग रि स स ९
मन्द्र		नि

. न वी शा . . . र . दा . . .
२ १ ३ २ २

इस भजन के जो अंतरे है वह ऊपर के अंतरे के माफक गाना.

धन्य महिमा अकथ तेरी अंत कोई न पांवदा ॥
हार के पीछे रह जावें कथननू जो धांवदा ॥ १ ॥

जीव सब संसार दे गिनती न आखी जांवदी ॥
अन्न पाणि दान करदा होर सब मन भांवदी ॥ २ ॥

तेरी महिमा तूही जाने होर तें बडियांइया ॥
क्षुद्र जंतु आखे सोइ मन विखे जो आइयां ॥ ३ ॥

औखी बाट पहाड दी क्यौं चढ सके है पपीलिका ॥
अंधा चाहे चंद्र वेखां मुशक गज डीलका ॥ ४ ॥
भीक बैल न बन सके पिंगल उलंघे मेरु क्यौं ॥
मूका वक्ता होवे नाहीं रागी क्यौं कर गुंग हो ॥ ५ ॥
होय कायर खेत मागे रचे ग्रंथ न बावला ॥
कहा क्यौं कर गुण मै तेरे बुद्धी हीन उतावला ॥ ६ ॥
हाथ जोड नवाए मस्तक चरण बंधन कीजिये ॥
धन्य प्रभु महिमा तेरी जिस रटे सुख भीजिये ॥ ७ ॥
सबही पूत कपूत तेरे अंत तैनू लाज है ॥
नाम धन प्रभु दान कीजे सोई हमरे काज है ॥ ८ ॥

राग सारंग ओढव.

इस में गंधार और धैवत वर्ज, निषाद दो एक शुद्ध और दुसरा अति-कोमल, अतिकोमल निषाद के वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल झपताल.

तार	स स स	
मध्य	नि नि ४ नि प प म रि	रि
मन्द्र		
	म धु म द न म न क . रो	प्र
	१ २ ३ २	१

तार		
मध्य	म प म रि रि स •	म म म प ४ नि
मन्द्र		

भु से • तू • म सा ची क ही ये
२ ३ २ १ २ ३ २

तार		स रि स •
मध्य	प प	म प नि • ४ नि प नि
मन्द्र		

• • को • न • नी भा • वे •
१ २ ३ २

तार	स • ४	स स स
मध्य		म म प ४ नि प नि
मन्द्र		

• ज ब को • • की ला कू क
१ २ ३ २

तार	स सु रि स ॰
मध्य	नि ४ नि प ४ नि प
मन्द्र	

उ ॰ ठी च ह्ल ॰ ओ ॰ र
१ २ ३ २

तार	रि रि रि प रि रि सु सु ॰ ४	
मध्य		म प नि
मन्द्र		

सी त ॰ ल मौ ॰ द र स ॰ मी
१ २ ३ २ १ २

तार	स रि स ॰ सु ॰ ४	
मध्य	४ नि प नि	
मन्द्र		

॰ र भा ॰ ये ॰ ॰
३ २

राग गौड सारंग.

इस राग में दो मध्यम एक शुद्ध और दुसरा तीव्रतम, तीव्रतम मध्यम के वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब शुद्ध स्वर.

ताल द्रुत चारताल.

तार		
मध्य	म़ ग़ ध़ प़ ध़ ⅄ म़ प़ ग़ म़ रि़ म़	ग़
मन्द्र		
	त ना त नॉं . त न दे रे ना त	द
	१ २ २ ३ २ २	१

तार	
मध्य	म़ रि़ स़ रि़ रि़ स़ स़ ग़ रि़
मन्द्र	नि़ नि़
	रे दा . त दा . . नी द र दी .
	२ २ ३ २ २

तार	स स स स	स
मध्य	म म प प प ध	ध नि
मन्द्र		

ना द्रे द्रे तुं द्रे द्रे . द दं तों त न नि
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार	रि स	स स
मध्य	नि ध प म म प प	नि
मन्द्र		

त दा रे दा नी द दं दं दं तों न न
२ ३ २ २ १ २

तार		
मध्य	ध प म प म ग म रि	ग म रि
मन्द्र		नि

न न न न नि ता . रे ता . रे दा
२ ३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	रि स . स ग रि	
मन्द्र	नि	
	. नी द र दीं .	
	३ २ २	

राग भीमपलासी.

इस राग में आरोह में ऋषभ और धैवत वर्ज. गंधार और निषाद अतिकोमल, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार		
मध्य	स स ग ग स स	ग म प नि
मन्द्र	नि नि	
	सा डे ना ल बा . म नी	या . . .
	३ २	१

तार	स़ रि़ स़	
मध्य	प़ नि़ नि़ प़ म़ ग ऽ ग़	ग़
मन्द्र		

. . . . . दि ल भ रि या स ज
२ ३ २ १

तार	
मध्य	म़ प़ नि़ ध़ प़ म ग ग़ स़ स़ ग़
मन्द्र	नि़ नि़

न म न र म या . . सा डे ना ल वा
२ ३ २

तार		
मध्य	ग़ स़ स़	प़ प़ प़ प़ प़ प म ग़ म़ प़
मन्द्र		

. म नी ल ट क ल ट क . ल ट लै
१ २ ३

तार	स स • ४	
मध्य	नि नि नि	नि नि नि नि
मन्द्र		

. न दि लां दी   ह स ह स

२   १

तार	स रि स	
मध्य	नि नि नि प ग ग ० ग	ग
मन्द्र		

मु ख ब त ला . व नि या स ज

२   ३   २   १

तार		
मध्य	म प नि ध प म ग ग	
मन्द्र		

न म न र म या . .

२

राग भीमपलासी.

ताल चारताल. (ध्रुपद)

तार		
मध्य	ध नि • प प म ग • प म •	प • प • ९
मन्द्र		

ये • • स खो • • • नं द

३ २ १ ३ २

तार		
मध्य	म प • ९ ध प • ध प • म म • ४	प
मन्द्र		

कु व र • बा • • ल प

३ २ २ १

तार	
मध्य	नि ध प • ० प ध म • प ग • म ग • प
मन्द्र	

न मे • मे रो • • • म • न

३ २ ३ २ ३

तार		
मध्य	म . प . ४	प ग रि म ग रि स . १ प
मन्द्र		

. . ह र . . ली . नो ये
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	नि . प प म ग . प म .	प प म ग .
मन्द्र		

. . स खी . . . जी ये हो .
२ २ १ ३

तार	स स स स . ४
मध्य	म म प नि . नि नि .
मन्द्र	

. क ला . . त मे . . रो
२ ३ २ २

तार	स ऽ ऽ स म ग रि स स
मध्य	नि नि ध प • ४
मन्द्र	

नै न न सो नी • • र जा • य
१ ३ २ ३ २ २

तार	स स
मध्य	प • म ग • म • ४ ग म प नि • नि
मन्द्र	

मे रे • • जी या को • • दू •
१ ३ २ ३ २ २

तार	रि • ४	रि स रि स
मध्य		नि ध प • ऽ प
मन्द्र		

ख दू • • न की • नो ये
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	नि · प प म ग · प म ·	प प म ग ·
मन्द्र		

. . स खी . . . सा व रो .
२ २ १ ३

तार		
मध्य	म म प प ध म · प प · ४	प म प
मन्द्र		

. स लो न का . . न बा ट रो
२ ३ २ २ १ ३

तार	स स रि स स
मध्य	नि · नि नि नि ध प · ४
मन्द्र	

. . क ठा . डो . भ यो . .
२ ३ २ २

तार	
मध्य	प ग ग म प म ग • I म ग रि स • ऽ
मन्द्र	

मो हे तो . बु ला . ये गा . ये
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	स म ग • म प • ॰ प प ध म • प
मन्द्र	नि

अ ध र . न को र स ली . .
१ ३ २ ३ २ २

तार		स
मध्य	प • ऽ	प प म ग • म म प नि •
मन्द्र		

नो से न सो . . बु ला . .
१ ३ २ ३

तार	स सु॰ ४	स॰ १ स
मध्य	नि नि	नि नि
मन्द्र		

ये औ . र मु ख सो .
२ २ १ ३ २

तार	म गु रि स स	
मध्य	नि ध पु॰ ४	प प म
मन्द्र		

बु ला . . ये गा . ये बा सु री
३ २ २ १ ३

तार	सु स रि॰ ४
मध्य	गु॰ म म प नि॰ नि नि
मन्द्र	

. . बं जा . . ये क छू .
२ ३ २ २

तार	रि स रि स
मध्य	नि ध प . ९ प नि . प प
मन्द्र	

जा . . दू की . नो ये . . स
१ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	म ग . प म .	
मन्द्र		

खी . . .
२

राग मुलतानी.

इस राग में ऋषभ और धैवत अतिकोमल, गंधार कोमल, मध्यम तीव्रतम, निषाद तीव्र, आरोह में ऋषभ और धैवत वर्ज.

आलाप.

तार	स
मध्य	स ग म प नि नि ध प म ग रि स
मन्द्र	नि

तीनताल.

तार		
मध्य	म ग म ग रि स रि	स म ग ॰
मन्द्र	नि	

बा ज त ब धा इ ब र सा ने .
३ २ १ २

तार	स
मध्य	ग म प प नि नि नि ध ध म प
मन्द्र	

मैं . सु न क र आ इ . . . .
३ २

तार		
मध्य	म प ध ध म म ग म प प	प प प प
मन्द्र		

अ प ने का . . . न आ ज न र ना री
१ २ ३ २

तार		स स ऽ स ग
मध्य	ध म प ग म	प नि नि
मन्द्र		

. न . मि ल मं ग ल गा वो स द
१ २ ३

तार	ग रि स	
मध्य	नि ध प	म प ध ध म म ग
मन्द्र		

न न न न न न द र स ध्या . . .
२ १ २

तार			
मध्य	म प प	प प ध म प म ग म	० प
मन्द्र			

न आ ज ओ फ़ तो . . फ़ ग त ओ
३ २ १

तार	स स स
मध्य	प ध म प म ग म प नि नि
मन्द्र	

फ़ तो . . फ़ ग त ला . ग दा ट सो
२ ३ २

तार	स रि रि स स
मध्य	नि नि नि ध म प म
मन्द्र	

सु र ना . . . . ही रे . . ता
१ २ ३

तार		
मध्य	ग रि स. ४	म म प प ध ध प
मन्द्र	नि	

. नो . . धा धा कि ड कि ड धुं

२ १ २

तार	सं सं रिं
मध्य	म म ग ग म म प नि नि नि
मन्द्र	

कि ड कि ड कि ड प र न खु र न बा

३ २

तार	सं	
मध्य		नि ध प ध म म ग म प प
मन्द्र		

जे नो ब द का . . . न आ ज

१ २

राग पिलु संकीर्ण.
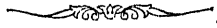
इस में दो ऋषभ, दो गंधार एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल, धैवत अतिकोमल. अतिकोमल ऋषभ और शुद्ध गंधार के वास्ते निशानी होगी, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

तीनताल.

तार	स ग रि	स • ९
मध्य	९ प नि नि नि	ध
मन्द्र		

का ना ने . . ऐ सी रे .
३ २ १ २

तार	स ग ग ग ग	ग म
मध्य	नि नि ध प I •	
मन्द्र		

. . . या . ऐ सी तो ब जा .
३ २ १

तार	रि ग रि	स ♀	स ψरि ψरि
मध्य		नि	नि नि
मन्द्र			

. . . इ . सु ध बि सु रा
२ ३ २

तार	स	स	♀स φग म
मध्य	नि ध	नि ध प	
मन्द्र			

. . इ . . या . बा ज त
१ २ ३

तार	प प प	♀स φग φ ग म φग म प
मध्य		
मन्द्र		

बा स री भै रि दि वा . . .
२ १ २

तार	ग़ रि स • ९ ग़ ग़ ग़ ग म रि ग रि स़
मध्य	नि
मन्द्र	

. नी . सु च त ना . . . . ही .
३ २

तार	स़ ४ रि़ रि स़ स़
मध्य	नि ध़ ध़ प • ४
मन्द्र	

क छु का . . ज . या .
१ २

राग काफी संपूर्ण.

इस राग में गंधार अतिकोमल, निषाद दो एक शुद्ध और दूसरा अतिकोमल, शुद्ध निषाद के वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है.

तीनताल.

तार	स
मध्य	म प नि ध नि प ऽ म ग रि स रि
मन्द्र	

१ २ ३ २

तार	
मध्य	रि रि ग रि ग म ग रि स रि स
मन्द्र	०नि

१ २ ३ २

तार		
मध्य	स	रि ग म प ग म प ध म प ध नि
मन्द्र		

१ २ ३

तार	स़	स़ रि़ स़ रि़
मध्य	प़ ध़ नि़	ध़ नि़ नि
मन्द्र		

२ १ २

तार	ग रि़ स़	स
मध्य	नि़ ध़ नि़ प़	म़ म़ प़ ध़
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	स़ स़ रि़ ग म़ ग़	रि़ स़ प़
मध्य	नि़ ध़ नि़	
मन्द्र		

३ २ १

तार	म़ ग़ ऱि म़ ग़ ऱि स़
मध्य	ऩि ध़ ऩि प ध. ४
मन्द्र	

२ ३ २

राग गौडमल्हार.

इस राग में सब शुद्ध स्वर लगते है.

तीनताल.

तार		
मध्य	ग़ म़ ऱि म़ ग़ ऱि स	ऱि ग़ म़ प़ म ग
मन्द्र		

आ . इ ब द रि या सा . व न की .
३ २ १ २

तार		स़
मध्य	रि प़ प़ प म़ प़	ध नि ध़ प़ म़ ग़
मन्द्र		

सा व न की म न भा . . व न की .
३ २ १ २

तार			स स
मध्य	म प • ४	रि प प नि नि नि	
मन्द्र			

झु की सा व न में उ म गे जो
३ २ १

तार	स रि स स स स स	स रि
मध्य	ध नि ध	
मन्द्र		

ब न वा छां • ड ग ये प र दे •
२ ३ २ १

तार	स
मध्य	नि ध प म म प म म रि रि प म प
मन्द्र	

• • स पि ह र वा • • सु ध न र ही
२ ३ २

तार		स	
मध्य	म प	ध नि ध प म ग म प	
मन्द्र			

घ र आ . . व न को . झु की
१ २

राग मालव, षाडव.

इस राग में ऋषभ, धैवत कोमल, मध्यम तीव्रतम, पंचम वर्ज. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते है. (तीनताल)

तार	
मध्य	ध म ध ग म ध म ग रि रि
मन्द्र	नि नि ध

१ २ ३ २

तार		
मध्य		स रि ग रि ग म ध ग नि
मन्द्र	म ध	नि नि

१ २ ३

तार	रि	
मध्य	ध नि म	ध नि म नि ध म ग म ग
मन्द्र		

२ १ २ ३

तार		स रि
मध्य	रि ग म ग रि रि	ग म ध नि नि
मन्द्र	नि	

२ १ २ ३

तार	गमगरिग	रि रि रि
मध्य		नि नि ध निधमगरि.१
मन्द्र		

२ १ २ ३ २

तार	रि
मध्य	रि ग म ध नि ध म ग रि ग म ९
मन्द्र	ध नि

१ २ ३ २

तार	म ग रि ग म ग रि
मध्य	नि ध म ग रि रि ४
मन्द्र	नि

१ २ ३ २

राग पूर्वी.

इस में ऋषभ और धैवत अतिकोमल, मध्यम दो एक शुद्ध और दूसरा तीव्रतर, शुद्ध मध्यम के वास्ते निशानी होगी. बाकी के सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

तीनताल.

तार		
मध्य	ग ग म म ग रि ग म	प ध प म ग
मन्द्र		

ह री ये . मै . को . स ब सु ख दी

३ २ १ २

तार		
मध्य	० म ग . ४ म ग रि स स स	रि ग
मन्द्र		नि

. ना दू ध पू त औ र अ न ध
३ २ १

तार		रि
मध्य	रि स स स रि ग म ध	नि
मन्द्र	नि नि	

न ल छु मी कि र पा थो गो . वीं द
२ ३ २ १

तार	स	
मध्य	नि ध प म प ध प	ग ग ग ग म
मन्द्र		

. रं ग दी ना . . . अ ग म अ पा
२ ३ २

तार		स स स स स स रि ग म ग रि स
मध्य	ध ध	
मन्द्र		

र न ज ग नी स्ता र न कृ पा क र न दु

१ २ ३ २

तार		रि
मध्य	नि	नि ध नि ध म म ग ग ग ग म
मन्द्र		

ख ह र न सु ख स द न स ब बा त

१ २ ३ २

तार	स	रि स
मध्य	ध नि	नि नि ध प प ध म प
मन्द्र		

न मो ॰ ला ॰ य क की ॰ ना ॰ ॰ ॰

१ २

राग श्रीराग.

इस राग में ऋषभ और धैवत अतिकोमल, मध्यम तीव्रतम, निषाद तीव्र, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

ताल (अभिनंदा) सुरफाक्ता.

तार	सु	
मध्य	नि नि ध म प ध प	म ध म ग रि रि रि
मन्द्र		

गौ री अ र धं . . ग ना . च त सौं . .
१ ३ २ २ ३ १ ३ २ २

तार			
मध्य	रि रि स	प प प रि रि रि रि रि स	म ध नि
मन्द्र			

गी . त शं क र त्री पु र हा . र त्री . शु
३ १ ३ २ २ ३ १ ३

तार	स रि रि स स स	रि ग रि स
मध्य	नि	नि
मन्द्र		

ल ड म रू ना . ग   व्या ग्रां . ब र

२   २   ३   १   ३   २

तार	स	
मध्य	नि नि ध	प प प प म प ध ध ध प
मन्द्र		

औ . ब र ग ज च र मा . . . स्व र

२   ३   १   ३   २   २   ३

तार		
मध्य	प प म ध म ग रि रि स स	
मन्द्र		

प री धा . . . . न क र

१   ३   २   २   ३

राग शंकरा कल्याण.
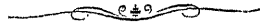
इस राग में मध्यम तीव्रतर, बाकी के सब शुद्ध स्वर.

ताल झुमरा मात्रा १४.

तार	स रि स
मध्य	नि ध. नि ध नि नि ध नि.४
मन्द्र	

आ . . . . . . द मा . हा

२

तार	स
मध्य	ध म प . I प नि ध नि ध म प . ग
मन्द्र	

दे . . . . . . व वी . . न

१ २ ३

तार		
मध्य	ग ग रि प ग • ऽ प ग प ऽ • ऽ	ग रि
मन्द्र		

ब जा • • ई पा • ई न्या •
२ १

तार	
मध्य	स स ऽ • ऽ रि ग रि स स • ऽ
मन्द्र	नि नि

म त का • • • • न पी
२ ३

तार		
मध्य	रि स • ऽ स स ग ग	प प
मन्द्र	ध • नि	

• या • • स दा रं ग क र
२ १

तार	सृ रिृ सृ सृ ऽ ऽ
मध्य	नि धु • नि नि धु नि
मन्द्र	

क • र म दी खा ई • • •

२ ३

तार		स रिृ सृ
मध्य	पु • ऽ	नि धृ • नि धु नि
मन्द्र		

• आ • • • • • • द

२

तार		
मध्य	निृ धृ निृ • ऽ	धु मु पृ • गृ • ऽ ऽ प
मन्द्र		

मा • हा दे • • व स

१ २

तार	स स स स स रि स स • ४ स
मध्य	नि ध •
मन्द्र	

प्त • • सू र न की • सु र सु
३ २

तार	स ग ग	ग ग प ग • प प ग • प ग रि
मध्य		
मन्द्र		

र • की स प्त ता • • • • न म न
१ २ ३

तार	स स स • ४ स स • स स	रि
मध्य	नि ध	
मन्द्र		

रं ग ते उ न • क्या स कू ट
२ १

तार	ग रि स रि स ऽ
मध्य	नि नि नि ध म प ऽ
मन्द्र	

. . ता . . . न ले . . .

२

तार		स • ऽ
मध्य	ऽ प ध प • ग ग प प नि ध •	
मन्द्र		

स ब . गु णी य न को . .

३ २ १

तार	स रि स स ऽ ऽ	
मध्य	नि ध नि प • ऽ	
मन्द्र		

स म झा . ई . . .

२ ३

संगीत शिक्षणकी क्रमिक पुस्तके.

इस विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीनें संगीत विद्यापर आज तक जों किताब तयार कि हैं उनके नाम और किंमत.

	भाग	रु.	आ.	पै
महिला संगीत हिंदी.	१	०	२	०
महिला संगीत हिंदी.	२	०	४	०
संगीत तत्वदर्शक.	१	०	८	०
अंकित अलंकार.	१	०	८	०
संगीत बाल प्रकाश हिंदी और उरदू.	१-३	२	४	०
स्वल्पालाप गायन.	१-४	५	०	०
संगीत बालबोध हिंदी और उर्दू.	१	१	८	०
" " द्वितीय भाग.	२	१	०	०
राग प्रवेश.	१-१४	१२	८	०
व्यायामके साथ संगीत.	१-२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी.		२	०	०
" द्वितीय.		३	०	०
राग भैरव.		२	०	०
राग मालकंस.		२	०	०
राग भूपाली.		२	०	०
मृदंग और तबलेकी पुस्तक.		१	०	०
सतारकी पुस्तक.	१-२	३	८	०
नारदीय शिक्षा भाषा टीका समेत.		१	०	०
भजनामृत लहरी.	१-५	२	८	०
राम नामावली.		०	२	०

इसके सिवाय श्रीयुत सुकथनकर कृत पद्यावलिया मिलेंगी.

मॅनेजर

गांधर्व महा विद्यालय.

संगीत बालबोध.

तृतीय भाग.

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्युझिक, [illegible]

गांधर्व महा विद्यालय—बंबई द्वारा रचित

सन १९२२.

[प्र]थमावृत्ति] प्रती १००० [मुल्य १॥ रुपया.

"गांधर्व महा विद्यालय" प्रेस, [illegible] रोड-बंबई.

अनुक्रमणिका.

॥ श्रीराम समर्थ. ॥

राग–देसकार. (धृपद चारताल.)

[समय प्रातःकाल. ५ ते ७.]

इसमें मध्यम निषाद वर्ज और **धैवत कोमल** बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

तार	स ऽ . स	
मध्य	ध प . प ग ऽ ग	प रि ग प ध ध . ऽ
मन्द्र		

शं . भो . . . म हा . . दे . व

२ २ १ २

तार	स ० स ऽ	
मध्य	ध प ऽ . ऽ	ग प ध प . ऽ ग रि स
मन्द्र		

शं . क र त्रै लो च न वा म दे,

३ २ २ १ २ ३ २ २

तार		
मध्य	स·४	स ससरिरि·४ गपगरिसस·४
मन्द्र		ध

व भ . क्त भ ज क त्री पू रा . त क
१ २ ३ . २ २

तार	स सस·४
मध्य	सरिरिसरिगग·४पध ध ध
मन्द्र	

म द न . द ह न त्रि ख भा . . ध्वज
१ . २ ३ २ २

तार	सरिसस स	स१·स
मध्य	ध पध·४	ध प·प
मन्द्र		

ग र ल ध . रे . . शं . . भो . .
१ २ ३ २

तार			सु सु
मध्य	गु॰ग	परिगपधधु॰॰४॰	प धु॰
मन्द्र			

॰ म हा ॰ ॰ दे ॰ व बी ॰ ॰ श्व
१ २ ३ २ २ १

तार	सु सु॰ससुरिस ऽ॰	सरिसरिगरि॰स
मध्य		
मन्द्र		

ना ॰ थ बीश्वं॰ भ र ॰ शी व व ॰ ॰ द्री॰ प
२ ३ २ २ १ २ ३ २

तार		सु ससरिस
मध्य	धऽ॰	पधऽ॰ पु॰ध धपऽ॰
मन्द्र		

त ॰ प शू प ॰ त पिना ॰ क प त॰
२ १ २ ३ २ २

तार	
मध्य	ग ग रि ग प ध॒ • ४ पगगुरि • रिस • ऽस • ४
मन्द्र	

सू रा • प त • ज ग • • दी • श
१ २ ३ २ २

तार	स सस • ४
मध्य	ससऽ • ४ पुग • पप • ४ पधध ध •
मन्द्र	

भ ग वा • • न भू • त सं • • ग
१ २ ३ ※ २ २

तार	स रि ससस स सं	सऽ • स
मध्य	ध • प • ध • ४	धप • प
मन्द्र		

डमरूध • रे • • • सं • भो • •
१ २ १

तार			
मध्य	गु ४ ग	प रि ग प ध धु • ४ ✕ •	पु गु • ऽ ग प
मन्द्र			

. म हा . . दे . व आ . दी दे .
१ २ ३ २ २ १ २

तार	स	सस • ४ रिस
मध्य	पु • ४ पधध धप	गु पध धपधु •
मन्द्र		

व ना . ग भू ख न जो गी . स ह प र मे . .
३ २ २ १ २ ३ २

तार		
मध्य	प ऽ • ४	गु गु रि • गु पु धु ४ प ग गु रि • स
मन्द्र		

स बी श्व . रू. प . ची दा . . नं.
२ १ २ ३ २ २

तार		
मध्य	स॒ • ऽ	सस प ग॒ • प प॒ • ऽ प पधप ऽ • ऽ
मन्द्र		

द आ दी ना . . थ बी श्व क र.
१ २ ३ २ २

तार	सस॒ • ऽ स रि स स॒ • ऽ	स स
मध्य	ग पपध॒ •	ध॒ •
मन्द्र		

द या . . धी . श नी ल कं . ठ नी जा .
१ २ ३ २ २ २ १

तार	स स स॒ • ऽ रि स	
मध्य	ध प ऽ • ऽ	प ग॒ • ऽ ग प
मन्द्र		

. नं . द नी . रं . ज न. द . क्ष य.
२ ३ २ २ १ २

तार	सु स	
मध्य	पु॰४प धु धप१॰४	गग गुरि॰गु
मन्द्र		

ज्ञ ना . . . स न . पर . . ब्रं .
३ २ २ १ २

तार		
मध्य	ध प ग गु रि॰सु सु॰४	सु पुगु.प पधु॰४
मन्द्र		

ह्म भ वा . . नी॰श चिं ता . . मणी
३ २ २ १ २

तार	सरिससु सु	सरिस सु
मध्य	धु॰ पु॰ध	ध पु॰ध॰१
मन्द्र		

श र णां . . ग . त भ व भ य हा . र
३ २ २ १ २ ३

देसकार नं. २ (तीनताल.)

तार	स सु • ४	
मध्य	पु पु धु पु ध धु पु ध प	पु गु • ९ गु
मन्द्र		

झां . ज रि याझ न   के . . मा . .   बा.

१   २   ३   २   १

तार		ससु सु ससु
मध्य	गु धु पु गु रि स	I ९ पु धु
मन्द्र		

जल मो रे पा   . बा. .   बा जल मो रे पा   बा .

२   ३ २   १   २   ३   २

तार	रि सु	स सु रि सु
मध्य	धु.	ध पु धु धुपुधुपुपुगुपु
मन्द्र		

. . जल मो . . रे पा . मा . . . .

१   २   ३   २

तार	सस.ऽऽ.	ससससा.
मध्य	पपधपध	ऽ.पध
मन्द्र		

झां . ज रि या झ न लु ग रे बे ग नू . .
१ २ ३ २ १ २ ३ २

तार	स.ऽऽस सससरिसस	स स
मध्य	ध ध.ऽ.ऽ	ध.
मन्द्र		

वा सगरीजग . तके . को . .
१ २ ३ २ १

तार	ससरिसस स	सऽ.स
मध्य	प ध ध. ध	ध प
मन्द्र		

प्यारे के . . . सिंगा . . र जै . थे .
२ ३ २ १ २

तार	
मध्य	प़ ऽ • ४ ध़ ध़ प़ ध़ प़ प़ ग़ प़
मन्द्र	

• मा • • • • • • •
३ २

राग भैरव बहार नं. ३.

इस रागमे दो रिषम दो गंधार दो धैवत और दो निषाद अतीकोमल
रे, ग, ध, और नी, के लिये निषानी होगी, आरोहमें
पंचम बर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

ताल तीनताल.

[समय प्रातःकाल. ७ से ९.]

तार		
मध्य	९ म प ४ नि ४ ग म ४ ग म नि ४ ध ४	ध ४ नि
मन्द्र		

• ए • • डा • • ल रीं • या •
३ २ १

तार	सु I
मध्य	४नि ध प म ग मं ग ४ रि ४४४ रि ग म प
मन्द्र	

. . . . झू के . .
२ २ १

तार	
मध्य	मं . ग रि ४ग रि से स रि स
मन्द्र	नि ४नि ध ४नि

ल . . . रो . आ . रे . हा . .
२ ३ २

तार		
मध्य		स ४रि ४रि म ग म ४ ४ध ४ध प म प
मन्द्र	४नि	

रे बा . ग मे . . . .
१ २ ३

तार		स सृ॰ ॰ रिस॰
मध्य	॰गृ मृ मृ ॰नि	धृ ॰ धृ ॰नि नि
मन्द्र		

नू ने नू ने . पा . . . . त वा .
२ १ २ २

तार		स॰	
मध्य	॰नि	॰निधपध ॰ म	॰मप ॰नि ॰गम ॰ग
मन्द्र			

. . रे . . . . ए . . डा . .
१ २ ३ २

तार		सृ
मध्य	मृ नि ॰धृ ॰	धु ॰नि ॰मृ ॰नि धृ ॰नि नि
मन्द्र		

. ल री . या . . रु त . . व
१ २ .

तार	स • सस	स ॰ स रि रि स • रि रि स
मध्य	नि	नि ॱनि
मन्द्र		

स . . त की ब हा . र आ . इ . .
३ १ २ ३

तार	स	स • ॱरि स
मध्य	ॱनि ॱनि ध	म • म ॱनि ध नि ॱनि
मन्द्र		

. . ली . . फु ले . गु ला . . ब
२ १ २ ३

तार	रि रि ॱग रि स	स स • ॱरि स स
मध्य	नि ꞁ	ॱनि
मन्द्र		

औ . . . . र च मे . ल
२ १ २ ३

तार	सं रि	स स
मध्य	नि॰ नि॰	नि नि ध प ध
मन्द्र		

. री . . या . . रे . . .
२ १ २ ३

तार	
मध्य	म प नि ग म ग म नि ध
मन्द्र	

ए . . डा . . ल री .
२

राग भैरव बहार (छायालगत्व.) नं. ४

इस रागमे रे, और नी, अतीकोमल आरोहमे पंचम वर्ज.

ताल तीनताल.

तार		स॒
मध्य	ᛘरि ᛘरि॒ स॒ ᛘरि॒	ग॒ म॒ प॒ म॒ ध॒ ᛘनि॒ ᛘनि॒
मन्द्र		

दा. नि त न ड द त न त द रे दा

२ १ २.

तार	स॒	
मध्य	ध॒ म॒ ०ध॒ ᛘनि॒ ᛘनि॒ ध॒ प॒	ग म॒ ∙ग॒ ᛘरि॒ I
मन्द्र		

. नी ता . . न . न ता . . .

३ २ १ २

तार			स स स स
मध्य	ᛘरि स ०	ग॒ म॒ ध ᛘनि॒	०ध॒ ᛘनि॒
मन्द्र			

न न ना द्रे द्रे तुं द्रे द्रे. द्रे द्रे द्रे द्रे

३ २ १ २ ३ २

तार	स रि	ग म ग रि स स
मध्य		नि ध नि ध म
मन्द्र		

तुं द्रे त द्रे . दा नि

१ २ ३ २

तार		स
मध्य	ध नि	नि ध प म ग रि स म ग ग म म
मन्द्र		

ग दी गि ड न ग

१ २ ३

तार	स	
मध्य	ध ध ध ध ध ध नि ध ध	नि ध ध ध
मन्द्र		

ति र कि ड तू ना कि ड न ग त कि ट धा

२ १

तार	सं	
मध्य	९धु ४नि ४नि ध प	गमु • गु ४रि ɪ ४रि स९
मन्द्र		

ता . . न . न ता . . . न न
२ १ २ ३

तार		
मध्य	स ४ रि	गमगु ४रिस स स स
मन्द्र	ध ४नि	४नि ४नि

त द रे त द रे . दा नी त न उ द त
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य		स स स स ४रि म ग
मन्द्र	ध म ध	४नि ४नि ध ४नि

न ना द्रे तुं द्रें त द रे दा नि ता . . .
१ २ ३

तार	सं ० सं सं			सं सं	
मध्य	नि		नि नि		ध
मन्द्र					

न धा . धि र कि ड त क धा
२ ३

राग रामकली झपताल नं. ५.

इस रागमे रे, अतीकोमल, धैवत कोमल निषाद कोमल और तीव्र वाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

[समय प्रातःकाल. ६ से ८.]

तार		
मध्य	स स ग म प प ग म	प प प प ध
मन्द्र	नि	

आ . ज उ ठी भो र स खि भ व न ठा .
१ २ ३ २ १ २

तार	स॒ ᵞरि॒ ग॑ रि॓ • ɪ स॒
मध्य	ᵛध॓ • ɪ △नि॒ ᵛनि ᵛध • ɪ
मन्द्र	

. न ज . ना . म की .
२ ३ २

तार	स॒ ᵞरि॒	सु
मध्य	प॒ प॒ प॑ ग • म॓ म॒ प॒ ᵛध॒ △नि॒	ᵛनि
मन्द्र		

क ल ना . . प र त लगी अ भू ख
१ २ ३ २ १ २

तार	
मध्य	ᵛध • ᵛध॒ प॒ म॒ म॒ म॑ ग ᵞरि ɪ स॓ • ᵞ
मन्द्र	

. न क व न मा . . ई
३ २

तार	स स रि स	स
मध्य	ग प ध . ध प ध प ग प	प
मन्द्र		

. आ नं द् . . . द्वा . . रे . . . . वं दि
१ २ ३ २ २ १ ३

तार	स स स स स	स स रि ग रि स
मध्य	ध .	
मन्द्र		

. . ज न स ब . ह रि गु ण गा .
२ ३ २ २ १ ३ २

तार	स रि स स	
मध्य	ध प	प ग . प ध प . ध
मन्द्र		

. वं . . . . . जा . . गो य . दू
३ २ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	स स रि रि स ᐯरि स	सं सं
मन्द्र	ध	ध पं प प ध॰

ये . . . भो र . भ इ . . आ इ ली .
१ २

तार		
मध्य	सं स स स स सं रि॰ स स	स ॰१ स स
मन्द्र	ध	

. तो रे दे ख न , . . क ई सु र
३ २ १

तार	
मध्य	स ᐯरि स स ।सं स स रि ग १ ग ग
मन्द्र	ध पं

ज . . . न . . उ ठ क्यौं ना निं द
२ ३ २

तार	सु सु ॰ ९ सु ४ रि सु सु ९ सुं
मध्य	धु॰ धु ॰ ⌶ पुं
मन्द्र	

सि . ले . जो . . . व . न
२ १ २

तार	
मध्य	पुं ग मं रि सु सु रि रि सु ४ रि सु
मन्द्र	धु

रा . . त सो . . . भो र . भ
३ २

राग जोगी असावरी नं. ८.

इस राग मे दो रिषभ दो गंधार दो निषाद धैवत अतिकोमल अतीकोमल रे, ग, ध, और नी के लिये निषानी होगी.

[समय प्रातःकाल. ८ से ११.]

ताल झुमरा.

राग हेम नं. ९.

इस रागमे २ निषाद लगते है. आरोहमे पंचम वर्ज.

[समय प्रातःकाल. ९ से १२.]

ताल झपताल.

तार	स स स स स	
मध्य	नि ध ४नि ॰प प	रि ग म ध प॰
मन्द्र		

सा व न म न भा . . व न सा ॰ ज न .

१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	म ग रि ॰ स स	स स स स स ॰ १
मन्द्र	नि	ध नि ध

आ ये . भ व न उ म गे उ म ग आ य

३ २ १ २ ३ . २

तार		
मध्य	रि ग म ध प • म ग रि रि स • ऽ	प नि ध •
मन्द्र	नि	

जा • गे • • मे • रे भा • ग को कि •

१ २ ३ २ १ २

तार	स • स स • ऽ	ग ग रि ग ग रि स
मध्य	नि	नि ध प • ऽ
मन्द्र		

ल चा त क गा ये क्यौं • न बो • ल त

३ २ १ २ ३ २

तार	रि रि स
मध्य	प प नि ध • ऽ नि नि ध प म ग
मन्द्र	

गा ये क्यौं • न मो • • • • • र

१ २ ३ २

तार	
मध्य	रि ग म धु पु • म ग रि स सु • ४
मन्द्र	नि

चे • लि • • घ न • शू • ल
१ २ ३ २

राग देवगंधार नं. १०.

इस रागमें दो रिषभ, एक कोमल और दुसरा **अति अतिकोमल** निषाद दो एक अतिकोमल और दुसरा **अति अतिकोमल** तथा गंधार, धैवत अतिकोमल इन सब विकृत स्वरोंको निशानी की जायगी बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

धृपद–ताल चारताल.

[समय प्रातःकाल. ८ से १२.]

—:०:—

तार		
मध्य	प ४ नि ४ ध प ४ धु ९	प ४ रि म प • ९ ४ ध
मन्द्र		

चं • द्र मा • • भा • • ल • वी
२ २ १ २

तार	ψरि	सु ψरि सु
मध्य	ψरि • म प ψनि ψध •	ψनि
मन्द्र		

• • ज त • • ए • क दं
२ २ १

तार		
मध्य	ψध • I ψध प • ψध म •	प ψनि ψध प ψध ०
मन्द्र		

• त • • • चं • द्र मा •
२ २ २

तार	सु सु • ψ
मध्य	म प ψनि ψध • ψनि ψध • ψनि
मन्द्र	

वी घ्र हा • र • न आ• ष्ट
१ ३ २ ३ २

तार	रि रि सं	सं रि सं
मध्य	प	नि ध • I ध
मन्द्र		

दे• व इ • डा • को कं • • त

२ १ ३ २

तार			
मध्य	प • ध म •	प नि ध प ध ०	म प
मन्द्र			

• • • चं • द्र मा • • लं बो

३ २ २ १ ३

तार	
मध्य	नि ध • नि ध • नि ध • नि ध •
मन्द्र	

द • र • गि • रि •

२ ३

तार		
मध्य	ग • ऽ • रि रि स •	रिम प नि ध •
मन्द्र		

. . ह . न कुमति हं .

३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	नि • ध • नि • ध • प •	प म • ऽ ध
मन्द्र		

. . . . त चिं . ता

२ ३ २ २ १

तार	स स स स स रि ससस •	
मध्य	प • नि •	नि
मन्द्र		

. . म णी ए क खं . . ज न चि

२ ३ २ २ १

राग मृगरंजनी तोडी नं. ११.

इस रागमे रे, ग, ध, अति अतिकोमल म तीव्रतर पंचम वर्ज
बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल एकताल मात्रा १२.

[समय प्रातःकाल. ८ से १०.]

तार		
मध्य	स रि स स	स ऽ स ४ रि स . ध
मन्द्र	नि ध . नि . ४	

आ ब . . मो . री रा म रा . .
२ १ २

तार	
मध्य	ध स म . मं गं . ऽ ० ग रि . ग रि स . रि स.
मन्द्र	नि

म . . रे . बै . . रा . . म .
३ २ . २

तार	
मध्य	ग ऽ ग ४ ग रि॰ ग रि गं म॰ । गं रि॰ स॰
मन्द्र	नि

रा म रा . . . . . म रे . .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	स रि स स	स ऽ स ४ ४॰१म
मन्द्र	नि ध॰ नि॰ ४	

अ ब . . मो . री रा म . बी
२ १ २ ३

तार	स स॰ स॰४	स
मध्य	म ग ध म॰ ध ध नि	नि ध॰
मन्द्र		

. स दी . न तेहा . . री टे . .
२ २ १

तार	रिसु.गरि सु. सुरि
मध्य	नि. नि नि निधधमु
मन्द्र	

. र . क र त . . . . म न र .

२ ३ २ २

तार		सु. सु
मध्य	सु.गरि	सु१०गगधमु.धनि नि
मन्द्र		

. ग . . ह म चे . . री . . .

२ १ २ ३ २ २

तार	सुरि.१	रि
मध्य	नि	निनि.निध.धमम.ग१
मन्द्र		

. तु म शा . . . . म . . .

१ २

तार	
मध्य	ग म ध नि • ध म ग ९ ग रि • ग रि स •
मन्द्र	नि

रा . . . म रे . . बै . . रा . .
३ २ २

तार		
मध्य	रि स •	ग ९ ग ४ ग रि • ग रि ग म • ɪ ग
मन्द्र		

म . रा म रा . . . . . म
१ २ ३

तार	
मध्य	रि स • स रि स स
मन्द्र	नि नि ध • नि • ४

रे . . आ ब . . मो . री
२ २

राग कुकुब बिलावल नं. १२.

इस रागमे दो निषाद एक तिव्र, दुसरा अतिकोमल, तीव्र निषादके लीये निषानी होगी आरोहमें मध्यम वर्ज.

ताल झपताल.

[समय प्रातःकाल. ९ से ११.]

तार		
मध्य	म ग रि ग • प म • ऽ ग • ४	ग रि स स • ४
मन्द्र		

आ रे . . घ . न घु . मा र
३ २ १ २

तार		स
मध्य	स स रि रि ऽ • ४	स ध ध ध नि ध नि
मन्द्र	नि	

आ . . . यो पि या बे न क छु ना .
३ २ १ २ ३ २

तार			
मध्य	धनिपध.ऽ	प धनि ध प	म ग रि ग.पम. ऽ
मन्द्र			

. . . सु हा . . वे रे आ रे . . घ .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	ग . ऽ	ग रि स स . ऽ स स रि रि ऽ . ऽ
मन्द्र		नि

न घु . मा र आ . . . यो
१ २ ३ २

तार	ससस ऽ.ऽ	स रिगमरि
मध्य	पपनि . नि ऽनि	ऽनि
मन्द्र		

ब र न . ब र न के बा द . . र उ
१ २ ३ २ १ २ ३

तार	स	
मध्य	धनिप.ऽ	सनिध.निध.नि ध.निधनि
मन्द्र		

म गे . . च हुं . ओ . . . र . तें
२ १ २ ३

तार	रि.ऽ	स स
मध्य	ध.निध.निधनिध.	नि ध नि प.ऽ
मन्द्र		

. . . छ . . . त्र छा . . यो . रे
२ १ २

राग देशी तोडी नं. १३.

इस रागमे दो रिषभ एक शुद्ध दुसरा अतिकोमल गंधार, धैवत और निषाद अतिकोमल, मध्यम दो १ शुद्ध दुसरा तीव्रतर, रिषभ अतिकोमल और मध्यम तीव्रतरके लिये निषानी होगी.

ताल झपताल.

[समय प्रातःकाल. ८ से ११.]

तार		
मध्य	ग॒ ▲ म॒ • ४	नि धु • I धु मु पु मु ग॒ म॒ गु ४ रि •
मन्द्र		

ए सी को . न . . . . क रे .
१ २

तार		
मध्य	I सु सु • ४	स॒ • ० मु रि • I
मन्द्र		नि धु • I नि धु •

औ र भ . क्त . का . .
२ १ . २ ३

तार		सु • सु •
मध्य	पु मु • I धु पु •	धु नि धु ▲ मु ▲ मु गु • ४
मन्द्र		

. . . . जे . . .
२ १ २ ३ २

तार		स स स स स स.४
मध्य	ग ∆ म.४	म म प नि. नि.
मन्द्र		

ऐ सी पतितपावन प्र . भु . .
१ २ ३ २

तार	स स रि स रि ग रि स.
मध्य	नि ध.I नि ध I
मन्द्र	

ना . म तें . रो . . सु . ने . .
१ २ ३ २

तार	ग रि स रि स स.
मध्य	ध ध नि नि ध ध ध म.४
मन्द्र	

प डी . रं ग ना . . . . . . थ म न
१ २ ३ २

तार	सरि स		
मध्य	प धनि नि ध मु मग	ग म	ममम
मन्द्र			

मा . . . . ला . जे . . . ऐ सी हिर ण्य
१ २ ३ १ २

तार		स
मध्य	प प प प प . ९	म म प धनि नि ध . प . ४
मन्द्र		

क श्य प ब धो उ धो. पे ह ला द को . .
३ २ १ २ ३ २

तार		
मध्य	प प म प ध प रि ग रि स . ४	रि सरिप
मन्द्र		नि

उ धो. पे . . . ला द चि त च र न ला .
१ २ ३ २ १ २

तार		स स स स स
मध्य	ग रि स ॰	नि ध ॰ नि ध ॰
मन्द्र		

थो . . प . डि . . ज ब भी ड
३ २ १ २ ३ २

तार	स स ॰	स स रि ग रि स रि स ॰
मध्य		नि ध . नि ध ॰ . . नि
मन्द्र		

त ब धी . . . र स . र च न . सु .
१ . २ ३ २

तार		. ग रि स रि
मध्य	नि ध . नि ध .	नि ध . I नि ध . नि
मन्द्र		

नी . . . खं . ब . सो नी क . स
१ २ ३ २

तार	स॒.	स॒ स
मध्य	नि॒ध॒. नि॒ध॒.	प ध नि नि॒. प॒म॒प॒.
मन्द्र		

. क . र . ज न छु डा . . यो . .
१ २ ३ २

राग देवगिरी नं. १४.

इस रागमे दो गंधार दो धैवत एक शुद्ध दुसरा अतिकोमल निषाद अतिकोमल, शुद्ध गंधार और धैवत के लिये निषानी होगी.

ताल तीनताल.

[समय प्रातःकाल. ८ से ११.]

तार		
मध्य	म॒ म॒ प॒ प॒ नि॒ ध॒. ऽऽ प॒ म॒ प॒ . ऽ	स॒ ग॒ . ऽरि
मन्द्र		

म न ह्र र वा . मो . री रे . . .
३ २ १ २

तार		
मध्य	सरिरिसरि सुसुरि.ऽ	०गम०ग
मन्द्र	नि	

. चु री या . . . रं ग हे . .
३ २ १ २

तार		
मध्य	म.ममपपनिध.ऽऽपमप.ऽ	मग.ऽ
मन्द्र		

. म न ह र वा . मो . री रे .
३ २ १

तार	स स स	सऽऽ स
मध्य	ममपनिध.I नि	धध
मन्द्र		

अ चा न क . मै . . ठा डी भ इ रे
२ ३ २ १ २

तार	रि स रि ग रि स	स स रि स रि
मध्य	नि	नि नि ध
मन्द्र		

. . . . मा ल नी . . . . . . या .

३ २ १ २ ३

तार		स
मध्य	प . ० प ध	प म प . ० प ध नि नि .
मन्द्र		

. औ र रं ग दे . चु न री . .

२ १ २ ३

तार		
मध्य	प प ध	ध प म प म ग म . ० म प . ध
मन्द्र		

. रं ग दे . . स वा [illegible] . आ प .

२ १ २ ३ २

तार		रि
मध्य	प म म म प ध प ग • रि	स • १ स स स
मन्द्र		

ने . उ मं . . ग सो . . . और मं गा

१ २ ३ २ १ २ ३

तार	स • ४	
मध्य	नि φ ध	नि φ ध नि ध प • ४
मन्द्र		

दे स खे हा . . र वा

२ १ २

राग सागर नं. १५.

मध्य तिनताल.

[समय प्रातःकाल. ८ से १०.]

—:o:—

तार		
मध्य	रि गु मु . मु म . मु	मं . गु म ग मु धु
मन्द्र	नि	

ल लत . बिलास जा . . . दि न

३ २ १ २

तार		
मध्य	धु . मु मु गु रि मु गु	रि गु रि सु .
मन्द्र		नि

ते . वा . . . सं ग . क र आ

३ २ १ २

तार		
मध्य	रि मु गु रि सु .	नि धु . पु मु पु .
मन्द्र		

. . ये . . ये हो . . .

३ २

तार	स स स स स रि स
मध्य	प म ग म म म॰ऽप नि नि
मन्द्र	

रा . . . म चं प क सा रं ग ता . . . .
१ २ ३ २

तार	स॰ऽ स रि रि स स स स रि स
मध्य	नि नि॰I
मन्द्र	

की अ त ही . दु ग न जो . . .
१ २ ३ २

तार	स॰९ ऽरि ऽरि॰ऽस॰स॰ऽ	
मध्य	ऽध	नि ऽध॰I
मन्द्र		

त गो री को रू प रं .
१ २ ३ २ ३ २

तार	सु सु	
मध्य	पु ॰ ४ ∆ मु ४ धु नि नि ४ धु I	प ∆ मु पु ॰ प ॰
मन्द्र		

ग अ च प ल व . ना . . . ये
३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	४ नि ४ धु ॰ पु म प ॰	प म ग म मु ॰ ४
मन्द्र		

ये . हो . . स . . . म
२ १

तार		स सु
मध्य	स मु मु म मु मु प म रि मु ॰ ४	पु ४ नि
मन्द्र		

जो ब न की म द मा . . ती म तं ग की
२ ३ १ २

तार		
मध्य	प म रि म ० प ध प	म ग रि रि स ग रि ०
मन्द्र		

ना . . र वा को क ब से . तू म ए .

२ १ २

तार		
मध्य	स ऽ ० स रि प म म	ग ग स रि प Y ग Y रि
मन्द्र		

सी ग त च ल न तू मा सा . . . व

३ २ १ २

तार		
मध्य	Y रि ० सा ०	म प Y ध म प Y नि Y ध प म प
मन्द्र		

रे की सी खा . . . . ई . सु ध

३ २ १ २ ३

तार	
मध्य	धु पु पु धु मु गु रि गु रि सु
मन्द्र	

ही म न भा . . . . वे .
१

राग गंधारी तोडी नं. १६.

इस रागमे रिषभ अतीकोमल और शुद्ध गंधार कोमल और अति-
कोमल धैवत शुद्ध और अतिकोमल निषाद अतिकोमल फक्त
विकृत स्वरोंको निशानी दी जायगी.

ताल झुमरा.

[समय प्रातःकाल. ८ से ११.]

तार		
मध्य	सु . सु रि . सु	रि सु मु पु धु पु धु
मन्द्र	नि	

वी . . . र बा . म नु वा . .
१ २ ३

तार		
मध्य	म प . ग . स रि . रि म प ध	ध ध .
मन्द्र		

. . . . . स गु न वी चा .

२ १

तार	
मध्य	ध ध . ध ध . प . ध प ध नि ध प ध
मन्द्र	

. . . . रो . .

२ २

तार	
मध्य	म म प प ध म प ग ग . ग ग ग ग . ऽ रि
मन्द्र	

. क ब घ . र . आ . . . . . बे

२

तार		
मध्य	स रि	स ऽ ♀ रि स . ♀ रि म प ᛘ ध . प म
मन्द्र	नि	

. . . मो रा बी . . . . . र .

१ २ ३ २

तार			
मध्य	रि स स ᛘ रि . स	ᛘ रि स ♀	स ᛘ ध ᛘ ध ᛘ ध
मन्द्र			

बी . . . र बा . का . ग उ

१ २

तार		
मध्य	ᛘ ध . ᛘ ध . प ♀ प प . प ᛘ ध . ऽ प	ᛘ ध ᛘ ध .
मन्द्र		

डा व त मो . . री भैं .

३ २ १

तार	सु४रि॰ सु४
मध्य	४नि ४नि पु मु रि स सु ४रि॰सु
मन्द्र	

॰ ती ॰ ॰ ॰ ॰ र ॰ बी ॰ ॰ ॰ र
२ ३ ॰ ॰ २

राग बिन्द्राबनी सारंग. नं. १७.

इस रागमें दो निषाद गंधार आणि अतीकोमल, बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल सवारी.

[समय प्रातःकाल. ११ से १.]

तार			
मध्य	रि पु मु रि सु	मु रि स१	सु॰सुरि॰ऽ॰सु
मन्द्र			नि

री ॰ ॰ मा ई पी ॰ या की ॰ ॰ ॰ आ
१ २

तार		
मध्य	४ग म स ऽ ९ रि स रि॰ स॰ ९ रि स॰ ९ रि	
मन्द्र	नि	

न . . ला . . गी री . . री

१ २ २ २

तार		सं ससरि
मध्य	पम रिस	९ म प प निपम॰ ९नि
मन्द्र		

. . मा ई व डि बे . . र . आ व न का

१ २ २

तार	स स॰ ९ स रि स	
मध्य	नि नि नि नि	प४ निप मप
मन्द्र		

. . ई रं ग . . . र . स . . आ रे

२ १

तार	सं॒ ॰
मध्य	प ४नि॒प॒ ४नि॒ ॰ प॒ म॒प॒ ॰ म॒ रि॒म॒ ॰४४ग॒
मन्द्र	

मे . . रे . . भा . . ग . जा
२ २

तार	
मध्य	४ग॒ रि॒ स॒ रि॒ स॒ स॒ स॒ ॰ ४रि प॒ म॒ रि स॒
मन्द्र	नि॒

. . . . . . गी . री . . मा ई
२

राग बरवा सारंग. नं. १८.

इस रागमे दो निषाद दो गंधार आरोहमे गंधार धैवत वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

ताल झुमरा.

[समय प्रातःकाल. ८ से ११.]

तार	
मध्य	४गुरि४ गुरिस सु॰१॰४ सुरिपु॰मुरिस
मन्द्र	नि नि

. . . . म हा रा . . जा .
३ ३

तार		
मध्य	रि सु स रि पु	म गु रि सु॰१
मन्द्र	नि ४नि पु॰४	

. . . . . . ठा कु र जी . . . .
२ १

तार		
मध्य	रि रि म म प प प पु॰१ रि रि मु पु	४नि ४नि
मन्द्र		

क ब कि मै ठा डि ठा डि अ र ज क री .
२ ३ २ १

तार	
मध्य	धुपुधमु·गुरि सुरिमुरि ९रिमुपुधु
मन्द्र	९नि

. . . छे . . साहे बा . . महा रा .
२ ३

तार	
मध्य	मु पु धु पु मु गु सु रि गु रि सु·सु रि पु
मन्द्र	

. . . . जा . . . . . . ठा कु र
२

राग तोडी नंबर १९.

इस रागमे रे. ग, ध, नी, आतिकोमल म तीव्रतर.

ताल तीनताल.

[समय प्रातःकाल. ८ से १०.]

तार		
मध्य	प ध ध म म ग म ग रि स ॰ ४	रि ग म
मन्द्र		

प ति या . . . प द क वा मो रे पी
३ २ १

तार		
मध्य	ध नि ध प म ग ॰ ४ ग रि स ॰ ४	स ध प ध
मन्द्र		

या . स न मो रा सं दे सा बे . ग ली
२ ३ २ १

तार		
मध्य	ध म म ग प ध ध म म ग म ग रि स	रि
मन्द्र		

या . . . प ति या . . . प द क वा मो
२ ३ २ १

तार			
मध्य	ग म ध नि ध प	ग ग ग ग म म ध ध	नि नि
मन्द्र			

रे पिया . स न घ डी घ डी प ल प ल छि न
२ ३ २ १

तार	स स स स स ग रि स	
मध्य	नि नि नि ध	म ध
मन्द्र		

छि न मै का जु ग त बि त तु है . बे ग
२ ३ २ १ २

तार	स	
मध्य	नि ध प म ध नि ध नि	नि ध नि ध प . म
मन्द्र		

. ला या . शी री हो . . छ . . ति या .
३ २ १ २

राग बिलावल नंबर २०.

इस रागमे दो निषाद एक शुद्ध दुसरा अतिकोमल, अतिकोमल निषादके लीये निशानी होगी.

विलंबित तीनताल.

[समय प्रातःकाल. ७ से ९.]

—:०:—

तार		
मध्य	९धु.४नि पु मु गु.मु	गु मु रि.४स सु.९
मन्द्र		नि

दै . या . . . का . . हा . .
२ १ २ ३

तार		स स स
मध्य	रि ग मु रि५.गु मु पु	पु९पु नि नि
मन्द्र		

ग ये . . . . . लो ब्रि ज के बा . .
२ १२ ३ २

तार	
मध्य	९धु॰ नि पु॰ ९धु धु गु॰ मु रि गु धु॰ ४ नि पु॰
मन्द्र	

सै ॰ या . . . . दै ॰ या
१ २ ३ २

तार			
मध्य	मु गु॰ मु	गु मु रि॰ ४	पु पु॰ ४ नि धु॰ नि
मन्द्र			

. . . का . . ना . मो . रे
१ २

तार	सु॰ सु॰ सु	स ४ स रि ग ४ मु गु रि गु
मध्य	नि	
मन्द्र		

पं . . ख न पा य ल . ओ . र
३ २ १ २ ३

तार	रि सु . सु	
मध्य	नि धु . ४	नि पु ९ प धु पु धु नि
मन्द्र		

ब ल . . . . . ना . . . .
२ १ २

तार		सु सु.
मध्य	धु पु मु गु रि ४ गु पु धु नि	नि ९ धु . नि पु
मन्द्र		

को उ . . . सु ध को ले . . . बै . .
३ २ १ २

तार	
मध्य	९ धु धु गु . मु रि गु . ४ धु . नि पु मु गु . मु
मन्द्र	

या . . . . . दै . या . . .
३ २

राग बिलावल नंबर २१.

इस रागमें दो निषाद, अतिकोमलनि, के लिये निशानी होगी बाकी सब शुद्ध स्वर.

ताल तीनताल.

[समय प्रातःकाल. ७ से ९.]

तार		
मध्य	ग ग म ध ध प प · ४	ध म प · म · ग रि
मन्द्र		

क व न ब ट री या गै · · लो · ·
३ २ १ २

तार	
मध्य	ग · ४ ग म ध नि प म · ग रि ग · प म
मन्द्र	

· मा ई दे · · · · · · हु व
३ २

तार	सुसुगुरिसु	सु
मध्य	गमुरि॰सनि निधुनि	नि
मन्द्र		

ता . . . मै ग रु वा . ग त मा ई छु र
१ २ ३ २ १

तार		
मध्य	धुपुमुगुरिगुगुगुमुधुधुपुप	ा॰प
मन्द्र		

वा ग इ ल वा . क व न ब ट री या ले
२ ३ २ १ २

तार	सु॰ सुसुस॰सुसुससु	
मध्य	निधुनि नि	ध॰नि
मन्द्र		

न . ग ई . . सु ध आ रे हा ट वा .
३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	प ० प	ध प ध ४ नि ध प स ग म प प नि
मन्द्र		

. रे . . . . इ त नी . ग ई मे गै
२ १ २ ३ २

तार	स स . ४	रि स
मध्य	ध . नि .	ध नि ध प म ग
मन्द्र		

. . . . लो का . मा ई रा . मा
१ २

राग सारंग नंबर २२.

इस रागमें ग, ध, वर्ज और दो निषाद, एक शुद्ध दुसरा अतिकोमल शुद्ध निके लिये निशानी होगी.

ताल धमार.

[समय प्रातःकाल. १० से १२.]

———:०:———

तार		सु
मध्य	रि म प नि प	नि प नि प म रि रि स रि
मन्द्र		

मा . या . . मो ह नी म न . ह र नी मा
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	म प नि प	स म म प प प नि नि प म प प प
मन्द्र		

. या . . च प ल चा ल वि शा . ल लो . च न
१ २ ३ २

तार	
मध्य	म म म रि म प नि म प रि रि स स रि
मन्द्र	०नि

ल ब ल सा . रं . ग . ध र न य रि रा
१ २ ३ २

तार			सु स सससु
मध्य	रि॒ ॰ ४	मुप॰नि ॰ ९॰नि॰नि ॰नि	
मन्द्र			

मा काम बा न विलोके मा . रे .
१ २ ३ २

तार	मु रि सु
मध्य	नि प॒ म॒ रि रि स रि म प नि॒ प॒
मन्द्र	

योगीया ब स . क र न मा . या . .
१ २ ३ २

राग सारंग नंबर २३.

इस रागमे दो निषाद बाकी सब शुद्ध स्वर.

ताल तीनताल.

[समय प्रातःकाल. १० से १२.]

—:0:—

तार		स रि॰स
मध्य	ᛘनि ᛘनि प म रि रि स	ᛘनि॰ꝰ
मन्द्र	नि	

दिं . त न धि ति ली त नों . ता .
३ . २ १ २ ३

तार	स॰ꝰ	स
मध्य		ᛘनि ᛘनि प॰ꝰ ᛘनि ᛘनि प म रि म
मन्द्र		

नों ता . . नो त . नो . . .
२ १ २ ३ २

तार			
मध्य	प ᛘनि	प म प म रि स	ᛘनि ᛘनिप म
मन्द्र		नि	

. त ता . रे . दा नी . दि . त न
१ २ ३

तार		स
मध्य	रि॒ रि॒ स॒	म॒ म॒ म॒ म॒ म॒ म॒ म॒ प॒ प॒ नि॒ नि॒
मन्द्र	नि॒	

धि ति ली त आ द र द र द र धि ति ल न धि
२ १ २ ३

तार	स॒ स॒ स॒ स॒ स	स॒ स॒ स॒ स॒ स स
मध्य		नि॒ नि नि॒ नि॒
मन्द्र		

त न न न धि त न न न नि ता रे त दीं दीं
२ १ २ ३ २

तार	स॒ स॒ स॒	म • रि॒ स॒ स॒ रि॒ रि॒ स
मध्य		नि ४ नि॒
मन्द्र		

त न न तो त न न तो . तों तों त
१ २ ३ २

तार		स रि॰स
मध्य	ᛘनि ᛘनि प म रि रि स	ᛘनि॰९
मन्द्र	नि	

दिं . त न धि ति ली त नों . ता .
३ २ १ २ ३

तार	स॰९	स
मध्य		ᛘनि ᛘनि प॰९ ᛘनि ᛘनि प म रि म
मन्द्र		

नों ता . . नो त . नो . . .
२ १ २ ३ २

तार			
मध्य	प ᛘनि	प म प म रि स	ᛘनि ᛘनि प म
मन्द्र		नि	

. त ता . रे . दा नी . दि . त न
१ २ ३

तार		स
मध्य	रि रि स	म म म म म म म प प नि नि
मन्द्र	नि	

धि ति ली त आ द र द र द र धि ति ल न धि
२ १ २ ३

तार	स स स स स	स स स स स स
मध्य		नि नि नि नि
मन्द्र		

त न न न धि त न न न नि ता रे त दीं दी
२ १ २ ३ २

तार	स स स	म · रि स स रि रि स
मध्य		नि ४ नि
मन्द्र		

त न न तों त न न तों . तों तों त
१ २ ३ २

तार			
मध्य	ᵛनि़ प़ प़	म़ ᵛनि़ प़ म़ रि़ रि़	स़
मन्द्र			नि़

न न न ता . रे . ता रे दा नी
१ २

राग आसावरी नंबर २४.

इस रागमें ग, ध, नी, अतिकोमल आरोहमे ग, वर्ज.

ताल तीनताल.

[समय प्रातःकाल. ८ से १०.]

तार		
मध्य	म़ प़	नि ध़ • ध़ प़ प़ प़ म़ प़ प ध म प ग
मन्द्र		

मो रे का . न भ न क वा . प . री . लो
१ २ ३

तार		स ॰१ स	
मध्य	स रि ॰ स ॰४	नि ध ॰१ म प ॰४	ग ग
मन्द्र			

. . . री मा . ई . . ज ब
२ १ २ ३ २ १

तार	
मध्य	ग ग ग रि म ग ॰ रि स ॰ रि म प म प ॰
मन्द्र	

आ वें गें ला . . ल . ही आ प हि .
२ ३ २

तार	
मध्य	नि ध ॰ ध ध ध ध म प ध ध प म प ॰
मन्द्र	

मो . रे मं द र वा . . . . .
१ २ ३

तार		
मध्य	४नि प प	म ४नि प म रि रि सा
मन्द्र		नि

न न न ता . रे . ता रे दा नी
१ २

राग आसावरी नंबर २४.

इस रागमें ग, ध, नी, अतिकोमल आरोहमे ग, वर्ज.

ताल तीनताल.

[समय प्रातःकाल. ८ से १०.]

तार		
मध्य	म प	नि ध • ध प प प म प प ध म प ग
मन्द्र		

मो रे का . न भ न क वा . प . री . लो
१ २ ३

तार		स॰१स	
मध्य	स रि॰स॰४	नि ध॰१स प॰४	ग ग
मन्द्र			

. . . री मा . ई . . ज
२ १ २ ३ २ १

तार	
मध्य	ग ग ग रि म ग॰रि स॰रि म प म प॰
मन्द्र	

आ वे गे ला . . ल . ही आ प हि .
२ ३ २

तार	
मध्य	नि ध॰ध ध ध ध म प ध ध प म प॰
मन्द्र	

मो मो . रे मं द र वा . . . . . .
१ १ २ ३

तार		स स स
मध्य	म रि म म प	म म म प नि ध . ध
मन्द्र		

. . . मो रे ज ब आ वें गें . था . द र

२ १ २ ३

तार	स स स स	स स स स रि ग
मध्य		ध ध ध ध नि
मन्द्र		

ब ज वा . त न म न ध न नो छा . . .

२ १ २ ३

तार	रि स रि स .	ग ग रि स स रि
मध्य	नि ध	ध नि
मन्द्र		

व रे क रे . हो ल दा रं गी . ले . .

२ १ २

तार	सु सु	
मध्य	नि धु • धु मु पु	धु धु धु धु धु पु
मन्द्र		

• हो • • म धसा र त न ज न क

३ २ १ २

तार	
मध्य	मु पु धु धु पु मु पु • मु रि मु मु पु
मन्द्र	

वा • • • • • • • • • मो रे

३ २

राग आसावरी नंबर २८.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	प नि ध प ध म प ध म प	म ग • स रि • म
मन्द्र		

च त रं ग र स स • न • गा • • • इ
३ २ १ २

तार		
मध्य	प म ग • म ग • रि स	रि ग रि रि स स रि
मन्द्र		

ये ले • जा • इ ये सु र ता ल प र अ
३ २ १ २ ३

तार	स	स रि
मध्य	म म प प	नि नि ध प ध म
मन्द्र		

ला प क र सो ना • • • ई • ये •
२

तार		
मध्य	पु नि धु पु धु मु पु धु म पु	मु म म पु पु नि धु॰
मन्द्र		

च त रंग र स स . न . ना द र धि ति ला .
३ २ १ २

तार	स स रि सु सु	सु स रि म
मध्य	नि धु . धु नि	धु ध धु
मन्द्र		

न . त दिं दिं त न न न नि ता रे नि ता रे ता
३ २ १ . २ ३

तार	गु . ऽ रि स	
मध्य		स स सु रि म रि मु प मु पु ध
मन्द्र		

. दिं .
२ १ २ ३ २

तार	स॒ • ९	स॒ •
मध्य	प॒ ध॒ नि॒ ध॒ नि॒ म॒ • म॒ प॒ नि॒ ध॒ • ९ ध॒	
मन्द्र		

उ • फ़ मै • गो यॉं

१ २ ३ २ २

तार	स॒ रि॒ स॒ स॒ • ४ स॒ रि॒	स॒ रि॒ ग॒ रि॒
मध्य	नि॒ ऽध॒ • ध॒ ध॒	
मन्द्र		

की • फ • र्दा त • र्क मो सौ दा • • को

२ ३ २ १

तार		स॒ ९ स॒ ऽ
मध्य	नि॒ ध॒ • प॒ नि॒ • ध॒ प॒ ध॒ म॒	प॒ ध॒ नि॒ नि॒
मन्द्र		

नौ • • बा दे चु फर् • दा • • श बे

२ ३ २ १ २

तार	मृ गृ.रिृ सृ रिृ सृ	रिृ सृ
मध्य	नि	नि निृ धृ पृ मृ
मन्द्र		

फे . रो . ज रा द्रु नी या कु न . . .
३ २ १ २

राग आसावरी नंबर २६.

ताल तीनताल.

—:०:—

तार	सृ सृ सृ	
मध्य	पृ निनि निृ धृ मृ पृ	निधृ पृ मृ गृ
मन्द्र		

ना द र द र दा नी त दा नी दीं त न न .
३ २ १ २

तार		
मध्य	म ग • स रि म प • १ ध म	प नि ध प ध प म
मन्द्र		

न . दे . रे ना त न दे रे ना . त न दे

३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	प म ग . म ग • स रि • स • ४	स स स स रि
मन्द्र		

रे ना . . . दा . नी उ द न दि .

२ १

तार	स स स रि
मध्य	म म प प नि ध • नि ध • नि ध .
मन्द्र	

. त न न नि . तो . . . तो त त न

२ ३ २

तार	स रि ग रि स	
मध्य	नि ध प म	म म म म म म
मन्द्र		

दे रे . रे . ना . . . ना द र द र द
१ २ ३

तार		स स स स स
मध्य	म प प प प ध ध ध	ध ध ध ध
मन्द्र		

र तुं द र द र द र द र द र त न दे रे ना
२ १ २

तार	स स ससससरि रि	ग गग ग
मध्य	ध धधधधधध	
मन्द्र		

ना द र द र द र तुं द र द र द र द र द र द र
३ २ १

तार	रि स रि स पमग •रिस	स रिमं गंगं
मध्य	नि निध•	
मन्द्र		

त न दे रे .ना . तन . दे रे ना . त . न
२ ३ २ १ २

तार	रि रि स स स रि स•	
मध्य	नि नि नि	निध पधम
मन्द्र		

. दे . रे . ना . त न . दे रे ना . .
३ २ १ २

राग आसावरी नंबर २७.

ताल तीनताल.

तार	स	
मध्य	म • म प ध नि नि ध प म	प ध म प म
मन्द्र		

भो र कही . . मि ल न भ ई . ल . वा
३ २ १

तार		
मध्य	ग • ऽ रि स रि म प ध	प ध नि ध प म प म
मन्द्र		

. मो रे मा . . . पी . . त म ढीं गवा
२ ३ २ १ २

तार		सस सस स
मध्य	ग • ऽ रि स रि रि स	स नि प
मन्द्र		

. रा स्म् दी ल रा बा जे म दी ल रा . .
३ २ १ २

तार		स़स़स़रि स़स
मध्य	म़म़म़म़प़प़ध़ध़	ध़ नि
मन्द्र		

आ वो गा वो ना चो स ब सखी य स है . . ली
३ २ १ २

तार	ग रि रि स़ स़	स़ रि स़
मध्य	ध़	नि नि ध़ प़ प़ ध म
मन्द्र		

स दा रं ग ग ले ला . . गे र हि ल वा . .
३ २ १ २

राग आसावरी नंबर २८.

ताल तीनताल.

—:०:—

तार		
मध्य	॰ म प नि ध प	रि म म • रि स रि ॰ म प ध
मन्द्र		

स ज न ग रे ला . . गी . या सा डे या

२ १ २ ३

तार		
मध्य	प ध म प नि ध प	रि म ग • रि स रि ॰
मन्द्र		

. . स ज न ग रे ला . . गी . या

२ १ २

तार	॰ सं सं	
मध्य	म प नि नि ध प म प ध प	म ग • ॰ ग
मन्द्र		

सा डे तो रे बि छु डे . हो . . . बै . यो

३ २ १

तार	सृ
मध्य	स रि ग रि स स रि म म म प • ४ ध
मन्द्र	

बा . . व डी ला . . गे र ही अखी
२ ३ २

तार	स रि ग रि स स रि स
मध्य	नि नि ध ध प ध म
मन्द्र	

या . . नि शि जा . . . गे . या . . .
१ २ ३

तार		
मध्य	म प नि ध प	रि म ग • रि स रि ९ म प म
मन्द्र		

स ज न ग रे ला . . गी . या सा डे सा
२ १ २ ३

तार		सु सुस रि
मध्य	पु नि धु ०ऽ धु मु पु	नि धु . नि नि पु
मन्द्र		

स सा . स र ट ना . जि या उ न की घ री
२ १ २ ३

तार	रि रि रि स रि ग रि	स स रि स
मध्य		नि निधु ० प प
मन्द्र		

न बि छु रे . . प ल प ल छि न क ही थे प्रे
२ १ २ ३

तार		
मध्य	पु पप पधम प .	मु गु ० मुग ० मुग . रिस सुस
मन्द्र		

मप्रीत . क . र . म . न . ना . बिसाराआ
२ १ २ ३

तार		सुरिसरिगरिसु सरिस
मध्य	रिमपुधु	नि धुपुधु
मन्द्र		

जा वो चि त ला . वो . . घ र कै . . . या .
२ १ २ ३

राग आसावरी नंबर २९.

ताल तीनताल.

तार	१सु सु	
मध्य	नि धुपुमपधप	मुगु.सरिममुप
मन्द्र		

तो रे न घ री या . . . हां . . . रे पि या
३ २ १ २

तार	०सं सं	
मध्य	म प नि ध प म प ध प	म ग . स रि म ०
मन्द्र		

. . तो रे न ग री या . . . हां . . रे .
३ २ १ २

तार	स	
मध्य	म प प नि ध . नि ध ० नि	० प म प ध प
मन्द्र		

बा बु ल के . . . दे . स ना . . .
३ २ १

तार		
मध्य	रि म ग . रि स	म म म प प नि ध . नि ध .
मन्द्र		

जै यो . पि या जो कु छ ह म से . . . .
२ ३ २

तार	सृ सससृ सृ रिृ सृ रिृ गृ
मध्य	निृ धृँ ·ऽ निृ धृँ धृँ
मन्द्र	

चू . क प री तू म ले हूं गी सै या . .
१ २ ३ २

तार	रिृ सृ	सृ रिृ सृ
मध्य		निृ निृ धृ ·ऽ पृ ·ऽ म मृ मृ पृ पृ
मन्द्र		

अ प नो . . . ठा . . सा स न नं द
१ २ ३ २

तार	सृ	सृ सृ
मध्य	निृ	निृ पृ धृ पृ धृ मृ
मन्द्र		

का . स ब दु ख सै यो पि या
१ २

राग सिंधोरा नंबर ३०.

ताल तीनताल.

तार	स रि	
मध्य	प नि ४नि ध • ४नि ध प	रि म प ध म प •
मन्द्र		

च त रं ग गा • • वो • गु नी स • ब •
३ २ १

तार		स रि
मध्य	रि म ४ग • रि स स • रि म प ध	नि ४नि
मन्द्र		

मि ल • क र आ ज ता न अ ला प स्व र
२ ३ २ १ २

तार		स रि
मध्य	ध • ४नि ४नि ध • म	प नि ४नि ध • ४नि ध
मन्द्र		

• न सो • • च त रं ग गा • • वो
३ २

तार		
मध्य	प	रि म प ध म प रि म ग . रि स म म म
मन्द्र		

. गु नी स . ब . मि ल . क र ना दी र

१ २ ३

तार	स स स	म ग . रि स रि स स स
मध्य	प ध	नि
मन्द्र		

धि ती ला न त दिं . दि . त न न

२ १ २ ३

तार		स . रि रि
मध्य	नि ध प म ग रि स	रि म प ध
मन्द्र		

स त

२ १ २ ३

तार	रि रि रि रि रि रि ४ ग म ४ ग रि स स
मध्य	नि
मन्द्र	

स्व रा त्र यो ग्रा मा मु र्छ ना द्वि क वीं श
२ १

तार	स •४ स स स म ४ ग •
मध्य	स • रि म प ध ४ नि
मन्द्र	

ती ता ना ए को ण प षा शत् इ त्ये .
२ ३ २ २

तार	रि स स स रि स
मध्य	४ नि ध प म • ४
मन्द्र	

तत् स्व र मं ड ल . . . .
१

राग लंकदहन सारंग नंबर ३१.

ताल तीनताल.

तार	स स.	रि स.
मध्य	नि नि	नि ४नि.४प ४नि ध
मन्द्र		

ये री मा . झा . . . मै कै .
२ १ २

तार	स स स	स स रि
मध्य	नि नि	नि ४नि ४नि ४नि
मन्द्र		

चु न री सा री दे हो . पै न्हा . .
३ २ १ २

तार	स स	स स रि
मध्य	प म ४नि ध नि नि	नि ४नि ध
मन्द्र		

. हा री . चु न री या दे हो . रं गा .
३ २ १ २

तार		
मध्य	४ नि प ४ नि प प प प	म प ४ नि ४ नि प
मन्द्र		

. . ला ल चो ले रा पै . रो . गी

३ २ १ २

तार		
मध्य	म ० प रि म ० नि नि प म प	रिमसरिस ०
मन्द्र		

. त म . सं . ग . खे लो . . . गी

३ २ १ २ ३

तार	स स .	रि स
मध्य	नि नि	नि नि . ४ १ म प प प ४ नि
मन्द्र		

ये री मा . झा . . . बा ज त ता ल

२ . १ . २ ३ . २

तार		स स̥ स स̥ स̥ स̥
मध्य	ध̥ नि̥	ᛘनि̥ ᛘनि̥ ᛘनि̥ ᛘनि̥
मन्द्र		

. मृ दं ग झां ज ड फ ड फ . व न
१ २ ३

तार	स̥ स̥ स̥	स॒ रि॒ स॒ I
मध्य	नि̥	नि॒ ᛘनि॒ ध॒ नि̥ प म॒ प̥
मन्द्र		

की . धु न तो . . . रे . . . ये हो
२ १ २ ३ २

तार		स रि रि̥ रि̥ स	स
मध्य	ᛘनि प̥	ᛘनि̥ ᛘनि̥ प रि̥ रि̥ रि	ᛘनि̥
मन्द्र			

. . हो . . री पि च का री ब र छो री . मु
१ २ ३ २ १

तार	सस	
मध्य	ॻनि प ॻनि ॻनि प परि	म . सरि . रिसस
मन्द्र		

ख मा री सुं द र ब र छे . . . ल वा .
२ ३ २ १ २

राग सारंग नंबर ३२.

ताल द्रुत चारताल.

तार	स रि स	
मध्य	नि ॻनि प म रि स रि स	म रि रि प म ॻनि
मन्द्र		

मै . . न जाऊं . ह री पा स री स ज नी . .
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २ ३

तार	स स ॰४	स स स	म
मध्य	प नि	म म म प नि नि नि	
मन्द्र			

. . . . शा म र च्यो . अ ब औ र न तीं .

२ २ १ ३ २ ३ २ २ १

तार	म रि स स	स रि रि स स
मध्य	४ नि ॰ म प ॰ ४	म प नि
मन्द्र		

य न सं ग हाँ मो सो भ . ये . . . उ .

३ २ ३ २ २ १ ३

तार	रि रि स स रि स
मध्य	४ नि ४ नि प म रि स ॰ ४
मन्द्र	

. दा . . . . र

२ ३ २ २

राग मल्हार सारंग नं ३३.

ताल तीनताल.

तार		स सु. रि सु
मध्य	म प	नि धु नि नि नि नि प
मन्द्र		

म न ह . र वा . . रे . . . ब
२ १ २ ३ २

तार		सु सु रि सु
मध्य	नि धु	नि नि नि नि नि पु मु पु
मन्द्र		

रमा . ह री ह री चु री या . दे हो . र
१ २ ३

तार		
मध्य	म ग मु .	म नि पु प प मु पु नि नि
मन्द्र		

गा . . र गू र गेली और र च ट
२ १ २ ३

तार		
मध्य	प म रि	रि॰ स रि॰ स॰ ४ १म प ४नि ४नि
मन्द्र		

के॰ ली वो . . . त न की .
१ १२ ३ २

तार			
मध्य	प म	रि॰ १स स रि॰ स १म प	प॰ प प ४नि
मन्द्र			

. पे . न्हा . . . रे म न जो पै नो को
१२ ३ २. १ २

तार	स स स	स स रि रि स
मध्य	ध नि नि	नि नि नि नि ४नि
मन्द्र		

. ह र वा द्यों गी मो ती य न था ल भ रा . . .
३ २ १ २ ३ २

तार		स॒रि॒रि॒म॒म॒रि॒ स॒ स॒रि स
मध्य	४नि॒ ० प	नि॒ नि॒ नि॒नि॒
मन्द्र		

० ० धर क धर क मो हे जि य रा ध र के
१ २ ३ २

तार	
मध्य	म॒ ४नि प॒ प॒ प॒ म॒ प॒ ४नि॒ ४नि॒ प॒म॒ रि॒स॒म॒प॒
मन्द्र	

बं ग री दे हु स र का ० ० ० ० र म न
१ २ ३ २

राग सुवा सुधराई नंबर ३४.

ताल द्रुत चारताल.

तार	
मध्य	निं निं प म प म रिं म रिं स रि स स
मन्द्र	

तु . वे . . मो . . म द सा द र
१ ३ २ ३ २ २

तार		स
मध्य	स म ग म म प प म निं प	नि प म
मन्द्र		

बा र . . . नी जा म . . . दी न सु जा
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	प नि प म ग म	निं निं प म प म
मन्द्र		

. . . न . . तु . वे . . मो
२ २ १ २ २

तार		
मध्य	ग • म रि स रि स स	म प नि ध • नि
मन्द्र		

. . म द सा द र ध व . ल . .
३ २ २ १ ३ २

तार	स स ° रि स स	स रि • स
मध्य	ध • नि नि	नि नि नि
मन्द्र		

. क ल स प . . र • ब ल . . ब .
३ २ २ १ ३ २

तार	स रि स	स
मध्य	नि नि ध • नि प	म प नि
मन्द्र		

ल . जै . ये . . . . उ न प र
३ २ २ १ ३

तार	मु ४गु॑ ॰ ॒ मु रि ॒ सु	सॄ४४ ॰
मध्य	नि॒	४नि प॒ प प॒ म॒
मन्द्र		

जै . . . ये . कु र वा न नी जा म .
२ ३ २ २ १ ३ २ ३ २

तार		स॒॰
मध्य	४नि॒ प॒	४नि प॒ म प ४नि प म ४गु ॰ ॒ मु ॰४
मन्द्र		

. . दी न सु जा . . . न . . .
२ १ ३ २ ३ २ २

राग भैरवी नंबर ३५.

ताल रूपक.

मतकर मोह तूं हरिभजनकूं मानरे ।
नयन दिये दरशन करनेको । श्रवण दिये सुन ग्यानरे ॥
वदन दिया हरिगुण गानेको । हात दिये कर दानरे ॥
कहत कबीर सुनो भाई साधो । कांचन निपजत खानरे ॥

तार	स स स॒ रि स	स स
मध्य	नि॒	नि नि नि
मन्द्र		

क र ने . को श्र व ण दि ये
२ २ ३ २

तार	स स	स॒ रि स
मध्य		नि॒ नि॒ ध॒ ऽ प . ०
मन्द्र		

सू न ग्या . . न रे . .
२ ३ २ २

समाप्त.
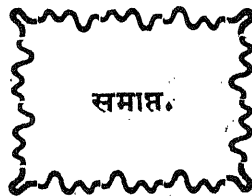
गांधर्व महा विद्यालय.

हेड ऑफिसः—सँडहर्स्ट रोड,-बम्बई.

ब्रँच ऑफिसः—लाहोर,-नागपूर, नाशिक, कोल्हापुर.

गांधर्व महा विद्यालय याने " ॲकडेमी आफ इंडियन म्युझिक " यह विद्यापीठ गायनवादन नये सिखनेवालोंकों अथवा जिनका थोडा बहूत अभ्यास हुवा है ऐसे स्त्री पुरुषोंकेलिये और छोटे छोटे बालक बालीकाओंके लिये थोडेसे खर्चमें शास्त्रीय रीतीसे शिक्षण मिले इस हेतुसे सन १९०१ मे स्थापन करनेमे आया इसकी शाखा तथा उपशाखा लाहोर, नागपूर, नाशिक, अमदाबाद, कोल्हापुर, बनारस, अलाहाबाद, देहली, जालंधर, हिसार, सिंध हैद्राबाद, पुना, ऐसे अनेक जगहोंपर है, इन सब शाखाओंमें हमारे नोटेशन अंकन रितीपरसे गायनवादनका शिक्षण दिया जाता है, केवल बम्बईके विद्यालयमे नये गायनवादनके शिक्षक, (उनका सब खानेपिनेका खर्च करके) तयार किये जाते है इस समय उपदेशक (ट्रेनींग) क्लासमे पचास विद्यार्थी हमारे खर्चसे सिखते है. और उपर लीखीहुई शाखाओंमें काम करनेवाले सब शिक्षक तथा प्रोफेसर इसी उपदेशक क्लासमेसे तयार हुवे है. हमारे विद्यालयसे आजतक हजारो स्त्रि पुरुषोंनें संगीत शिक्षणका लाभ लिया है और ले रहे है, यह विद्या सिखनेके लिये आसान होवे इस लिये अबतक नोटेशन सिस्टम अंकनपद्धतीमें **पंडित विष्णु दिगंबरजीने** चालीससे पचास पुस्तके लिखी है.

अनुक्रमणिका.

राग मल्हार नंबर १.

इस रागमें गंधार कोमल और २ निषाद लगते है बाकीके
सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल चारताल धृपद.

तार	स स स स रि स स स	
मध्य	नि ध नि . प	नि प ऽ नि
मन्द्र		

नी र भ रें . . नी ल ब र . न नि रा धा
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार	स	
मध्य	म प प प नि ध ध नि प	ग ग म प नि प म
मन्द्र		

. . र ध र . स मीं . र धा . व त उ न .
२ ३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	पगमरिरिस	सरिममपपनिधनि
मन्द्र		नि

म तं . ग ग ज प ग बं . ध न तो . . रे
३ २ २ १ ३ २ ३ २

तार	स .	स ससरि
मध्य	निधनि४	पनिधनि नि नि
मन्द्र		.

. . . . . धु व . पं . थ चे त दं .
२ १ ३ २ ३ २

तार	सस	ससरिसस	
मध्य		निनिधनि धनिप	पप
मन्द्र			

. त धु र . वा . सो ई शुं ड दं . त च ल
२ १ ३ २ ३ २ २ १

तार	रि रि रि ग ग प ग म रि	स म म रि स
मध्य		नि
मन्द्र		

त म ग जो . र वा . त ज ल ब र ख त
३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार	स
मध्य	नि प प नि ध नि ध नि
मन्द्र	

घ न घो . . रे . . .
३ २ २

राग मल्हार नंबर २.

इस रागमें गंधार कोमल और ३ निषाद लगते है बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल चारताल ध्रुपद.

तार	
मध्य	ध ध ध नि प ऽ ऽ नि प प प ध म • प म •
मन्द्र	

घो . . . . ल र आ ई वा . . .
१ ३ २ ३ २ २

तार		स
मध्य	प ध ऽ	नि प प ध म • प प ध नि ध नि प
मन्द्र		

द र भं र न ज . . ल सा . . ग . र
१ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	ग म प • म रि रि स स स रि म • रि म • प
मन्द्र	नि

। . . म द ब न बो ल न ला . . गी .
३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	ग ग प ग ग म प ग म रि स. ४	म नि ध
मन्द्र		

ओं . र चा . त्र क दा . दू र प शु .
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार	स स स स रि स स	स रि रि स स
मध्य	नि नि	नि
मन्द्र		

पं . छी जी य जं . . तु स ब म न भ यो
२ ३ २ २ १ ३ २

तार	स रि	स रि रि स .
मध्य	नि ध नि प	म प नि ध
मन्द्र		

आ . . नं . द मो हे तो . द ह त का
३ २ २ १ ३ २ ३ २

तार			रि सं॰
मध्य	नि प	नि प ध नि	ध नि प॰४
मन्द्र			

॰ म उ न वी ॰ न ना ध ॰ र
२ १ ३ २ ३ २ २

राग मल्हार नंबर ३.

इस रागमें गंधार कोमल और २ निषाद लगते हैं बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	स ॰ऽ म रि म रि ऽ रि स ॰ऽ	नि नि म प
मन्द्र		

री च्र ल त पू र वै स न न न
३ २ १

तार		
मध्य	ग ग ग ग म स रि स रि स	स
मन्द्र		नि नि नि ध

न न न न थ र थ र कां पे म नु वा . ल
२ ३ १ २

तार		
मध्य	स स स स रि	
मन्द्र	नि नि ऽ प प	प प नि नि नि नि

र जै झिं ग र वा बो ले झ न न न न न न
३ २ १ २

तार			
मध्य	स रि स ० ऽ	स म रि म रि रि स स	रि म रि
मन्द्र			

न न न   उ मं ड घु मं ड घ न च म क

३ २ १

तार	. स स स रि स ० ऽ	
मध्य	प प प नि ध नि	नि नि ध
मन्द्र		

च म क च म के . जो ग नु वा   द म क

२ ३ २ १

तार	स स स रि स	स
मध्य	नि नि ध नि प	म प ध नि नि
मन्द्र		

द म क द म के दा मि नी या म न भा . . व

२ ३ २ १ २

तार		
मध्य	प म प ग ग म प म म म म	रि म रि प १ प
मन्द्र		

म ग र ला . ग न आ यो द ग ता . न मा न

३ २ १ २

तार	सं	
मध्य	ध ध ध प प ग ग म प	म रि रि स रि स .४
मन्द्र		

द ग ति य हि य धि टि कि टि धा धि टि कि टि धा

३ २ १ २

राग मल्हार नंबर ४.

इस रागमें गंधार कोमल और दोन निषाद लगते है कोमल निषादके वास्ते निशाणी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	स	
मन्द्र	नि नि ᵛनि ᵛनि प	प प ᵛनि • ध ᵛ नि • ध

बि ज ली च म के ब र से • • •
३ २ १ २

तार		
मध्य	स ० स रि स	स स स स म रि म
मन्द्र		ᵛनि ᵛनि ध नि

मे ह र वा आ ई • ब द री या ग र ज ग
३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	म ᵛनि म प	ग ग ग म रि स • ᵛ स
मन्द्र		नि नि

र ज मो हे अ त हिं ड रा वे बि ज ली
२ १ २ ३

तार		स स
मध्य		म रि प प प नि ध नि नि
मन्द्र	नि नि प	

च म के घ न ग र जे घ न बि ज ली च

२ १ २ ३

तार	स स	स स स रि स
मध्य		नि नि नि ध नि नि ध
मन्द्र		

म के प पी या . पि उ की टे . र सु ना

२ १ २ ३ २

तार		स
मध्य	नि म प	रि म रि म प नि ध नि नि
मन्द्र		

. . . क हा . क रूं कि त जा ऊं मो

१ २ ३

तार	स॒ • ४ स॒ रि॒	स
मध्य		रि॒ स॒ रि स॒ • ४
मन्द्र		

रा अ त हि त र से •

२ १ २

राग मल्हार नंबर ५.

इस रागमें गंधार कोमल और दोन निषाद लगते है कोमल निषादके वास्ते निशाणी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

ताल एकताल.

तार		
मध्य	स॒ रि॒ म॒ रि॒ स॒ स॒	रि॒ म॒ रि॒ प॒ म॒ ४ नि॒ मु
मन्द्र	नि॒ नि॒	

आ • ई • स म ध न मो • • • • • •

२ ३ २ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	पु • पु धु • धु पु गु ऽ ९	T • सु रि ऽ सु ऽ
मन्द्र		धु नि

. . . रा . रे गं रू ये मा .

२ २ १ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	सु रि	सु रि सु ऽ सु सु
मन्द्र		धु नि ९ नि • नि पु • पु नि

. . . . . . श र ब त से म द भ

२ १ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	रि सु • ४ सु रि मु रि सु सु	रि रि मु रि
मन्द्र	नि नि	

रा ई आ . ई . स म ध न सं द ल गु

१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार	सु ऽ ·४	सु स
मध्य	पु पु ४नि धु नि	४नि धु नि नि
मन्द्र		

ला व सां · न के   क र भ र गा र
२ ३ २ २   १ ३ २ ३

तार	सु रि	सु
मध्य	धु ४नि पु	मु पु ध नि ४नि पु मु पु
मन्द्र		

न ल गा · ये स व सो · ·   त न मि ल
२ २ १ ३   २ ३

तार		रि
मध्य	ध म प ·४ रि मु	रि पु पु ४नि धु नि
मन्द्र		

के · ·   स दा रं गी ले   को · पे ह
२   २ १ ३   २ ३

तार	सॖ	
मध्य	धॖ ॅनिॖ मॖ पॖ	रि स सॖ रिॖ मॖ रिॖ सॖ सॖ
मन्द्र		निॖ निॖ

रवा . पे हे रा ई आ . ई . स म ध न
२ २ १ १ २ ३ २ २

राग तराना मल्हार नंबर ६.

इस रागमें गंधार कोमल और दोन निषाद लगते है कोमल निषादके वास्ते निशाणी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	सॖ रिॖ रिॖ सॖ सॖ	
मन्द्र	निॖ	ॅनिॖ पॖ पॖ पॖ ॅनि ॅनिॖ धॖ नि नि

उ द् त न न न त न दे रे ना . . दि
३ २ १ २

तार		
मध्य	सु॰ऽसुसुमुमु रि सुमुमु	रिमसरि
मन्द्र	नि नि	

दि र ना दि र दि र ना त न न ना दि र दि
३ २ १

तार	सु सुसु
मध्य	रिपुपुपुधु धु धुऽनिऽनिपु पुपुऽनिऽनि
मन्द्र	

र त न न त न दि र दि र दि र दि र तुं दि र
२ ३ २

तार		
मध्य	मु मु पु पु	गु गु गु गु मु मु रि ऽ रि सु॰ऽ
मन्द्र		

दि र दि र दि र दि र दि र दा नि दी
१ २

तार	स स
मध्य	रि म म रि रि प प ध ध ध ध ध ध ध ध
मन्द्र	

ना दि र दि र दा नि तुं दि र दि र दि र दि र दा
१ २ ३

तार		स स स स
मध्य	प प प प प प प	प नि ध नि
मन्द्र		

नि दि र दि र दा नि द्रे दा नि तुं दि र दि र
२ १ २

तार	स स स स
मध्य	नि नि नि नि नि नि ध ध
मन्द्र	

दि र दि र दि र दि र दि र दि र
३

तार	स स स स	स म रि म रि रि
मध्य	नि नि नि नि	
मन्द्र		

दि र दि र दि र दि र उ दा नि दा नि त
२ १ २

तार	रि स स स रि रि स स	स स
मध्य	नि	नि नि प प
मन्द्र		

दा नि दि त न न न य लि य ल लों य लि य
३ २ १ २

तार	स	स स म ग म म रि रि
मध्य	नि प प प ग म .	
मन्द्र		

ल लों . य ल लों . त घि डा न् घि ड न ग
३ २ . १ २

तार	रि रि स सस स
मध्य	ग ग म म ग ग म म रि रि रि
मन्द्र	

ति रि कि ट त क त क धु म कि ट त क ग दि ग
३ २

तार		
मध्य	रि स॰ ॰ ᛘ	स स म म रि रि म म प प प प
मन्द्र		

न धा न ग धि रि कि ट त क ति रि कि ट तुं
१ २

तार	
मध्य	ᛘनि ᛘनि म म प प प प प प प ᛘनि ᛘनि म म
मन्द्र	

दि र कि ट त क ति रि कि ट तुं दि र दि
३ २

तार		
मध्य	प प	ग ग ग ग म म रि ऽ रि स • स ४
मन्द्र		

दि र दि र दि र दि र दा नि दी म्
१ २

राग कानडा मल्हार नंबर ७.

इस रागमें गंधार कोमल दो धैवत और दो निषाद लगते है कोमल निषादके वास्ते निशाणी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

ताल एकताल.

तार		
मध्य	स रि	म ग • म ग • म प • ४ प ग म रि स • ४
मन्द्र		

मो री बूं . . . द री या . . . .
२ १ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	रि म रि स स स रि स स स
मन्द्र	नि नि ध ध नि

प च रं ग चू . न . री . या . सा . स

१ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	म रि ऽ स ऽ म रि ऽ स ऽ रि	स ऽ स ऽ
मन्द्र		नि

न न घा डु र नि . या . रे

१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	रि स	स स
मन्द्र	नि ध नि प	म म प नि नि नि

ज ठ नि या . . घ र की च र चा अ ब

३ २ २ १ ३ २ ३ २

तार		
मध्य	स रि	० रि रि रि रि स स म ग ० म ग ०
मन्द्र		नि ०

कै से घ र जा . . . उ रे . . .
१ १ ३ २ ३

तार		स स स
मध्य	म रि ० स ० ४	रि प ४ नि ध नि
मन्द्र		

. मो री जैसी सु त री . अ ल
२ २ १ २ २ ३ २

तार	स ० ४	स स स स स स
मध्य		नि नि नि नि नि
मन्द्र		

की वि क ल र ही . आ न न क र
२ १ ३ २ ३ २ २

तार	सु रि रि रि सु सु रि सु
मध्य	नि ᛘनि नि ᛘध ᛘनि पु
मन्द्र	

फै . . ल र हो . क . ज . रा . .
१ ३ ० ३ २ २

तार	
मध्य	ᛘनि ᛘनि ♀ पु ♀ मु पु सु पु सु गु मु मु ♀.ᛘ
मन्द्र	

क ज रा के बूं . . . . . दे
१ ३ २ ३ २ २

तार	सु स	स स रि स
मध्य	रि मु रि पु पु ᛘनि धु नि	
मन्द्र		

के लि . अ त पो . री . को कै . . से
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार	
मध्य	४नि प म प ग म रि स ४
मन्द्र	

. . . छु पा . वे .
२ ३ २

राग मल्हार नंबर ८.

इस रागमें गंधार कोमल और दो निषाद लगते है कोमल निषादके वास्ते निशाणी होगी बार्कीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल झपताल.

तार		स
मध्य	स ४नि ध . ४नि ध .	४नि म प प ४नि प
मन्द्र		

इ . . ण . आ . . ई . ब .
२ १ २

तार		
मध्य	प म ध म प ग ग रि स	रि स स म रि •
मन्द्र		नि

द • री • • • या • भ • रे अ त सु रै •
३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	प ग ग ग	म रि स म म रि स रि स
मन्द्र		नि

• या • प्या • ला • भ • र • पि वा वे
२ १ २ ३

तार		
मध्य	स नि ध • नि ध •	म प प नि नि नि
मन्द्र		

ह्र • • ण • ए क तो भ र बि
२ १ २ ३

तार	स सु स	स स स सु सु रि सु
मध्य		नि नि ४नि प म
मन्द्र		

च का री दु जे ब र से मे . . ह . र .
२ १ २ ३ २

तार	स स रि	म म
मध्य	म म म प ४नि प नि नि	म
मन्द्र		

अ प च के . . मो हे च का वे भ र क
१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	म म म प . ४	
मन्द्र		

र ल गा वे
३

राग मल्हार नंबर ९.

इस रागमें गंधार कोमल और दो निषाद लगते है कोमल निषादके वास्ते निशाणी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

द्रूत आडा चौताल.

तार	स • स	
मध्य	स रि म प नि प	नि ध नि प म
मन्द्र	नि	

मा . . . . . . च म् के . . बि ज
२ २ १ २

तार		
मध्य	प म ग म • म म म	म म प • प म रि म
मन्द्र		

लीया . . ब र से मे . . ह र वा •
२ २ १ २ २

तार		
मध्य	प॒ ९ ॰ ४ नि॒ नि॒ प॒ म॒ प॒ ॰ म॒	रि॒ स॒ नि॒ म॒ प॒ ॰
मन्द्र		

॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ बा ॰ ॰
२ १ २

तार			
मध्य	म॒ रि॒ रि॒ रि॒ स॒ स॒	रि॒ म॒ म॒ रि॒ रि॒ स॒	म॒ प॒
मन्द्र	नि॒		

॰ द ल आ ये अ त घो ॰ र घो ॰ र बे ग
२ २ १ २ १

तार	स॒ स॒ स॒	स॒ स॒ स॒ रि॒ रि॒ स॒
मध्य	प॒ नि॒ ध॒ नि॒ नि॒	
मन्द्र		

इ तो ॰ मि ला वो री मो रे म न भा ॰ ॰
२ २ २ १ २

तार	स सं	
मध्य	निं ध नि प सं	स स स नि नि नि प
मन्द्र		

. . व . न कूं . बो ल लि को य लि या
२ २ १ २ २

तार	सं रि सं	
मध्य	म प निं	नि पं मं प रिं स
मन्द्र		

पु र बै . . या सी हा . री जो र
२ १ २

राग मियाका मल्हार नंबर १०.

इस रागमें गंधार कोमल दो धैवत और दो निषाद लगते है कोमल निषादके वास्ते निशाणी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

ताल झुमरा.

तार	
मध्य	सु रि ग म रि सु . ४ सु रि रि
मन्द्र	नि नि नि ४नि .

बा . . . . ज त . . . . त .
२

तार		
मध्य		
मन्द्र	४नि ४नि प	पु . ४नि . ध ४नि . ध ४नि . ध

त त बी त त . . . . .
१ २

तार	
मध्य	सु सु . I सु .
मन्द्र	नि नि ध नि नि ४नि ४नि ध

घ न . सीख . . . स ब .
३ २

तार	
मध्य	स॒ . स॒ . स स॒ . स॒ रि . स ऽ रि॒ रि॒ स॒
मन्द्र	नि॒

वा . . . जे स ज न . . .

१ २ ३ २

तार		
मध्य	स॒ . स॒ रि . ४	प॒ प॒ . ४ ग ग म॒ प॒ म॒
मन्द्र	४ नि॒ नि॒	

. . . घ र का . . . . . .

१ २

तार		
मध्य	मं॒ . रि॒ रि २ ९ म॒ मं रि स॒ रि स॒ . ४	स
मन्द्र		नि

. . ज सो . . सु हा ग रा .

२ ३ १

तार	सं	
मध्य	ग •	म म • रि स ० स स रि ग ग ग म
मन्द्र		

. . न . यो . ब र स की . मु बा
२ १ २ ३

तार		
मध्य	प ग ग म प म म रि रि	म म • रि रि रि
मन्द्र		

• र • की . . . . जे बूं . • द न
२ १

तार	
मध्य	स स • स रि रि ० स स रि रि
मन्द्र	नि नि म प नि

को से . . . रा • . मो ति य न च म
२ ३ २

तार		
मध्य	स.	स स स स रि . रि स स
मन्द्र		ध ᛘ नि प

र झ र ला . . यो . . . स दा
१ २ ३

तार		
मध्य	स म प म ф ग म रि . रि रि	म रि . प प प
मन्द्र		

. रं ग मौ . . . म द सा . . छ त्र
२ १

तार	स स .
मध्य	नि नि म प प नि ᛘ नि ᛘ नि स प म प
मन्द्र	

प ति . . का . . . ज . स न शु भ
२ ३ २

तार	
मध्य	ᵛनि ᵛनि म प • ९ ग म • स रि • स •
मन्द्र	

दि • न • आ • • • ज
१ २

राग मुलतानी नंबर ११.

इस रागमे रे, ग, ध, अतिकोमल म तीव्रतर आरोहमें रे, ध, वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वरं.

ख्याल विलंबित ताल तीनताल.

तार		
मध्य	० ग म प ध प म ग • रि स	रि स रि स
मन्द्र		नि •

ए • • ला • डी • था डी बा • • • •
३ २ १ २

तार		
मध्य	स स ऽ स म ग म	प प ध ध म प म ग
मन्द्र	नि	

त नु चा . क . र े ए . . . . . .

३ २ १ ०

तार		
मध्य	म ग ऽ ग म प ध प म ग . रि स	रि स ऽ ग
मन्द्र		

. . ए . . ला . डी . था डी बा . ते

३ २ १ २

तार	स . स स	स ऽ स रि . रि स
मध्य	म प नि	नि ऽ नि
मन्द्र		

तो म्हा रे . . मे ला आ . . वो जी .

३ १ २ ३

तार	स ४ रि रि स स ॰	
मध्य	नि नि	ध प ॰ ग म प
मन्द्र		

. शा . . . . . म . ला डी क
२ १ २

तार	स स ॰ स रि	रि स स
मध्य	नि	नि नि ध प ग म प
मन्द्र		

रे . . मि जु मा . . . नि वे . . . .
३ २ १ २ ३

तार	
मध्य	ध प म ग ॰ रि स ॰
मन्द्र	

ला . डी . था डी
२

राग मुलतानी नंबर १२.

इस रागमें रे, ग, ध, अतिकोमल म तीव्रतर बाकी सब शुद्ध स्वर.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	स	स प म प ध प म ग • ऽ ग म
मन्द्र	१ नि	

छो रा जा सी . . . . रे . हु मे

२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	प ध ध म प म ग • म ग • रि स	ऽ • प प ग
मन्द्र		

दे • खी • • ला • ला • के ला एक तो

१ २ ३ १ २

तार		सुस स॰ सुरिस सु॰सु॰
मध्य	मुप	नि नि नि निनि
मन्द्र		

अंधेरी राती दु जे दिया॰ न॰ वा॰ ती
३ २ १ २ ३ २

तार	सु॰ सु॰
मध्य	मु पु॰ ९ पुा मु गु मु पु नि निधु
मन्द्र	

॰ ॰ ती जे॰ ॰ सं॰ ॰ ग न
२ ३ २

तार	
मध्य	धु मु पु मु गु म ग रि स॰
मन्द्र	

सा॰ ॰ ॰ ॰ ॰ थी रे॰
१ २ ३

राग धनाश्री नंबर १३.

इस रागमे रे, ग, ध, नी, अतिकोमल बाकीके सब शुद्ध स्वर.

ताल चारताल.

तार		
मध्य	स म ग रि स	स स ग म म प प धा प
मन्द्र	नि	नि

ध र न मू र न ता . ल ता . न के प्रमा न
३ २ २ १ ३ २ ३ २ २

तार	स स	
मध्य	ग म म प नि नि	नि ध प ग म ग रि स
मन्द्र		

उ . क जु . क्त के वि धा . न सा ध गा . वे
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार		सु सु
मध्य	स म ग रि स	प्र॰ ग म म प ४नि॰
मन्द्र	नि	

ध र न मू र न आ . रो . ही आ व . .
३ २ २ १ ३ २ ३ २

तार	सु स	सु॰ रि स ग रि स
मध्य	४नि॰	नि॰ नि ध प
मन्द्र		

. रो ही आ स्तथा . . इ स . चा . ई
२ १ ३ २ ३ २ २

तार		सु
मध्य	म ग रि सु स ग म प म ग म	प प नि
मन्द्र		

. . . .
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार	म ग रि स	
मध्य	नि ध प	म ग रि स स स
मन्द्र		नि

. . . . ध र
३ २ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	म ग रि स	ग म म प प ध म . प प ध प
मन्द्र		

न मू र न मू . छं ना प्र सा . . न सो .
२ २ १ २ २ ३ २ १

तार		
मध्य	ग ग ग म प प ग म ग रि स स	रि
मन्द्र		नि.

ग म क भे . द च्यु त अ . च्यु त सा .
१ ३ २ ३ २ २ १

तार		
मध्य	स स स म ग • रि स • ऽ	स स ग म
मन्द्र		नि

धा र न के • ध्यो रे व्य क्त व्य •
३ ० ३ १ ० १ ३ २

तार		स स स
मध्य	म प प ध प	ग म प नि नि नि
मन्द्र		

क्त क रे गा वे चिं • ता • म गि गु रु न
३ २ २ १ ३ २ ३ २

तार	रि स	स स रि स स स स स
मध्य		नि नि ध • प
मन्द्र		

ध्या न आ न मा • • न श्रु ति प्र मा • न
२ १ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	ग ग ग म प प ग म ग रि स	स स ग म
मन्द्र		नि

उ ल ट प ल ट सु र म के . ने . म प्रे .
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार		स रि रि स ०
मध्य	म प प ध प	ग म प नि नि
मन्द्र		

म द ढ क रे त व गु नी ज न म घ .
३ २ २ १ ३ २ ३ . २

तार		
मध्य	ध प	ग ग म ग रि स
मन्द्र		

जा य मा . न पा . ये
२ १ ३ २

राग मुलतानी धनाश्री नं. १४.

इस रागमे दो रिषभ एक कोमल और दुसरा अतिकोमल, दो मध्यम एक शुद्ध और तीव्रतर दो निषाद शुद्ध और अतीकोमल, ग ध अतीकोमल.

ख्याल बिलंबित तीनताल मात्रा ८.

तार	सु सु ᐯरि	ᐯरि सु • ᐩ
मध्य	पु ᐯनि • ᐯनि ᐩ	नि
मन्द्र		

लो . . . क छु वा . .
२ १ २

तार	सु •	
मध्य	नि ᐯध प ▲म ᐯग ▲म ᐯग • ᐩ	ᐩ ᐯग
मन्द्र		

. वे क . . . . . ई
३ २ १

तार		सं
मध्य	प ग म प म प ग म	प नि
मन्द्र		

. . . ये . . लो . .
१ २ ३ २

तार	सं रिं	रिं सं ऽ
मध्य	नि ऽ	प प म ग
मन्द्र		

. क छु वा . का हे को .
१ २

तार	सं . सं .	सं सं रिं
मध्य	म प प नि	नि नि
मन्द्र		

. क र त . . तू इ त नी व
२ १ २

तार	रि स ॰ स	स
मध्य	नि नि ध	प म प नि॰
मन्द्र		

ती . . . . या . . को . .
३ २ १ २

तार	स रि रि स स॰	
मध्य	नि नि नि नि	प म
मन्द्र		

. न सु ने . . . च ल तू जा
३ २ १

तार	
मध्य	प ग म प म प ग म
मन्द्र	

. . . . ये . . .
२ ३

राग मुलतानी छायालगत्व नं. १५.

इस रागमे रे, ग, ध, अतीकोमल दो मध्यम शुद्ध म, के लिये निशानी होगी.

ताल झुंबरा.

तार	स ऽ
मध्य	प नि ध प म ग म प ऽ. म ग.
मन्द्र	

क व . न . . . . . दे .
२

तार		
मध्य	रि स	रि स स स स स. म ग. म ग म
मन्द्र		नि नि

स ग ई . . . ल वा . . पी . . . .
१ २ ३

तार		
मध्य	प ग प प • म प ध	ध प म प • ऽ ९ प ध
मन्द्र		

• या गो रा बा ल मो र • • • लो ग
२ १ २

तार	स
मध्य	प म ग ऽ रि स स • ९ म ग • म प नि
मन्द्र	नि

• घा • मा • • • सो आ व • •
३ २

तार	स • स	स स रि रि रि स स ऽ
मध्य		९ नि नि नि
मन्द्र		

– र दे स खी व ल हा • • • •
१ २

तार		सं ऽ
मध्य	नि ध प ध • म ऽ	प नि ध प म ग
मन्द्र		

री रे . . . क ब न . . . .

३ २

तार		
मध्य	म प ऽ • म ग • रि स	रि स ऽ प प ग म
मन्द्र		

. . दे . स ग ई . उ न बि न

१ २

तार	सं • सं • सं सं	सं रिं रिं सं
मध्य	प नि	ऽ नि नि
मन्द्र		

सदा . . र ग कैस खे भ री ये

३ २ १ २

तार	सॖ सॖ
मध्य	निॖ ध॒ प॒ ९ ध॒ म॒ प॒ म॒ ग॒ · म॒ ग॒ · ९ पॖ पॖ
मन्द्र	

. . दी न शि . . त . . . ग ई .
३ २

तार	I सॖ · सॖ रिॖ रि स॒ सॖ
मध्य	नि नि नि पॖ धॖ ० मॖ ९
मन्द्र	

. . जु ग वा . . . . रे . . .
१ २ ३

राग मुलतानी छायालगत्व नं. १६.

इस रागमे रे, ग, ध, अतीकोमल दो मध्यम शुद्ध म के लिये निशानी होगी.

---:०:---

ताल तीनताल.

---:०:---

तार		
मध्य	स म ग रे स रि	स • स म ग म प
मन्द्र	नि	नि

सो व लमा ा • रे • तु मी सो • ला गी

१ २ ३

तार		
मध्य	म प ध प ग • म प	म ग म ग रि स
मन्द्र		

• • • ा • चि त वा • • • • •

२ १ २

तार		
मध्य	रि स म ग • रि स रि	स ० प म
मन्द्र	नि नि •	

• • • सा व लमा मो • रे • रै ना

३ २ १ २

तार	सु ९ सु .	स • सु सु
मध्य	गु • मु गु • मु पु नि	नि
मन्द्र		

. . . . अं धे . . . री जी या उ

३ २ १ २

तार	रि रि रि सु स •	सु रि
मध्य	नि नि धु पु	धु • म पु नि
मन्द्र		

र पा . . . . . वे . . . कै . से आ

३ २ १ २

तार	रि रिसु स.	
मध्य	नि नि धु पु	मु गु मु गु रि सु रि सु
मन्द्र		नि

वु . . . . . तो रे मी . . त वा . . . .

३ २ १ २

राग मुलतानी छायलगत्व नं. १७.

ताल द्रुत चारताल

तार		
मध्य	म ग • म प ध म प म ग • रि स स	स
मन्द्र		नि

नै . न नु मै . . आ . न बा न को न
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	म ग म प म ग प म • प ध	प प म ग • १
मन्द्र		

री . प री . रे . . . बा र ब .
२ ३ २ २ १ ३ २

तार	स स स	स रि रि रि स स
मध्य	म प	नि नि नि
मन्द्र		

र सो . ब त प ल ख न ला . . . .
३ २ २ १ ३ २ ३

तार		सु ग सु
मध्य	नि ध प	प नि नि नि ध प
मन्द्र		

ग त . जी त दे . खो . . उ त .
२ २ १ ३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	म म प ध प म ग प म ध प
मन्द्र	

शा म सी प री . रे . . . .
१ ३ २ ३ २ २

राग मुलतानी नं. १८.

आडा चौताल.

तार	स
मध्य	स नि नि ध . नि नि ध ध म प . म
मन्द्र	

क व न . हे . स क व . . न
१ २ ३ २ ३

तार		
मध्य	ग • म ग रि स स	म ग म ध प ९ ध
मन्द्र	नि	

. न ग र . जा : ये . व सी . ले
२ ३ १ २ ३ १

तार	स • ऽ
मध्य	ध प म प म ग म ग ग म प नि
मन्द्र	

. . . . . रा . . . मा . इ . . .
३ २ ३

तार	स स	रि स स
मध्य		नि नि ध प म ग • म ग.
मन्द्र		

. मो रा . . . . रे . . . . .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	म धु गु • म ग रि सु • स	प प प धु मु
मन्द्र	नि	

. . . ना . . . . मे ब र न जा .

३ २ ३ १ २

तार	स स स ग	रि सं •
मध्य	पु मु गु • म प प नि	नि ध
मन्द्र		

. . . त मै • के • मै • जो ब ता . ये

३ २ ३ २ ३ १ २

तार	
मध्य	धमपमग • मग • मधग • मगरि सु • सु • ४
मन्द्र	नि

. . . . ना . . . मे

३ २ ३ २ ३

राग मुलतानी नं. १९.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	म ग रि स स म ग म प . ऽ	प ध म
मन्द्र	नि	

सु र ज नु म त वा . ला . . . .
२ ३ ० १

तार	स
मध्य	प म ग ऽ ग म प नि प नि नि ध प
मन्द्र	

. . . जी न पि या प्रे . . म र स
२ ३ ०

तार		
मध्य	म प ध प म ग ऽ	ऽ प प प प प ध म प
मन्द्र		

प्या . . . ला . प्र थ म प द . म .
१ २ ०

तार		सं सं रिं सं
मध्य	ग	ग प नि. नि नि नि नि नि
मन्द्र		

का मि नी द म के . . गु रु ही र

१ २ ३ २

तार	सं रिं	रिं रिं सं सं .
मध्य	नि	नि नि ध प प प प
मन्द्र		

की . खा . . . . . न . ज ग म

१ २ ३

तार		सं सं सं गं गं
मध्य	ध म प ग म	प प नि नि
मन्द्र		

ग ज्यो . . त मे ह ल के . भी त र दे .

२ १ २ ३

तार	सं सं	
मध्य	नि निध	म प ध प म ग ॰ ४
मन्द्र		

खे द र स दो वा . . . ला . .
२

राग मुलतानी नं. २०.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	प ॰ ग म ग रि स स ॰ ४	स म ग
मन्द्र		नि

सुं द र सु र ज नु वा सा . ई .
३ २ १

तार		
मध्य	म प ॰ प प प ध म प म ग म	ग म प नि
मन्द्र		

रे . सा ई रे . . . . . म न भा . . .
२ २ २ १

तार	स	
मध्य	नि ध म प ऽ	। प प प प प ध म प ग म
मन्द्र		

. इ रे . . स ब दी न मैं . . . का .

२ ३ २

तार	स रि स स रि रि स
मध्य	प नि नि नि नि नि
मन्द्र	

य ही र ह तु है आ न मि ले . . .

१ २ ३ २

तार		
मध्य	ध प	म प नि ध म प . ऽ
मन्द्र		

र ब सा ई . रे . .

१ २

राग मुलतानी नं. २१.

तराना ताल तीनताल.

तार		सं
मध्य	०रि स म ग म ध	नि नि ध प म ग म
मन्द्र	नि	

द त न त न ना द्रे त.नों त न न दे रे त
३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	ग रि स रि स.ऽ	स स स स
मन्द्र		प नि प प नि

दा नि . त दीं दीं तों त न न ग त न न
२ १ २ ३

तार		
मध्य	स स म ग	प ध प म ग म ग रि स
मन्द्र	नि	

न न न न न त द रे दा नि ता रे दा नि
२ १ २ ३

तार		
मध्य	रि सं म ग म ध़. ४	प प प प प ध प
मन्द्र	नि	

ह त न त न ना द्रे   ना दी र दी र त न
२   १   २

तार	स सं सं सं	सं सं
मध्य	म ग ग म म प नि	नि
मन्द्र		

न दि र दि र त दीं तों त न न तों त न
३ २   १

तार	ग ग रि सं रि सं सं	सं
मध्य	नि नि ध प प	नि
मन्द्र		

न न तों . त द रे त द रे दा नी त न
२   ३   २   १

तार	
मध्य	धु पु मु गु रि सु सु मु गु • मु पु पु •
मन्द्र	

न न न न न न त घ डां त घ डां न
२ ३ २

तार	सु सु •	
मध्य		नि धु धु • पु मु मु • गु रि सु
मन्द्र		

घ डां त घ डां • क डां • धा •
१ २

राग मुलतानी नं. २२.
ताल झुंबरा.

तार		सु रि • सु
मध्य	मु गु • मु	पु प • मु पु • प नि
मन्द्र		

ऐ • सी क व • • नं ल • • ग
१ २

तार	स रि रि स स स ग रि
मध्य	नि नि नि ध प१ प नि
मन्द्र	

दे स ग ई . ल . . वा . वा इ की ख ब
२   ३   २

तार	स॰ऽऽ स स रि स
मध्य	नि नि नि ध ध म प॰
मन्द्र	

री या . . . . मो हे मे गा . .
१   २   ३

तार	
मध्य	म ग॰म ग॰म ध ग॰म ग रि स स॰४
मन्द्र	नि

दे , रे . . . . . भ व रो . .
२

राग भीमपलासी नं. २३.

इस रागमे ग, नी अतीकोमल आरोहमें रे, ध वर्ज
बाकी सब शुद्ध स्वर.

---:०:---

ताल तीनताल

---:०:---

तार		
मध्य	ग म प नि प प म ग • रि स रि	स म
मन्द्र	नि	
	ढो . . . ल न मे . रे . घर	आ वे
	३ २	१ २

तार		
मध्य	ग • ४ प म प • म ग • म • ४	प म ग म • प
मन्द्र		
	• सो . . ना . .	मिया . . मै
	३ २	१ २ ३

तार	सुरि सु	
मध्य	नि नि पुनिपुमप	गुगुमगुरि
मन्द्र		

. . . भी तें . दी . . . स द की जा .
२ १ २

तार	
मध्य	सुगमपनि धुपमगु . रिसुरि
मन्द्र	नि

ऊ ढो . . . ल न मे . रे . घ र
३ २

तार	स.ऽ	
मध्य	T.गुमुपु निधप	मगमुऽगुमुपु
मन्द्र		

मु ख दी खा त म दी व . . स दा रं
१ २ ३ २ १ २

तार	स म ग रि स	
मध्य	नि नि	ध प म ग म
मन्द्र		

गी ली ह र स जी न पा वि . वे .
३ २ १

राग भीमपलासी नं. २४.

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	स रि स स म ग ऽ स ग स	प म ग ऽ स
मन्द्र	नि	

स खी मा न त ना . हो लं ग र वा . धी
३ २ १ २

तार	स रि स	
मध्य	स ग म प नि नि प म	म ग . म
मन्द्र		

ट पे सो ब र जो री क र त मै का . .
३ २ १

तार		
मध्य	नि प	म ग • म ग • म नि प • ग रि
मन्द्र		

ब मै का • • • है क • रु •
१ २

राग भीमपलासी नं. २८.

ताल तीनताल.

तार	सा	
मध्य	प नि • ध प म प म ग • सा सा	ग म ग
मन्द्र		

मि ल जा • ना • • रा • म पि या • •
३ २ १

तार		
मध्य	म प प • ४ ध म प ग म • १ ग म	प नि
मन्द्र		

• • रे नै • • ना • त र से •
२ ३ २ १ २

तार	सु रि सु
मध्य	॰ पु नि पु नि नि पु मु गु मु पु नि
मन्द्र	

ते रे दे . . . ख न को . . . . .
३ २

तार	सु रि गु रि सु	
मध्य	पु नि नि धु पु मु पु	ा पु पु
मन्द्र		

. . . . . . : . . . . . व न
१ २ ३

तार		सु स स
मध्य	पु पु मु पु गु मु	पु नि . नि नि ॰नि
मन्द्र		

प्र मो . द मे . घड़ी . . पु का रु सु
२ १ २ ३

तार	स स स स स	स म ग रि स स रि
मध्य		नि नि
मन्द्र		

त द रे दा नी त न त दा . रे . दा नि
२ १ २

तार	स	
मध्य	नि नि ध प प	प ग म म ग म ग प
मन्द्र		

नि ता रे दा नि ता रे दा . नि त द रे त
३ २ १ २

तार		
मध्य	म ग रि स	
मन्द्र		

द रे दा नि
३

गौड मल्हार नं. २७.

इस रागमें दो निषाद एक शुद्ध दुसरा अति कोमल.

ताळ तीनताल.

तार		
मध्य	प म . ग रि ग स ग म	ध म प म ग रि
मन्द्र		

व ल्ना . . . ब हा र आ . . इ . .

३ २ १ २

तार		
मध्य	ग १ म रि . प प प प प	४ नि ४ नि प प
मन्द्र		

. दा . द र मो र प पै . या पि

३ २ १ २

तार	
मध्य	रि ग म प ध प म ग रि ग ४
मन्द्र	

ना . . . . . . ई .
१ २

राग गौडमल्हार नं. २८.

ताल तिनताल

तार		
मध्य	प ग म रि रि स	रि ग म ध प म
मन्द्र	नि नि	

सु रं ग चु न री या . रे . हो रं . गा
३ २ १ ०

तार		स
मध्य	ग रि ऽ म रि . प प	म प ध नि ध प
मन्द्र		

. . प्या . रे रो रे . . . . ब ल्या
३ २ १ २

तार			
मध्य	म ग रि ग	प ग म रि रि स	रि ग
मन्द्र		नि नि	

मै . . को सु रं . चु न रो या . दे .
३ २ १

तार	
मध्य	म ध प म ग रि म प ध नि प प प
मन्द्र	

वो रं . गा . . य हो ला . ल मै .
२ ३ २

तार	स
मध्य	प नि . ध नि नि नि प म नि
मन्द्र	

पै रों . गी . रे . स रे स
१ २ ३ २

तार		स स
मध्य	ग म प	ध नि नि ध प स प म म
मन्द्र		

. ध र नी . . . . की . . ल गा .
१ २

राग खारवा नं. २१.

रे, अतिकोमल म, तीव्रतर ध, कोमल प, वर्ज
बाकी सब शुद्ध स्वर.

ताल तीनताल.

तार		रि
मध्य	स रि ग म न ग	म ध नि ध म
मन्द्र	नि नि	

कौ . . की री त की . क रे . स ख .
३ २ १ २

तार		
मध्य	म॒ ग॒ रि॒ ग म ध ग म॒ ग॒ रि॒ रि॒ स	
मन्द्र		म नि

. . . . पि य र वा जो को

३ २ १

तार		
मध्य	स॒ स॒ स॒ ॰४ रि॒ रि॒ ग म॒ ग॒	म म म
मन्द्र	ध॒ ॰ नि	

. क रि यो सो अ प ने . . . .

२ ३ २ १

तार	
मध्य	ग म॒ ग॒ रि॒ स१स रि॒ ग म॒ म॒ ग४
मन्द्र	नि नि॒

. म न की . को . . की गी त को .

२ ३ २

तार	स स स स स स स स स स स स स
मध्य	म ध
मन्द्र	

हो व दी न त न रं ग तु म को म ह र दा
१ २ ३ २ १

तार	स स स रि रि
मध्य	नि नि नि ध नि नि ध म
मन्द्र	

न स ब के . . . .
३ २

तार	
मध्य	ध ध म ग म म ग रि स स रि ग
मन्द्र	नि

. . . . ये . स दा
१ २ ३ २

तार		
मध्य	नि नि ध म ग रि स • ४	
मन्द्र		

ः ग भ र सा . ये
१ २

राग मारवा नं. ३०.
द्रुत तीनताल.

तार		रि
मध्य	रि	ग रि ग म ध नि ध म ग रि
मन्द्र	ऽ नि	

मा रु क व न का ज क व न ग त ब
१ २ १

तार		
मध्य	रि स स ऽ स • ४ स	रि रि ध
मन्द्र		नि नि नि • ४

ली यां मा प पे . . ब ढा ये .
२ १ २ ३ २

तार	
मध्य	म ग रि स रि ग ग रि स स रि
मन्द्र	नि नि नि

ग त च ली यो . . . . मा रु
१ २ ३ २

तार		स स स स
मध्य	म म ध म म म ध म	ध नि
मन्द्र		

अ न र स त न र स स दा रं गी ले मा
३ २ १ २ ३

तार	रि ग ग ग रि ग रि	
मध्य	नि	ध म ग रि रि
मन्द्र		नि

रु दे . . . . स ग ई ल वा . . .
२ १ २

तार		
मध्य	ग म ध ग म ग रि स ०	
मन्द्र		

. . . .
३ २

राग मारवा नं. ३१.

ताल तीनताल

तार		
मध्य	रि रि ग म	ध म ध ध . ध म ग रि म
मन्द्र	नि	

बो ल न बि न क ब . हूं च . . . न
२ १ २ ३

तार		
मध्य	म म ग म ग रि स	स ग रि .
मन्द्र	नि	नि ध ध नि

. . . . न ही प र त . पि य र . .
२ १ २

तार		
मध्य	स ० स स स ध म	ध ध म ध म ग रि रि ग
मन्द्र		नि

वा जो चा हे . र स आ . . . .

३ २ १ २

तार		स
मध्य	म ध ध ध म ग रि स रि रि ग म	ग म ध
मन्द्र	नि	

. . . वे मा . . . बो ल न बि न औ र न से

३ २ १ २

तार	स स स स रि	
मध्य	नि नि ध म ध म	ध म ग म म
मन्द्र		

तु म भ ला . . ई पी त क रो . म न के .

३ २ १

तार	रिग	रि ग
मध्य	म ग म ग रि स रि ग म ध	
मन्द्र	नि	

. . . रं गी ले   ह मे बो ल न सो . ना .

२   ३   २   १

तार	ग रि
मध्य	नि ध म ध नि नि ध म ग रि स ऽ
मन्द्र	

. . . .

२   ३

राग मारवा नं. ३२.

ताल ठाय तीनताल

तार		
मध्य	स	रि ग म ध म . ध म . ध म . ग रि
मन्द्र	नि	

पि या . मो रे आ . . . . . न .

२   १   २

तार		
मध्य	स स स स स स रि	
मन्द्र	नि	नि ध नि ९ ९ नि

. द दे स ग ई ल . वा . . ना

३ २ १ २

तार	
मध्य	रि म म म ग म ग रि स रि ग ग रि
मन्द्र	९नि

जा नू . . . . . क व . लो . . . .

३ २

तार		
मध्य	स स	स ध म ध स ग रि . स ९
मन्द्र	नि	नि ध . नि

. . आ . . . . व . ई

१ २ ३

तार		स स॒॰·स॒॰ स॰ स॒॰
मध्य	स॒॰ रि॒॰ ग॒॰ म॒॰	।॰ म॒॰ ध॒॰ नि
मन्द्र	नि॒॰	

पि या . मो रे   उ न की द र स . .

२ १ २ ३ २

तार	स॒॰ स॒॰ स॒॰	स ꓕ ᐟ स॒॰ स॒॰ स॒॰ स॒॰ स॒॰ रि
मध्य		नि नि
मन्द्र		

दे ख वे को   अ खि या त र स . .

१ २ ३ २

तार		स॰ ऽ स॒॰ · स॒॰ ·
मध्य	ध॒ म॒ म॒॰	रि ꓕ ᐟ ग॒॰ म॒॰ ध॒॰ नि
मन्द्र		

ग . . ई   उ न की दे . . ख

१ २ ३ २

तार	रिं रिं रिं	
मध्य	नि	सं गं रिं • सं ९
मन्द्र		९नि धं • निं

• • मो हे मा • • • व • ई
१ २ ३

राग पुर्वी नं. ३३.

रे, ध. अतीकोमल दो मध्यम शुद्ध म के लीये निशानी होगी,

ताल तीनताल.

तार		
मध्य	ग ग म म ग रि ग म	प ध प म ग म ग
मन्द्र		

क ग वा • बो • ले • मो • री अ ट री या
३ २ १ २

तार		
मध्य	ग • म ध म ग	रि रि ग रि रि स स
मन्द्र		नि

आ . ट री या स गु . न्थ ई ल वा स
३ २ १ २ ३

तार		रि
मध्य	रि ग म प प म ध	नि ध म प ध प
मन्द्र	नि •	

खे री उ र भु ज फ र क न ला गें . . .
२ १ २

तार		स स स स स स
मध्य	ग ग ग ग म ध म ध	
मन्द्र		•

आ व न क रो तु म . मो रे पि य र वा
३ २ १ २

तार	१ सं सं सं स स	सं सं
मध्य		नि़ नि़ ध़ नि़ म़ ध़ ग़
मन्द्र		

डा रु ग ले फू ल न कों . ह र वा . स
३ २ १ २ ३

तार	सं	रिं
मध्य	ग ग़ म़ ध़ नि़	म़ ध़ नि़ ध़ प़ म़ प़ ध़ प़
मन्द्र		

के रो उ न प र त न म न वा . रो . . .
२ १ २

राग पुर्वी नं. ३४.

ताल द्रुत चारताल

तार		
मध्य	ग़ रि़ ग़ स रि़	रि़ ग प़ प़ प़ ध़ ध़ प़ ध़
मन्द्र		नि

त न न तों त ना . तो त न न न न न न
३ २ २ १ २ २ ३ २ २

तार	
मध्य	धु नि नि नि नि धु पु मु धु मु मु गु गु रि
मन्द्र	

तुं दी र दी र त न न त न न न दे रे
१ २ २ ३ २ २

तार		
मध्य	गु मु धु मु ग ग रि रि गु रि गु स रि	मु धु
मन्द्र		

धित्लां . तु दि र दि र त न न तों त ना दि
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	स स स स स स स स स स स स
मध्य	धु मु मु
मन्द्र	

र दि र तुं दि र दि र दि र दि र दि र दि
३ २ ३ २

तार	स स स स स	रि ग रि स स स स स
मध्य		नि नि
मन्द्र		

र दि र दि र धि त्लां . तुं दि र दि र धि त्लां
२ १ ३ २ ३

तार	रि	
मध्य	नि ध ध प प	म ध नि ध प प म म
मन्द्र		

. तु दि र दि र धि त्लां . तुं दि र दि र
२ २ १ ३ २

राग पुर्वी नं. ३८.

ताल तीनताल

तार		
मध्य	म ध म ग रि स	रि ग ग . म रि ग स
मन्द्र		नि

आ . ना वे मि ल जा ना . वे . . . सा
३ २ १ २ ३

तार	स रि		
मध्य	नि निध	म म ग॰म रिग	म म ध
मन्द्र			

गी दे . स खी गा ना बे . . . चं द न

२ १ २ ३

तार	स स स स स
मध्य	नि निध निधमधमगमग
मन्द्र	

को ट का बं ग ला चु ना बे ता . . प र प लं

२ १ २ ३

तार	रि		
मध्य	नि धम॰मग.मरिग		
मन्द्र			

ग बि छा . ना चे . . .

१ २

राग पुर्वी नं. ३६.
ताल तीनताल.

तार		
मध्य	रि ग म ग रि स स	रि स ऽ
मन्द्र	नि नि	नि नि

र धि बेचन् भै ना जा बुं गी सै . या मो
३ २ १ २

तार		
मध्य	रि ग ऽ म ध म	ग रि ग रि स स प प
मन्द्र	नि	

रा सैं या रे , ग वा . . ल न . क ल
३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	प प प म प ध प म ग	रि ग ग म र . ग रि
मन्द्र		

न प र त . . . मो से क र त रा . . र
२ १ २

तार		
मध्य	म नि ध नि ध म	ध म म ग म रि ग ग
मन्द्र		

द हि द हि क र दो . र द वा . वे ह
३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	ग ग म ध म	ग रि स रि स ग ग ग ग
मन्द्र		नि

म दे खे . बो मु स क्या . . वे ह म री म
२ १ २ ३

तार	स		
मध्य	म ध नि	नि ध नि ध म ग	
मन्द्र			

मा ने क्यो . कि स न मु रा री
२ १ २

———

श्री राग नंबर ३७.

इस रागमें रे, ध, अतिकोमल म तिव्रतर बाकीके
सब स्वर शुद्ध लगते है.

ताल बिलंबीत तीनताल.

तार		
मध्य	॰ ग स रि स ॰ स	रि प ॰ ऽ ध म ग रि स.
मन्द्र	नि	

ग ज . . . र वा बा जो . . . ही
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य		रि ऽ ऽ रि ग म ध म ग रि
मन्द्र	ऽ नि ध	नि नि

बा जो बा . . . . . . ओ रे .
१ २ ३

तार		
मध्य	स॰ऽ॰ग स रि स॰स रि	प॰ऽ॰ऽ॰म
मन्द्र	नि	

. ग ज . . . र वा वा . . घ

२ १ २३

तार	स स स स॰ स स	स॰॰ रि ग रि
मध्य	ध नि	नि
मन्द्र		

. प ल छां न . . मा इ यो . . बी

२ १

तार	स रि रि रि स रि
मध्य	नि म ध ध नि नि॰ध नि
मन्द्र	

. त त हुं . आ . छो . . . . जा .

२ ३ ६ २

तार		सृ रिृ रि रिृ रि
मध्य	म ध ॰ ऽ	स नि नि निृ ध धृ
मन्द्र		

मे ॰ का ॰ म की ये ॰ ॰ ॰ को ॰ न
१ २

तार		
मध्य	रिृ रिृ रि ग रि स ऽ सृ ४	
मन्द्र	नि	

म ई ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ ॰
३

श्री राग नंबर ३८.

ताल तीनताल

तार		सृ रिृ स ऽ सृ
मध्य	ऽ रिृ मृ धृ नि	नि नि निृ धृ प
मन्द्र		

ये री हुं तो आ स न गै ली पा स न गै
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	प . प म	ध . म ग रि ग रि स ९ स स रि
मन्द्र		

. ली . . लो . . . ग बा ध रे .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	स स	स प म ध म ग रि ग रि स ४ रि म
मन्द्र	नि	

. . मै का . . . ना . . . बा . ये री
१ २ ३ २

तार		स स स . स स	स . ४
मध्य	ध नि	T ९ म ध नि	९ नि
मन्द्र			

हुं तो ज ब ते पि या . . प र दे
२ ३ २ १ २

तार	रि ग ग रि रि स स ऽ	स रि रि
मध्य	नि नि ध	प ऽ प नि
मन्द्र		

स ग व न . . . . कीनो . दे हे री न दी
३ २ १ . २ ३

तार		
मध्य	नि ध प प प .	प ध म ग रि ग रि स . ४
मन्द्र		

. . . नो . . . पा . . . वा .
२ १ २ ३

राग भीमपलाशी नं. ३९.

इस रागमें रे, ध, आरोहंमे वर्ज ग, नी, अतिकोमल
बाकीके सब स्वर शुद्ध लगते है.

ताल बिलंबीत तीनताल.

---:o:---

तार		
मध्य	॰सु सु सु	म • गु गु मु पु पु • नि मु पु. I
मन्द्र	नि	

बा . . ल म . . त र गै . या .

१ २ ३

तार		
मध्य	मु गु रि गु रि	सु • ॰ रि रि रि सु • ग रि सु
मन्द्र		नि

. . . . र दी र . ख . . . नु .

२ १ २ ३

तार			सु स सु
मध्य	॰ रि रि	॰ म पु	नि • नि
मन्द्र	नि ध नि पु ४		

वे . . . . . क र्म दा . . नी भ

२ १ २

तार	
मध्य	नि . प म प ग म प प म ग रि स ०स
मन्द्र	नि

. ला . . आ . . वे . . . . . वा .

३ २

तार		
मध्य	स स	म . ऽ . प प प . म . ध प ग म ०प
मन्द्र		

. ल म का हु के . सु . धा . वा

१ २ ३ २

तार	स स	स स रि रि स स
मध्य	नि .	नि नि ०नि नि
मन्द्र		

री . . वे अ नु वे की सू . दा नी .

१ २

तार	सु स ऽसुमुगु.
मध्य	निधपऽमुपु नि. नि.
मन्द्र	

वे . . मू . झे . . . बे नी .

३ २

तार	रिसु सु.
मध्य	नि निधपुसुपपगमुपुमग
मन्द्र	

मा . नी . दा . . आ ला वे . . . . .

१ २ ३ २

तार		
मध्य	रिसुऽसु सुसु	
मन्द्र	नि	

. . बा . . ल

श्रीराग–धृपद नं. ४०.

ताल द्रुत चारताल.

तार		
मध्य	रि रि रि रि रि रि ग रि . स स स	रि प प
मन्द्र		

ग ण प ती ग ण रा . ज धुं डि रा ज म
१ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार		
मध्य	प म . ध म ग रि स	रि रि स स स स स
मन्द्र		म ध

हा . . रा . . ज चिं ता म णि मो रे . श्व र
२ ३ २ २ १ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	रि प प प म ध नि ध म ग रि	म म ध नि
मन्द्र		

या वि ण ना . ही . का . . ज अ का र उ
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार	स स रि स स	स रि रि रि ग रि ऽस
मध्य		म ध नि
मन्द्र		

का र म का र तु झी शुं . डा अ नि वा . र
३ २ २ १ ३ २ ३ २ २

तार	रि	स
मध्य	नि नि ध प प म ध प	म ध नि ध नि
मन्द्र		

ब्र ह्म वि ष्णु म हे . श हे त री तु झे . चि
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार			
मध्य	ध प ध म ग रि	रि रि प प प प ध प	म ध
मन्द्र			

अ व ता . . र त्रि गु णे तू गु णा तां त ना म
३ २ २ १ ३ २ ३ २ २ १ ३

तार	स रि	
मध्य	नि नि ध प प	प प प प प प प ध प
मन्द्र		

रु . पा त्रि र हि त पु रु ष ना म प्र कृ ती त
२ ३ २ ३ १ ३ २ ३ २ २

तार	स स रि	स
मध्य	म ध नि नि ध म ग रि	म ध नि
मन्द्र		

अं त ना . ही हा . . . . . स च्चि दा .
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार	रि रि रि रि		
मध्य		रि रि प प प प प ध प ·४ म ध	
मन्द्र			

नं द दे वा आ दि अं त तु ला च ठा वा दा स
३ २ २ १ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार	सु	
मध्य	नि नि ध प ध	प॰ रि रि प ध म ग रि सु
मन्द्र		

क्षणे व र द भा वा कृ पा . ह री हा . . .
३ १ २ १ ३ १ ३ १ २

श्रीराग सुरफाकता नं. ४१.

तार		
मध्य	रि रि रि रि रि ग रि॰ स	रि रि स
मन्द्र		नि ध नि॰

भि मा शि व सं . श्रा म शुं शा र है . या
१ ३ १ २ २ १ ३ २ २ ३

तार		
मध्य	रि रि प प ध प प	ध प ध प ध प म ध
मन्द्र		

प द क्रा म प्रा लि द प र हा त अ त शुं ज
१ ३ २ २ ३ १ ३ २ २

तार		सं सं	
मध्य	नि नि	म ध नि नि ध प प	म ध सं
मन्द्र			

. र म हा . वी र र ण भु मि अ त वि
३ १ ३ २ २ ३ १ ३

तार		सं सं सं सं सं
मध्य	रि स ग रि ० स ० ०	म ध नि
मन्द्र		

क म है . या अ त भु ज प द का म
२ २ ३ १ ३ २ २ ३

तार	रि ग रि सं	सं सं
मध्य	नि नि नि ध प	म ध नि
मन्द्र		

ग ज ग त बि दा . र न अ घ . चि त
१ ३ २ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	नि ध प प	म ध म ग रि स ग रि . स .
मन्द्र		

खं . ड न अ त वि . क्र म है . या

२ २ १ ३ २ २ ३

श्रीराम

गांधर्व महा [illegible]

विष्णु दिगंबर पलुस्करजीनें संगीत विद्यापर

आज तक जो किताबे लिखे हैं उनके नाम और किंमत

क्रमिक (*Series*) पुस्तकें.

		भाग	रु.	आ.	पै.
बालोदय संगीत.	(हिंदी)	१	०	२	०
,,	(मराठी)	१	०	४	०
महिला संगीत.	(हिंदी)	१–२	०	६	०
संगीत तत्वदर्शक.	(हिंदी)	१	०	८	०
अंकित अलंकार.	(हिंदी)	१	०	८	०
संगीत बालप्रकाश उरदू और हिंदी.		१–३	२	४	०
स्वल्पालाप गायन.	(हिंदी)	१–४	५	०	०
संगीत बालबोध.	(हिंदी)	१–४	६	०	०
,,	(उरदू)	१	१	०	०
राग प्रवेश.	(हिंदी)	१–१७	१७	०	०
व्यायामके साथ संगीत.	(हिंदी)	१–२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग १ ला राग बिहाग २ रा		...	...		...
कल्याण ३ रा भूपाली ४ था भैरव ५ वा		...	...		...
मालकंस. ...	...	...	१०	०	०
मृदंग और तबलेकी पुस्तक	(हिंदी)	...	१	०	०
सतारकी पुस्तक	(हिंदी)	१–२	३	०	०

॥ श्री गुरु दत्त प्रसन्न ॥

संगीत बालबोध.

(पंचम भाग.)

संपादक, मुद्रक और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्युझिक, प्रिन्सिपॉल.

गांधर्व महा विद्यालय, द्वारा रचित.

सन १९२६.

प्रती ५०० मूल्य २ रुपये.

...ग प्रेस,- श्रीराम-नाम-आधर आश्रम, पंचवटी नाशिक.

क्रमिक (Series) पुस्तकें.

गांधर्व महा विद्यालयके संस्थापक श्रीमान पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्करजीने संगीत विद्यापर भारतीय लेखन पद्धती मे आज तक जों किताबे लिखे हैं उनके नाम और किंमत.

		भाग	रु.	आ.	पै.
बालोदय संगीत	(हिंदी)	१	०	२	०
,,	(मराठी)	१	०	४	०
महिला संगीत	(हिंदी)	१	०	२	०
,,	(हिंदी)	२	०	४	०
संगीत तत्वदर्शक	(हिंदी)	१	०	८	०
अंकित अलंकार	(हिंदी)	१	०	८	०
संगीत बालप्रकाश	(हिंदी)	१	०	८	०
संगीत बालप्रकाश	(हिंदी)	२	०	११	०
संगीत बालप्रकाश	(हिंदी)	३	१	०	०
स्वल्पालाप गायन	(हिंदी)	१	१	०	०
स्वल्पालाप गायन	(हिंदी)	२	१	४	०
स्वल्पालाप गायन	(हिंदी)	३	१	८	०
स्वल्पालाप गायन	(हिंदी)	४	१	४	
संगीत बालबोध	(हिंदी)	१	१	८	
संगीत बालबोध	(उरदू)	२	१	०	
संगीत बालबोध	(हिंदी)	३	१	८	
संगीत बालबोध	(हिंदी)	४	[illegible]	[illegible]	०
संगीत बालबोध	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	०

प्रस्तावनिका.

इस **संगीत बालबोध पंचम भाग** बनानेका उद्देश यह है गानके योग्य जो प्राचीन गायक वर्गोंमें प्रचलित गान उपयोगमे आते है उसकी वाक्फियत होवे तथा गायन प्रेमी सज्जनोंको अलग २ रागोंमे गानेके लिये उपयोग होवे इस लिये चीजोका उपयोग होवे तथा खुदको और दुसरे सुननेवालेको आनन्द होवे इस लिये इस भागको प्रकाशित किया है. उमेद है कि इसे गायक लाभ लेंगे।

भयदीय,

विष्णु दिगंबर.

ता. २५-९-२६.

॥ शुभम् ॥

पुस्तक मिलने का पता

इस ग्रंथ को समजने के लिये " भारतीय
लेखन पद्धती " यह पुस्तक पढना चाहिये.

अनुक्रमाणिका.

राग चेती गौरी नं. १.

इस रागमें रे, ध, अतिकोमल और दो मध्यम बाकी सब
शुद्ध स्वर म, तीव्र के लिये निषाणी होगी.

ताल ख्याल.

—:o:—

वो जो गइली आली खली ती कछुं जान्यो नहीं ॥ मुरली की टेर सुन मेरी मत बोर ही या वो जो गइ ॥ अंतरा ॥ हरबिन है रानी बेखानी री आली ॥ चित्र बन अष्टो जामे तेरी बीन दामे किया ॥ १ ॥

तार	सु गु रि सु	स .४
मध्य	९ सु नि ९ नि धु.	नि धु
मन्द्र		

वो . जो . ग इ . . ली . आ
२ १

तार	सु
मध्य	पु धु पु . धु पु . धु म . ४ पु धु नि धु पु
मन्द्र	

ली . . . . खली ती क छु जा
२ ३ २

तार	स॒ • स	स रि ग रि • स स॒
मध्य		ध नि नि॒ नि॒
मन्द्र		

. नी बै खा नो री . . . आ . .
१ २

तार	स	स स स॒
मध्य	ध प • ध॒ म • प॒ ध॒ नि	नि॒
मन्द्र		

ली . . . चि त्र ब . न आ शो .
३ २ १

तार	रि स	स
मध्य	नि॒ ध॒ • प ध स • म ध॒	
मन्द्र		

. जा . . मे . . ते . री
२ ३ २

तार		
मध्य	नि ध प	ध प ऽ ध प • ध म ऽ म प • म
मन्द्र		

बी न दा मे . . . . . . की . .

१ २

तार	
मध्य	प • ऽ म ग • म रि ऽ ५ स स रि •
मन्द्र	

. . . . . . या . .

३

राग कल्याण न. २.

इस रागमे म, तिव्रतर लगता है और बाकीके सब शुद्ध स्वर.

ताल एकताल.

——:o:——

जीयो करो कोट बरसलो जामे आत सुख पायाँ ते हारी धामे ॥ धृ ॥ जियो०॥ अंतरा ॥ तोग आत्र बाग् ब दौलत् खुदा बाहाके मद्दु मद् आले हो सलामे ॥

तार		
मध्य	नि नि ध म प प ग प • ४	ग रि • ४ स
मन्द्र		

जी • यो • • क रो • को • ट
२ २ १ २

तार		
मध्य	रि ग ग • रि स	रि ग रि स
मन्द्र	नि नि ध	० नि

ब र स लो • जा मे • आ त सू ख पा
२ ३ २ २ १ ३ २

तार		
मध्य	रि स I रि • ४	ग रि
मन्द्र	नि नि ध प नि ध • नि	

• • • यो ते हा • • री • धा •
३ २ २ १

तार		
मध्य	ग रि स • ऽ	नि नि ध म प प ग प • ऽ
मन्द्र		

. . मे जी . यो . . क रो .
२ ३ २ २

तार	स स	स ऽ स
मध्य	ऽ ऽ ग म ध	नि नि ध ध
मन्द्र		

तो रा . आ म्र बा ग् ब दौ . ल
१ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार	स रि रि स स स
मध्य	नि नि ध नि ध म प • प
मन्द्र	

. . . . त् खु दा . . . वा
३ २ २

तार	
मध्य	नि ध नि ध म प म ग . ग ग रि ग रि
मन्द्र	

हा . . के . . . . म हुं . . .
१ . ३ २ ३ २

तार		
मध्य	स स	रि ग म नि ध प ध नि ध प म
मन्द्र		नि

म द आ ले हो स . . ला . . . . .
२ १ ३ २

तार		
मध्य	ग रि स स १·४	
मन्द्र	नि	

. . . . मे
३

———

राग कल्याण नं. ३.

ताल तीनताल.

---:o:---

लंगर तोरे कजिनची होरी मोरि घगरिया भारी॥ आबदेऊ गारी ब्रिजनारी निरख निरख हस हस देत मोहि गारी ॥धृ०॥ ॥ अंतरा ॥ तुम तो महा धीट पी अत तन लागोइ आवत धावत अत बार बार मइ सन हेरत हेरत हो लाज न माने जात हो ब्रिज नारी ॥

तार		
मध्य	स रि ग रि स स रि	स स रि ग
मन्द्र	नि नि	ध ४

लं ग र तो रे क जी न ची हो री मो री घ
३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	ग ग ग प ध म प म	रि रि ग रि स
मन्द्र		नि नि

ग रि या भा . . . . री आ ब दे ऊ गा री
२ १ २

तार		
मध्य	ग रि स	स स
मन्द्र	नि	ध नि ध नि ध प ध ध

श्री ज ना री नी र ख नी र ख ह स ह स
२ १ २ ३

तार			
मध्य	रि रि	रि ग रि	स रि ग रि स
मन्द्र	नि नि		नि नि

दे त मो हे गा . री लं ग र तो रे क जी
२ १ २ ३ २

तार		स स स स स स स स
मध्य	स रि	ग ग प प
मन्द्र		

न ची तु म तो म हा धी ट पी आ त त न
१ २ ३ २

तार	ऱि गु ऱि ऱि सु सु
मध्य	नि नि धु नि धु पु पु पु नि
मन्द्र	

ला . गो ई आ . व त धा . व त आ त बा
१ २ ३ २

तार		
मध्य	धु नि धु पु मु पु पु पु [1] ऱि . [2] ऱि ऱि पु गु . पु पु	
मन्द्र		

. . र बा . . र मै . स न हे . र त
१ २ ३

तार	सु सु	स गु गु ऱि सु ऱि स
मध्य	धु . नि	धु नि धु
मन्द्र		

हे . र त हो ला . ज न मा ने जा . त
२ १ २ ३

तार			
मध्य	म ध प म	ग रि . ग रि	
मन्द्र			

हो . श्री ज ना . . री
२ १ ३

राग छाया केदार कल्याण न. ४.

इस रागमे दो मध्यम म, तिव्रतरके लिये निषाणी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर.

ताल एकताल.

:o:

कैसे दरस परस दे तुम सुघर चतुर सुरजन प्यारे को मोहे तो डर है सासन नंदका निसदीन घरी पल छीन ये मोरी माई ॥ ध्रु० ॥ मोहे ता नीतलगी रहत बीन देखन दुघर भैला आब काहा कीये नीत लगत धरत ये मोरी माइ ॥

तार	
मध्य	रि ग रि ग . रि स रि स स .
मन्द्र	नि नि नि प

कैसे द र . स प . र . स . .
३ २ २

तार	
मध्य	स स
मन्द्र	ध नि ध प प • ध ध प • ग • प ध

• दे • • तुम सुघ र च तु र सु र
१ ३ २ ३ २ २ १

तार	
मध्य	स स स • स ० स स स स रि • ग ग ग
मन्द्र	नि

ज न प्या • • रे को मो हे तो ड र है
३ २ ३ २ २

तार	
मध्य	ग ग ग ग रि प ऽ म ग ग ग ऽ म
मन्द्र	

सा स न नं • द • • को नी स
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	प नि ध नि ॠ ध प ग रि स	स ग ग रि स
मन्द्र		

दी न . . घ री प ल छी न ये . . .

२ २ १

तार		
मध्य	रि ग रि¹ म . ग रि स . ४	रि ग रि
मन्द्र	नि²	नि

. मो री मा . . . इ के से द र

३ २ ३

तार		
मध्य	ग . रि स रि स¹ स .	४ . । प प
मन्द्र	नि नि प²	

. स प . र . स . . मो हे

२ २ १३२३

तार	स स स स	स रि • स स स
मध्य	नि ध •	ध नि
मन्द्र		

तो . नी त ल गी र ह त बी न दे .
२ २ १ ३ २ ३

तार	स • स रि स स •	
मध्य	नि ध प प	ग रि ग ग ᐃम
मन्द्र		

. स्व न दू . . ब र भै ला . आ ब का
२ २ १ ३

तार	स१ स	
मध्य	ध ॰ प प२ ध प ध प ध प ग ग ॰ग ग	
मन्द्र		

हा क री . ये नी त ल ग न ध र त ये .
२ ३ २ २ १

तार	
मध्य	रि सु रि गु रि[1]मु • गु रि सु • ४
मन्द्र	नि[२]

• • • मो री मा • • • इ
३ २

राग कल्याण नं. ५.

इस रागमे मध्यम तीव्रतर बाकी सब शुद्ध स्वर.

ताल खयाल.

—:o:—

तीला नाद्रे दीं दीं तनन देरना तनाद्रे दानी तीलानाद्रे ॥ धृ०॥ दर्दे दादर हे दरी गोयंदबीर हे मीतवा बेदरा इपीर गोसे रहे ॥

तार		
मध्य	०रि सु सु रि	गु रि • ग • ०गु रि • ग रि
मन्द्र	ध[७]	

ती •ला ना द्रे दीं • • दीं • • •
१ २

तार		
मध्य	स ० ग . रि स . ० स स	स .
मन्द्र	नि ध नि . ध	नि

दाँ त न न दे . . . . . नाँ .
३ २ १

तार	
मध्य	ग ग . ० रि ग रि
मन्द्र	ध . प . ० प प नि नि

. . त ना . द्रे दा . . . .
२ ३

तार			
मध्य	ग रि स	० रि स स रि	× × × नि ध म
मन्द्र		ध	

. . नी ती . लाना द्रे द दें दा
१ २ ३ २

तार		
मध्य	धु मु पु I मु गु	पु ऽ ० म म धु म ० नि
मन्द्र		

. . . . द र हे द री . . गो

१ २ ३

तार	सु	
मध्य	नि धु नि धु मु • I पु ० प मु	ग रि रि
मन्द्र		

. . . . थं . . द . बी . र

२ १

तार	
मध्य	ग रि स ० रि रि गु म ग ० मु धु मु मु •
मन्द्र	

. . हे मी त वा . . बे . . .

२ ३

तार		
मध्य	ग रि रि स	प ग ग. ग रि. ग रि स
मन्द्र	नि	

द रा . . इ पी . र गो . . . से
२ १ २

तार		
मध्य	रि रि ग . ग रि	
मन्द्र	नि नि	

र . . . . हे .
३ २

राग कल्याण नं. ६.

इस रागमे **मध्यम तीव्रतर** बाकीके सब शुद्ध स्वर.

ताल तीनताल.

—:o:—

हाट लंगरमै छांडदेरे मीत् पयिरवा सुरजनु सैंया ॥ धृ ॥
देखत है सब संगकी लुगैय्या बिनछाऊ बैया ॥

तार		
मध्य	० ग ग ग ग ग प ध म प	रि ॰ रि ग ध म
मन्द्र		

हा ट लं ग र मै . . . छां ड दे . रे

३ २ १ २

तार		
मध्य	प ॰ ग ४ ग रि रि स	रि ग रि
मन्द्र	नि	ध ध नि

. मी त् पी य र वा सु र ज नु सैं .

३ २ १ २

तार		
मध्य	ग ग रि स रि ॰ ≋	० ग ग ग ग ग प ध म प
मन्द्र		

या . . . . हा ट लं ग र मै . . .

३ २

तार	सॢ सॢ	
मध्य	पु गॢ · पॢ पॢ प॒ पॢ पॢ धॢ नि॒ ध॒ प॒	गॢ धॢ
मन्द्र		

दे · ख त है स ब सं ग की लु गै य्या बि न
१ २ ३ २ १

तार		
मध्य	पॢ मॢ गॢ रिॢ ग ग रि स रि · ॠ	
मन्द्र		

छी उ बैं · या · · · ·
२

राग भूपाली नं. ७.

ताल ख्याल.

——:०:——

जबहूं जानी नीजा नम जानोगी जबपर देखायन नैनन ॥
धृ०॥ जनमही तब जानोंगी जबतब जवपर देखायन नैनन ॥

तार		
मध्य	ग रि स रि	प[1] रि ग[2] ग ग प ग • प प ध
मन्द्र		

ज ब हूं • जा • • नीं नीं जा • • न •
१ २

तार		स
मध्य	प प • ग रि • स स रि • स ग ग प प	ध
मन्द्र		

म • जा • नौं • • गीं ज ब प र दे •
३ २ १

तार	स रि ऽ स स स • स[1]
मध्य	ध प ध ध[2] प ध प
मन्द्र	

• • खा • • य न नै • • न • न
२ ३

तार			
मध्य	प ग रि ग स रि • स रि ग	ग रि स रि	४ • ४
मन्द्र			

. . . . ज ब हूं .
२ १ २ ३

तार	स स स स	स स स रि • ऽ स
मध्य	१ ग प ध ध •	
मन्द्र		

ज न म ही . . त ब जा नों . . गी
२ १ २

तार	स रि स स ऽ	स
मध्य	ध १ प ग रि २ ग ग प प	ध
मन्द्र		

ज • ब • त ब • • ज ब प र दे •
३ २ १ १

तार	सु रि ऽ स सु सु . स[1]
मध्य	ध पु धं ध[2] पु धु
मन्द्र	

. . खा . . य न नै . . न .

२ ३

तार		
मध्य	पु पु गु रि गु सु रि . सु रि गु	
मन्द्र		

न . . . .

२

राग भूपाली नं. ८.

सुरफाकता

—:o:—

नादको साधे साधकी संगतसो सोच समुज सो चम सप्तसूरनके ॥ धृ० ॥ सुध सुध सीखत गावत गुरुबानी सो कर राख्यो सुन राख्यो अपने श्रवण सो ॥

तार		
मध्य	ग़ ग ग प़ रि़ ॰ ००	स़ स स स रि स
मन्द्र		ध प़

ना द को सा धे   सा ध की सं . ग त सो
१ ३ २ २ ३ १ ३ २ २ ३

तार		
मध्य	स रि ग रि ग स रि ग ग	ग़ ग़ प रि ग
मन्द्र	ध	

सो . च स मु ज सो . च म स म सू र .
१ ३ २ २ ३ १ ३ २ २

तार		स स स स स स
मध्य	प ग़ रि़ स	ग ग प ध
मन्द्र		

. न . के सु ध सु धसी ख त गा व त
३ १ ३ २ २ ३

तार	स स रि[१] स	
मध्य	ध ध . ध[१] प	ग ग प प ध ध
मन्द्र		

गु रु बा नी . सो . . क र रा . . क्यों
१ ३ २ २ ३ १ ३ २

तार		स स स .
मध्य	ग ग प ध	प ध प ग रि स रि.४
मन्द्र		

सु न रा . . क्यों आ प ने श्र व न सो .
२ ३ १ ३ २ २ ३

राग छायानट नं. ९.

इस रागमे दो मध्यम बाकी सब शुद्ध स्वर मध्यम तीव्रतरके लिये निषाणी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर.

ताल झुमरा.

—:०:—

येरी अबगुंदे लावोरी मालनीया नो सोबने केसीस सेरा ॥ ध्रु० ॥ लागी लगन सुलतान सलमकी बनबनी संग लागोने डेरा ॥

तार	
मध्यं	१ प ध ▲ म प म ग म • रि रि स • ४
मन्द्र	नि

ये • री • आ • • ब गुं • दे

२

तार	
मध्य	स • १ स स स • स स स रि • स
मन्द्र	नि ध २ प नि

ला • • वो री मा • • ला नी • • या

१ २ ३

तार		स १ स
मध्य	स • स म ग प ▲ म प •	ध नि
मन्द्र	नि	

• • नो सो ब ने • • के • • सी

२ १

तार	स रि ग रि ग • म रि स •	रि स ० स रि
मध्य	नि	
मन्द्र		

ल ता . . . . न . . स ल म .
२ १

तार	स • . रि स रि स ० स रि
मध्य	नि ध प प प
मन्द्र	

. . की . ब न ब नी सं ग ला .
२ ३ २

तार	स •	
मध्य	नि	ध प प ध म प म ग म
मन्द्र		

. . गो . ने . . . है . .
१ २

तार		
मध्य	रि॒ • रि॒ ग॒ रि॒ ग॒ • म॒	
मन्द्र		

. रा . . . .
३

राग छायानट नं. १०.

ताल ख्याल.

येते कई जोऊ ना सुने पिया हमुने बात रूस जात ॥ वृ०॥ कोन सुले कासे कऊ जावोजी उनीसे कहु तिनके रहे हो बात ॥

तार	स
मध्य	०स॒ स॒ ग॒ रि॒ स॒ रि॒ स॒ ०स॒ प॒ ग॒ • प॒ प॒
मन्द्र	नि॒

ये . . . ते . . . क इ . . जो उ
२

तार	स
मध्य	ध ऽ म प • ऽ प ध ऽ म प • म ग म
मन्द्र	

ना . . . सु . ने . पी . .
१ २ ३

तार		
मध्य	रि • रि ग रि ग म प म ग रि स स	म रि
मन्द्र		

. या . ह मू . . ने . . बा . . .
२ १

तार	
मध्य	स • ऽ रि ग रि ग म प म ग रि रि स
मन्द्र	नि

त रू . . स . . जा . . . . त
२ ३

तार	स
मध्य	९ स स ग रि स रि स ९ स प ग • प प
मन्द्र	नि

ये . . . ते . . . क इ . . जो उ

२

तार	स स स स • स रि ग ग म प
मध्य	९ • ९ प नि
मन्द्र	

को न सु ने . . का से . . . .

१ २ ३ २

तार	म[1] म रि[2]	स स रि • स
मध्य		प • ▲ म प • ध प
मन्द्र		

. . . क . . उ जा . . वो जी

१ २

तार	
मध्य	प १ म ग म रि . २ रि ग ग प ग १ म रि २ स
मन्द्र	

उ नीं . . . से . . . . . . क

३ २

तार		स
मध्य	स रि . स	म म रि स स प ग . प प नि
मन्द्र		

. . उ ती न के . र हे . . हो . .

१ २

तार	रि I स रि स	
मध्य	नि ० स रि स .	
मन्द्र	नि	

. . बा . . . त . . .

३

राग छायानट नं. ११.

ताल तीनताल तराणा.

—:o:—

तों तननन देरे तारे दानी तों तनन ततदानी रेदानी दानी तदानी। उदतनन देरेना तनन तन देरेना तनन तन देरेना दिर दिर तननन तन तदरे तदारे दानी ॥

तार	सं सं	
मध्य	स ध ध ध प ध म प	रि ग म प म
मन्द्र		

तों . . त न न दे . रे . ता . रे दा .

३ २ १

तार		
मध्य	म रि रि स स स म म रि स	रि ग
मन्द्र	नि नि नि	

. . नी तो . त न न त न त दा नी रे दा

२ ३ २ १

तार		‖ स स स स
मध्य	म ध ∆ म प ग म रि स	‖ प प
मन्द्र		‖

नी दा . . नी त दा नी उ द त न न दे
२ ३ २

तार	स स	स स स स स रि स स स स
मध्य		प प
मन्द्र		

रे ना त न न त न दे रे ना दिर दिर त न
१ २ ३

तार			‖
मध्य	ध ध प प	रि ग रि प म रि स	‖
मन्द्र		नि	‖

न न त न त द रे त दा रे दा नी
२ १ २

राग नटकेदार नं. १२.

इस रागमे दो **मध्यम म**, **तीव्रतर** के लिये निषाणी होगी
बाकीके सब शुद्ध स्वर

ताल ख्याल.

हटकर बैठी राज दुलारी मान भरी तुम ॥ धृ० ॥ एक कहीये तुम मानत नाही छांड हो मान भराई चपल बुद्धी मोहनके संग उठ चली दिया पेकई तूम ॥

तार		स १
मध्य	ध प म म प ध प	नि ध नि . ध प म
मन्द्र		

ह ट क र बै . . ठी रा . . ज दु ला
२ १ २

तार	स १
मध्य	ग १ म . रि २ स १ स रि ग म प ध नि ▲ म २ प
मन्द्र	

. . . री मा . न भ री तू . म . .
३

तार		स • ॰ स स स
मध्य	ध प म म प ध प	××ᴛ प
मन्द्र		

ह ट क र बै • • ठी एक क ही
२ १ २ ३ • २

तार	स • रि	स स रि स •
मध्य		ध नि ध प • ग म ध
मन्द्र		

ये तू म मा • न त ना हीं • छां ड हो
१ २ ३

तार	
मध्य	▲ म प म ग म • रि ॰ स रि ग म ध प
मन्द्र	

• • मा • • न भ रा • • • इ
२

तार	स स॰ स॰स स स रि॰स स
मध्य	प प नि ध नि
मन्द्र	

च पल बू . . द्धी जा मो ह न . के सं
१ २ ३

तार	रि स[1] ı स स	म ग म रि स
मध्य	नि ध[2] प	ध नि
मन्द्र		

. . . . . ग उ ठ . . . . च ली पी या
२ १ २

तार	स रि[1] स स[1]
मध्य	⊿म[2] प ध नि ⊿म[2] प॰४
मन्द्र	

पे क इ . . तू . म . .
३

राग केदार नं. १३.

इस रागमे दो मध्यम, और दो निषाद, म, तिव्रतर और निषाद कोमालके लिये निषाणी होगी बाकी सब शुद्ध स्वर हैं.

ताल ख्याल.

—:०:—

जोगी रावला हरम बिलम रही नित सांज भई आवम न भूल भट कै सो ॥ ये उर जेनीत कोन सरस प्यारे न्यारे दुखको न सैंया खटकसो ॥

तार		
मध्य	० प ध ▲ म प · म म प ·	म म म · रि
मन्द्र		
	जो · · · गी · ·	रा · · ब
	२	१

तार		
मध्य	स · ० स म रि स ० स स म म	प ० प
मन्द्र	नि ·	
	ल ह र म · · बि ल म र ही	नी
	२ ३ · २	१

तार	स रि स
मध्य	नि॰ नि ध प ▲म ध ▲म प म
मन्द्र	

त ॰ ॰ सां ॰ ज भ ॰ ॰ ॰ ॰ इ
२ ३

तार		
मध्य	म म ९ प ध ▲ म प॰	म म म॰ रि रि
मन्द्र		नि

आ ब म ॰ न ॰ भू ॰ ॰ ल भ ॰
२ १ २

तार	स स॰	
मध्य	स प ध॰ नि ▲ म प	९ प ध △ म प॰
मन्द्र		

ट कैसो ॰ ॰ ॰ ॰ ॰ जो ॰ ॰ ॰
३ २

तार		
मध्य	म मु पु॰	⚹ ⚹ T ♀ ▲ मु॰ पु ▲ मु पु धु धु पु
मन्द्र		

गी . .   ये . . . . उ र
१ २ ३

तार		
मध्य	म मु मु॰ प प	ध ᛘ नि ध प ▲ म प पु धु ▲ मु
मन्द्र		

जे . . नी त को . न स र स प्या . .
२ १ २

तार	सु स	
मध्य	प ⵖ मु॰ प धु॰ ध प	मु मु॰ मु धु॰ ⵖ प
मन्द्र		

. रे न्या रे . . दु ख को . . . न
३ २ १

तार	सु सं.
मध्य	म मु रि. स. मु पु पु धु. मुं प
मन्द्र	

सैं . . या खट कसो . . . .
२ ३

राग केदार नं. १४.

ताल तीनताल.

पायल बाजे शोभा राजकी आत भरी कामसो ॥ धृ० ॥
अटल छत्र सब देखो राजा बहादुर लपक झपक पग धरत धरत अत धुम धामसो ॥

तार			
मध्य	०म प पु	धू प मु पु धु पु मु . म	प धु मु
मन्द्र			

पा य ल बा . . . . . जे शो भा रा .
२ १ २ ३ २ १

तार		
मध्य	प ऽ म रि स स • स	स ध प प प ध ध
मन्द्र		

• • • ज की आ त् भ री का म सो • •
२ ३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	प म म प प	स रि स म म प प ध • नि
मन्द्र		

• • • पा य ल आ ट ल छ त्र स ब दे •
२ १ २ ३

तार		
मध्य	ध प ∆म ध प म	म प ध ∆म प म रि स
मन्द्र		

• • • • • खो रा जाँ बा • • हा दू र
२ १ २ ३ २

तार	
मध्य	स़ स़ रि़ स़ स़ स़ स़ म़ म़ म़ प़ प़ प़ ▲म़ प़
मन्द्र	नि़

ल प क झ प क प ग ध र त ध र त अ त
१ २ ३ २

तार		
मध्य	ध़ ▼नि़ ध़ प़ ▲म़ प़ प ध ▲म प म	
मन्द्र		

धू . म धा . म सो . . . .
१ २ ३

राग मालगुंजी (ख्याल) नं. १९.

इस रागमे दो गंधार, एक शुद्ध दुसरा अतीकोमल अतिकोमल ग के लिये निशानी होगी. और निषाद अतिकोमल, बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते हैं.

ताल एकताल.

—:o:—

ये बनुमे चरावत गैया लाल लकुट लीये ए देखो सर मौरज पंकधरे ॥ मोर मुगुट शीस अतक बिराजे संग सखा बिरछन की छैया ॥

तार	
मध्य	ग रि ग म ४ ग रि स रि स रि | ग • रि ग
मन्द्र	नि

ये . . . बनु मे च रा व त गै . .
३ २ २ १

तार	
मध्य	म ० स रि म प ध नि प ध • प ध नि
मन्द्र	

या ला ल ल कु ट . . . . . .
३ २ ३ २

तार	
मध्य	ध प ग म | ० ० रि ग • रि ग म ४ ग रि स
मन्द्र	

ली . ये . ए . . . . दे . खो
२ १ ३ २

तार	
मध्य	स॒ • रि॒ ग॒ म॒ स ऽ ऽ स॒ रि सु रि
मन्द्र	नि नि

. . स र मौ . . . र . ज
३ २ २

तार		
मध्य	स	स॒ स॒ ग • रि ग म ग॒ रि॒ स
मन्द्र		नि ध

. . प . क ध रे . . . ब नु मे
१ ३ २ ३

तार		
मध्य	स॒ • स॒ म म ग रि स स॒ रि॒	ग
मन्द्र	नि नि	

. . च रा . . . . . व त गै
२ २ १

तार		स
मध्य	ऽ रि ग म • १ स	१ ग म नि १ ध २ नि
मन्द्र		

. . या . मो . र . मु गु

३ २ ३ २

तार	स स • स	स • १ स स रि स स ऽ • ४
मध्य	नि	नि
मन्द्र		

ट . . सी स अ त . . क वि

२ १ ३ २ ३

तार	स	
मध्य	नि नि ध म	ऽ ग म • १ ग म नि ध नि
मन्द्र		

रा . जे . . . . . सं . ग . स

२ २ १ ३ २

तार	स॒ • रि॒ स॒	
मध्य	नि॒ नि॒ ध॒ ध॒	प॒ ध॒ • प॒ ध॒ नि॒ ध॒
मन्द्र		

खा . . . बि र ज न की . . . . छै
३ २ २ १ ३

तार	
मध्य	प॒ म॒ ग॒ ग॒ रि॒ ग॒ म॒ • ग॒ रि॒ स॒ रि॒ स॒ रि॒
मन्द्र	नि॒

या . . . . . . ब नु मे च रा व त
२ ३ २ २

राग मालगुंजी नं. १६.

ताल तीनताल (तराना.)

—:o:—

तना देरेना दीं दीं दीं तन देरेना तदानी दीं तदीं तन देरेन तदानी दीं तना देरे ॥ उदतन देरेना तनन तन देरेना ध नी ध प म प ग म ग रे सा ग म न ग धै धिरीकीट तक धा धीना धिड नग नग धिरीकिट तककत्तां किडनग तकडां कीडधातीधा कडांकिड धाती ॥

तार		
मध्य	रि स रि	ग • म ९ ४ ग रि म ४ ग रि
मन्द्र	नि	

त ना दे रे ना दिं दिं . . दिं .
२ १ २ ३

तार		
मध्य	स • स	रि ४ ग रि स स
मन्द्र	नि	नि नि ध नि

. त न दे रे न त दा . नीं . दिं
२ १ २ ३

तार		
मध्य	स म ग म ध ध	प नि ध प ४ ग रि म
मन्द्र		

. त दीं . त न दे रे . न त दा . .
२ १ २

तार		
मध्य	ग रि स रि स रि	ग • म • ग म
मन्द्र	नि	

नी दिं • त ना दे रे ना दीं उ द

३ २ १ २ ३

तार	स स स स रि स
मध्य	ध नि नि नि नि ध ध
मन्द्र	

त न दे रे ना त न न त न दे रे ना

२

तार	
मध्य	ध नि ध प म प ग म ग रि स ग म
मन्द्र	

. . . .

१ २

तार	
मध्य	ग म ध ऽ ध ध ध ध ध ध ध ध ध ध
मन्द्र	

न ग धे धी री की ट त क धा धी ना धी
३ २

तार		स
मध्य	ध ध ध ध ध नि नि नि नि नि नि	नि
मन्द्र		

ड न ग न ग धी री की ट त क क त्ती
१

तार	स स स स रि स स स
मध्य	नि नि नि ध ऽ
मन्द्र	

की ड न ग त कडां की ड धा ती धा कडां
२

तार		
मध्य	प प म प म ग • ऽ	
मन्द्र		

की ड धा ती धा .
३

राग जयजयंवती (ख्याल.) नं. १७.

इस रागमे दो गंधार दो निषाद, अतिकोमल ग, नी के लिये
निशाणी होगी बाकीके सब शुद्ध स्वर.

ताल एकताल.

ये माई सजन आये काऊ कैसे कटे दीन रतीया माई ॥धृ०
कोन सुने कासे कहो ये दुख बतीया माई ॥

तार		
मध्य	रि स	ग रि • ग रि • ग रि
मन्द्र	नि नि ध नि	

ये . . . मा इ स . ज . . .
२ १ ३

तार		
मध्य	० ग म प म ग म रि • ग म • ग	रि ग
मन्द्र		नि

न . . आ . . . .

२ ३ २ २ १

तार		
मध्य	स स स • रि स स •	०स स रि स०
मन्द्र	नि नि	नि

. ये का ऊ कै से . . क टे . . .

३ २ ३ २ २ १

तार	
मध्य	रि स • ० स रि ग म ग म रि
मन्द्र	५ नि ध ५ नि नि

. दी न र ती या . . . .

३ २ ३ २

तार		
मध्य	रि सु	ग रि • ग रि • ग रि ↑•
मन्द्र	नि नि धु ↑नि	

. . . . मा ई स . ज . . .
२ १ ३ २ ३

तार	स सु •	स • ˀ स रि सु
मध्य	ˀ गु मु ↑ नि धु नि नि	
मन्द्र		

को . न . सु ने . . का से . .
२ २ १ ३ २

तार	रि ↑ गु I रि रि . स स	
मध्य	↑ नि ↑ नि ध	↑ नि • ˀ पु धु •
मन्द्र		

. . क . हो . . ये . . दु .
३ २ २ १ ३

तार	सं सं
मध्य	प ऽ ऽ ऽ नि ध ऽ नि ध प ग . ऽ ऽ रि ग
मन्द्र	

. . . . ख ब तीं था .
२ ३ २

तार		
मध्य	रि स रि स स	
मन्द्र	नि नि ध ऽ नि	

. . . . मा ई
२

राग जयजयवंती नं. १८.

ताल तीनताल तराना.

दिर दिर तनन तन देरेना दीं तों तन देरेना तदानी तननन देरेना तननन देरेना देरेना तदानी ॥ अं० ॥उदतन देरेना दीं तन देरेना तन देरेना तन देरेना तन देरेना रे ग रे सा नि सा ध नी रे ग रे प म ध प नी ध कीडधेः ता धिन धागी तिरीकीट तक तान धाधा तिरीकीट तक तान धाधा तिरीकीट तक तान धाधा ॥

तार		
मध्य	स स रि स रि स	रि स
मन्द्र	नि नि नि ध ↓नि	नि

दि र दि र त न न त न दे रे ना दी तो
३ २ १

तार		
मध्य	रि ग म रि स रि	स
मन्द्र	नि ध ↓नि	ग म ध नि

त न दे रे ना . त दा नी त न न न न
३ २ १ २

तार		स . स
मध्य	रि स रि ग म प ध ग . ग म	प
मन्द्र	नि	

दे रे ना त न न न न दे र ना दे र न
३ २ १

तार		
मध्य	ध म ग	स स रि स रि स
मन्द्र		नि नि नि ध ψनि

त दा नी दि र दि र त न न त न दे रे

२ ३ २

तार	स स स रि ψग रि स
मध्य	ग म ध ψनि नि नि नि
मन्द्र	

उ द त न दे रे ना दिं . त न दे रे ना

१ २ ३ २

तार	रि स स
मध्य	ψनि ध प ध ψनि ध प ग म रि म
मन्द्र	

त न दे रे ना . ता ना दे रे ना . त न

१ २ ३ २

तार		
मध्य	ग रि	स रि ग रि स स रि ग
मन्द्र		नि ध नि

दे रे ना

१ २ ३ २

तार		रि स
मध्य	रि प	म ध प नि ध नि नि नि
मन्द्र		

की ऽ धे त्ता धी

१ २ ३

तार	स स
मध्य	नि ध ध ध ध ध ध नि नि प ध
मन्द्र	

न धा गी ती री की ट त क ता न् धा धा

२

तार	
मध्य	म म म म म म प म ग म रि रि रि रि
मन्द्र	

ती री की ट त क ता न धा धा ती री की ट
१ २

तार	
मध्य	रि रि ग रि स रि स रि स
मन्द्र	नि नि ध नि

त क ता न् धा धा त न न त न दे रे
३ २

राग जयजयवंती नं. १९.

ताल झपताल.

राम सुमिरले सुमिरन करले । को जाने कलकी ॥
धीरे धीरे पाप कटत है । होत मुकती तनकी ॥

तार		
मध्य	रि॒ रि॒ ग॒ प॒ म॒ ग॒ म॒ रि॒ ꟸग॒ स॒	स॒ रि॒
मन्द्र	नि॒	नि॒

रा म . सु मि . र ले . . . सु मि र
१ २ ३ २ १ २

तार		
मध्य	ꟸग॒ रि॒ स॒ रि स स	म॒ म॒ रि॒ म॒
मन्द्र	नि॒ नि ꟸनि॒ ध॒	

. न क . र . . . ले . को जा . ने
३ २ १ २

तार	स	
मध्य	प॒ ध॒ प॒ ꟸनि॒	ध॒ प॒ म॒ ग॒ रि॒ ꟸग॒ रि॒ स॒
मन्द्र		नि॒

. क . . ल की . . . .
३ २ १ २ ३ २

तार		सु स ऽ	स रि मु ψगु॰
मध्य		म प नि	नि
मन्द्र	ध ψनि		

. . धी . रे धी रे पा . प . .
१ २ ३ २ १ २

तार	रि सु रि सु	सु
मध्य	नि ψनि धृ	ψनि॰ऽ ध प ध
मन्द्र		

क ट . त . है . हो . त मु क
३ २ १ २

तार		
मध्य	म रि ψगु रि स	
मन्द्र	नि	

ती त न . की .
३ २

राग जयजयंवती नं. २०.

ताल तीनताल.

—:०:—

सुन सखी भूपती भलोही कियोरी यही प्रसाद अवधेश कुवर दोऊ नगर लोक अवलोक जियोरी ॥ अंतरा ॥ मानी प्रतीती कहे मेरे ते कथ संदेह बस करत हीयोरी तोलो ये यह शंभू शरासना श्री रघुवर कोलोन लीयोरी ॥

तार		
मध्य	सु सु रि रि सु	रि रि रि पु मु
मन्द्र	नि नि धु ४ नि	

सु न स खी भू . . प ती भ लो हि की यो
३ २ १ २

तार	
मध्य	गु मु रि ४ गु रि सु सु रि मु ४ गु . रि सु सु
मन्द्र	नि

. . री . . य हीं प्र सा . . द अ व
३ २

तार	
मध्य	स रि स स रि स स
मन्द्र	नि नि नि ध नि नि नि

धे श कु व र दो ऊ न ग र लो . . क

१ २ ३ २

तार			
मध्य		रि रि प ग म रि ग रि	नि ध
मन्द्र	ध नि		

अ व लो की जी यो . री . . मा नी

१ २ ३

तार	स स स	रि म ग . रि स रि स.
मध्य	नि	नि
मन्द्र		

प्र ति ति क हे . . मे . रे . .

२ १ २

तार	स स
मध्य	ψनि ध ध ध ध ध ψनि ψनि ध प म
मन्द्र	

ते . क थ स दे . . . .

३ २

तार		
मध्य	ψग रि रि	रि रि म प म प ध म ψग रि स
मन्द्र		नि

. ह क र त हि यो . . . री . तो लो

१ २ ३

तार		
मध्य	रि म ψग . रि स	स रि स स
मन्द्र		नि नि ψनि ध नि

ये . . य ह शं भू श रा . स न औ र

२ १ २ ३

तार		
मध्य	रि स	रि रि प म गम रि ४ग रि
मन्द्र	नि नि ध ४नि	

घु ब . र को . लो न ली यो . . री . .
२ १ २

राग बागेश्री (ख्याल) नं. २१.

बिलंवीत तीनताल.

मोहे मना वन आया पतिम सघरी रतीथा सोतन संग जागो रे ॥ अंतरा ॥ जावोजी जावो सैया न मिलो तुमी सन छतीयन दुतीयन लागोरे ॥

तार		
मध्य	ग म ऽ म नि	ध ऽ ऽ ध प ध नि ध ध स
मन्द्र		

मो . हे म ना . . . . . व . न
१ २ ३

तार		
मध्य	ग ग रि • म	ग रि ग रि स स म ग
मन्द्र		।ध नि

• आ • • • • • • • या पी • त म •
२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	ग ग म ग रि ग रि स स	रि स
मन्द्र	नि नि	

स ग • • • • री • र ती • • या
१ २ ३ २ १

तार		
मध्य	स म ग	।म नि । ध नि ध
मन्द्र	नि ध । ध नि	

• • सो , त न • सं ग जा • •
२ ३ २ १ २

तार			
मध्य	प ध नि ऽ ध म ग रि स	ग म म नि	ध . ऽ
मन्द्र			

. . . गो . . . रे मो . हे म ना
३ २ २ २

तार	स . स .	स ऽ स स रि स
मध्य	म नि ध . नि नि	नि
मन्द्र		

जा वो . जी जा . . वो सै या . . न
३ २ १ २

तार	स	
मध्य	नि ध . ध प ध नि ध नि	ऽ ध म ग
मन्द्र		

मि लो तु . मी . . . . स न .
३ २ १ २

तार	स स स • स स	स रि स
मध्य	ऽ ग म ध नि नि	नि
मन्द्र		

छ ती य न दु ती . . य न ला . . .
३ २ १ २

तार		
मध्य	नि ध प ध नि ध म ग रि स	
मन्द्र		

. . . . . गो . . रे .
३ २

राग बागेश्री (ख्याल.) नं. २२.

मध्य तीनताल.

गोरे गोरे मुखपर बेसर सो हे और सोहे नैनन कजरारे ॥ अंतरा ॥ सीस फुल बेंदी सोहे कंठ माला पर और मोती यन गजरारे ॥

तार		
मध्य	स रि म ग • ऽ स रि	प ऽ ऽ म प ध म ग
मन्द्र		

गो रे गो . रे . मु . . . ख .

२ १ २ ३

तार		
मध्य	रि • रि स रि म ग •	ऽ स रि स ऽ ऽ स रि
मन्द्र		

. प . . र . . . . . वे .

२ १ २

तार		
मध्य	म प ध नि प ध प ध नि ऽ ध	म ग रि
मन्द्र		

. . , ... स र . .

३ २ १

तार		
मध्य	ग[1] रि म ग रि ग स[2] •	स रि स रि स •
मन्द्र		नि नि

सो . . . . . है औ . . र सो हे .
२ ३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	स • १ रि स • रि स •	स म ग
मन्द्र	नि नि ध नि	

. . न . न . क . ज रा . .
२ १ २

तार	
मध्य	रि म ग रि स स रि म ग • ९ स रि
मन्द्र	

. . . . रे . गो रे गो . रे .
३ २

तार	स स स • स	सऽऽ
मध्य	ऽ • ग म नि ध नि नि	नि
मन्द्र		

सी स फू • ल बैं दी • सो है कं

१ २ ३ २ १

तार	सऽ रि रि स •
मध्य	नि नि ध प ध • प ध नि ऽ
मन्द्र	

• • • ठ • मा • ला • • • •

२

तार	स स रि स
मध्य	ध ध म ग रि स स स नि नि
मन्द्र	

प • र • • • ओ र मो ती • • य न

१ २ ३

तार	
मध्य	ऽ धु पु धु नि धु पु धु मु पु • मु पु धु
मन्द्र	

ग ज रा . रे . . . .
१ २ ३

राग बागेश्री नं. २३.

ताल तीनताल.

—:०:—

ऋतू बसंत तुम आपने उमंगसो पीधुंडनमे निकसो घरसो ॥ अंतरा ॥ आवोजीलाला घर बैठ लावो पाग बंधावो फुली सरसो ॥

तार		
मध्य	गु मु पु गु मु गु रि सु	सु रि सु • सु
मन्द्र		धु नि

ऋ तु ब सं . त तु म अ प ने ने उ मं
३ २ १ २

तार	सु सु स	सु
मध्य	मु म ९ गु मु धु नि	धु धु पु धु
मन्द्र		

ग सो पी . धुं . ड न मे नि क . सो .
३ २ १

तार		
मध्य	नि धु नि . धु धु म	९ गु मु . नि धु . नि
मन्द्र		

. . . घ र सो आ . वो . जी
२ ३

तार	सु सु . स	सु रि सु सु रि सु
मध्य	नि	९ नि नि नि धु
मन्द्र		

ला . . ला घ र बे ठ ला . . . वो .
२ १ २

तार	स स	स
मध्य	० म नि ध • नि	ध ध प ध नि
मन्द्र		

पा ग . बं धा वो फू • ली . . .
३ २ १

तार		
मध्य	ध नि ध ध म	
मन्द्र		

. . स र सो
२

राग कानडेकी बहार नं. २४.

इस रागमे दोन गंधार, दोन धैवत, दोन निषाद, अतिकोमल स्वरोंकेलीये निशानी होगी. बाकीके सब शुद्ध स्वार लगते है.

ताल एकताल.

अब कछु कै बैठोंगी प्यारे तब आपना सामुख लेले जावोगी ॥ अंतरा ॥ गिनतसदा रंगरंगीले बतीया करत मैसन गुमानी किये मा पावोंगी ॥

तार		
मध्य	रि स स	रि स रि प म प ५ग ५ग म
मन्द्र	नि	

अ ब क छु कै बै . ठो . . गी . .
२ २ १ ३ २ ३ २

तार			
मध्य	रि स	स स स	स रि
मन्द्र		५नि ५नि म प ५ध नि	

प्यारे त ब अप ना सामुख के लें जा
२ १ ३ २ ३ २ २ १ २

तार		
मध्य	स रि ५ग म रि स स	म म म म ५नि
मन्द्र	नि	

वो . गी . अ ब क छु गी न त स दा
२ ३ २ २ १ ३ २

तार	स स स स	स स रि स
मध्य	ध॒ . नि	नि नि नि
मन्द्र		

. रे रं गी ले ब ती या क र त मै
३ २ २ १ ३ २ ३ २

तार		स रि स स रि
मध्य	प प	नि म प नि नि नि
मन्द्र		

स न गु मा . नी . की ये मा . . .
२ १ ३ २ ३ २ २

तार	स रि स	
मध्य	नि ध प ध नि .	
मन्द्र		

. . . पा . वो . गी .
१ ३ २ ३

———

राग कानडा संपूर्ण नं. २९.

इस रागमे ग, ध, कोमल दो निषाद् अतिकोमल स्वरोंके लिये निशानी होगी. बाकीके सब शुद्ध स्वर लगते है.

ताल झपताल.

—:०:—

तुमी बंधू तुमी नाथ निशीदीनी तुमी अमार तुमी सुख तुमी शांती तुमी है अमृत पाथार ॥ अंतरा ॥ तुमी तो आनंद लोक जुडावो प्राण नाथ शोक ताप हरन तोर चरण असीम शरण दीनजार ॥

तार	स स
मध्य	नि नि नि ᛘनि प ᛘनि प म प म ᛘग
मन्द्र	

तु मी बं . धू तू मी ना . . . . .
१ २ ३ २

तार		
मध्य	म म	ᛘग म प ᛘनि म प ᛘग ᛘग म रि स
मन्द्र		

. थ नि शी दी . नी . तु मी अ मा र
१ २ ३ २

तार		स
मध्य	स रि म मप प ψनि ψध •ψनि प	प नि
मन्द्र	नि	

तु मी सु • ख तु मी शां • • ती तु मी •
१ २ ३ २ १

तार	रि रि स स रि स स
मध्य	नि नि ψनि ψध •ऽ नि
मन्द्र	

• हे अ मृ त • • • • पा • था
२ ३ २

तार	स स	स स स
मध्य		म म ψनि ψध • ψनि ψध • नि
मन्द्र		

• र तु मी तो • • • आ नं द लो
१ २ ३ २

तार	सु स सु रि रि सु स	
मध्य	नि	नि प म प म ग . म
मन्द्र		

के जु डा . . वो प्रा ण ना थ शो क ता . .
१ २ ३ २ १ २ ३ २

तार		
मध्य	ग . म प	म ग . म ग . म ग . म ग . म
मन्द्र		

. प ह र . न . तो . मा . .
१ २

तार		म रि म रि स स
मध्य	रि स रि रि स स	नि .
मन्द्र		

र . च र ण अ सी म श र ण दी .
३ २ १ २ ३

तार	स़ॅ ग़ॅ						स़ॅ स़ॅ	
मध्य		५ध ५नि ५धु नि						
मन्द्र								

न ज ना . . . . र
२

राग कानडा संपूर्ण नं. २६.

ताल झपताल.

हस दलन दुवे दलन हस गजधरे ॥ कोप जब चढे श्याम एतीपल कमे नर्मा करे और कर्मा करे ॥

तार										
मध्य	५ग	५ग	५ग	५ग	५ग	रि	रि	रि	रि	स
मन्द्र										
	ह	स	द	ल	न	दु	व	द	ल	न
	१		५			३		२		

तार	
मध्य	सरि सरिपमुपु ऽ मुपु धु धु
मन्द्र	नि नि

ह स ग ज द रे . . . .
१ २ ३ २

तार		स स सु स	स
मध्य	पु गु	मु म नि धु . नि	नि
मन्द्र			

. . को प ज . ब च ढे श्या म ए .
१ २ ३ २ १

तार	सु स सु रि सु सु	
मध्य	नि नि ध नि प	नि प
मन्द्र		

तीं प ल . क . . . मे . . न .
२ ३ २ १

तार	स स	
मध्य	४ ग म म प ४ नि प • ४ नि	४ नि प
मन्द्र		

मा . करे . . औ . र क .
२ ३ २ १

तार	
मध्य	म ४ ग • ४ ग प ४ ग म रि रि स स • ४
मन्द्र	नि

मा . . क रे . . . . . .
२ ३ २

राग चंपक नं. २७.

ताल झुमरा.

मग जैये हो ये बिदकवान दुलारे हो ॥ आवन कहा गयेरी सुधना रही ये बिदक वा दुलारे ॥

तार		
मध्य	स रि प ० ध ध प म प म ग रि ग	म ऽ ० ग
मन्द्र		

म ग जै ये . . . . हो ये

२ १ २

तार	स ० स रि
मध्य	म ० ऽ प ध नि नि ० ध प ध ० नि
मन्द्र	

. बि द क वा . . न . . . दु

३ २

तार	स ०	सं ०
मध्य	नि	नि नि ० ऽ नि ध ० म ध प ० ऽ
मन्द्र		

ला . . . .

१ २ ३

तार	
मध्य	ग स ऽ स रि प ऽ ध ध प म प म ग रि ग
मन्द्र	

. रे म ग जै ये . . . .
२

तार	स स
मध्य	म ा म प ध नि नि ध नि नि ध नि . .
मन्द्र	

हो आ व न क हा . ग ये . . . री
१ २ ३ २

तार	ऽस रि	ग स ऽ स स स रि .
मध्य		४नि ध प ध .
मन्द्र		

सु ध ना . र ही . . . . . .
१ २

तार	स • सु रि •
मध्य	गु मु • ऽपु धु नि ∨नि • धु पु धु •
मन्द्र	

ये • बि द् क वा • • न • • •

३ २

तार	स ¹सु •
मध्य	∨नि ∨नि ∨नि ∨नि • ∨नि ध
मन्द्र	

दु ला • • • • • •

१ २

तार		
मध्य	म ²धु पु • ग स	
मन्द्र		

• • • • रे

३

———

राग सागर नं. २८.

ताल झुंबरा

गीतः—ये मन[१], हमीर[२], छाय[३], परे शामकी[४], ॥

चहूं देस. मैं होवे[५], कल्याण[६], हर दरबार[७], मे कहावे नायकी[८], ॥

तार		
मध्य	प ध ऽ म प १ ऽ म ग रि ग म	नि ध ऽ नि
मन्द्र		

ये . . . म न . ह मी . .

२ १

तार	स . स
मध्य	ध ऽ नि ध प ऽ म प . १ प ध ऽ म प
मन्द्र	

. . . . . र . . छा . . .

२ ३ २

तार		
मध्य	म ग म् रि्	I ॰ रि् ग म प[1] ग म रि[2] स स
मन्द्र		नि

या . . . प रे . शा . . म की . .
१ २ ३

तार		
मध्य	प ध ▲ म प ⌽ ▲ म ग रि ग म	नि ध . I . ॰
मन्द्र		

ये . . . म न . ह . मी .
२ १

तार	स रि स . रि[१]
मध्य	॰ नि ॰ नि ᵠ नि[२] . ⌽ ध प ध म
मन्द्र	

च हूं दे . . . . स . . .
२ ३ २

३

राग हिंडोल (ख्याल) नं. २९.

इस रागमे म, तीव्रतर लगता है, रे, प, वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर.

ताल तीनताल (विलंबीत.)

पी संग खेलो बन बन फाग ऋत बसंत री माई ॥ सावरी गोरी मोरी अबीर गुलाल लीये साहे आजमवा पर बसंत री माई ॥

तार	० स¹	
मध्य	नि² ध म¹ म . ग²	म¹ ग स स ०² स
मन्द्र		

पी . सं . . ग खे . . लो ब

१

तार	
मध्य	स स स स स१ स ग म ग स स
मन्द्र	ध म २ध ९

न ब न फा . ग . . ऋ त . ब सं त

२ ३

तार	स१	९स१
मध्य	स ध ध म २ध	नि२ ध म१ म . ग२
मन्द्र		

री . मा इ . . पी . सं . . ग

२

तार	स . ४	स स स . स स . ९
मध्य	××× . म ध	नि
मन्द्र		

सा व री गो री . . मो री

१ २

तार	स स स स स स स स
मध्य	ध नि म ध ०म ध
मन्द्र	

आ बी र गु ला ल ली ये . . . . सा हे
३ २

तार	स स ग स ० १ स ०
मध्य	नि ध म १ ग स २ स स
मन्द्र	

आ ज म वा प . र ब सं . त री
१ २ ३

तार	स १	
मध्य	ध ध म २ ध	
मन्द्र		

. मा इ . .
२

राग हिंडोल नं. ३०.

ताल तीनताल.

---:०:---

द्रे द्रे द्रे द्रे तननन देरेना तदारे दानी तारे दानी द्रे द्रे दानी द्रे दानी द्रे दानी दानी तारे दानी द्रे दानी तद्रे द्रे द्रे द्रे तननन तदारे नितारे तनारे तारे दानी ॥ नादीर दीर तुंदीर दीर तननननन धाकीट तक धुमकीट तक नग धिरीकीट धिरीकीट तक दीर दीर दीर तनन दतन दतन तद्रे तद्रे तारे दानी तारे दानी तारे दानी धा कीट तक धुमकीट तक गदीगन धा गदीगन धा ना दीर दीर दीर धा तुंदीर दीर दीर धा तकडां धुमकीट तक गदीगन नग धीरकीट तक धा नग धीरकीट तक धा नग धीरकीट तक धा ॥

तार	सॢ	
मध्य	नॢि धॢ ∆मॢ गॢ गॢ सॢ सॢ	सॢ
मन्द्र		नॢि धॢ ∆मॢ धॢ

द्रे द्रे द्रे द्रे त न न न दे रे ना त दा

३ २ १

तार														
मध्य	स	स	स	स	स	स	स	स	स	स	स	स	स	स
मन्द्र														

रे दा नी ता रे दा नी द्रे द्रे दा नी द्रे दा नी

३ २ १

तार										स			
मध्य	स	ग	ग	ग	ग	∆म	ग	स	स		ध	∆म	ग
मन्द्र													

द्रे दा नी दा नी ता रे दा नी रे दा नी त

२ ३ २

तार					स	स	स	स	स	स	स	ग	स	स
मध्य	स	ग	∆म	ध										
मन्द्र														

द्रे द्रे द्रे द्रे त न न न त दा रे नी ता रे

१ २ ३ २

तार	स	स
मध्य	म ध नि ध म ग स	नि ध म ग
मन्द्र		

त ना . रे ता रे दा नी द्रे द्रे द्रे द्रे त

१ २ ३ २

तार		स स स स स स
मध्य	ग स स	म ध ध ध ध
मन्द्र		

न न न ना दीर दिर दिर दिर दिर

१

तार	स स स स स स स स
मध्य	म ध ध म म
मन्द्र	

त न न न न न धा कीट तक धुम्

२ ३

तार	सॖ सॖ सॖ सॖ
मध्य	गॖ गॖ गॖ गॖ गॖ गॖ ▲मॖ ▲मॖ ▲मॖ
मन्द्र	

की ट त क न ग धी री की ड धी री की
२

तार		
मध्य	▲मॖ ▲मॖ ▲मॖ	गॖ गॖ गॖ गॖ गॖ गॖ ▲मॖ ▲मॖ
मन्द्र		

ड त क दि र दि र दि र त न
१

तार	
मध्य	▲मॖ गॖ गॖ गॖ ▲मॖ ▲मॖ ▲मॖ गॖ गॖ गॖ ▲मॖ
मन्द्र	

न द त न द त न त द रे त
२ ३

तार	
मध्य	म म ग ग ग ग | ग ग ग ग स स स स
मन्द्र	
	द रे ता रे दा नी ता रे दा नी ता रे दा नी
	२ १ २

तार	
मध्य	स स स स स स स स स स स ग ग ग
मन्द्र	
	धा की ट त क धु म की ट त क ग दी ग
	३ २

तार	
मध्य	ग ग स स स स स | म ध ध म म ध ध
मन्द्र	
	न धा ग दी ग न धा ना दि र दि र दि र
	१

तार	सु॰ऽ सु
मध्य	गु ▲मु ▲मु गु गु ▲मु ▲मु गु॰ऽ
मन्द्र	

धा ना दि र दि र दि र धा त
२ ३

तार	सु गु गु सु सु सु सु सु सु सु सु
मध्य	▲मु ▲मु
मन्द्र	

कडान् धी ड न ग ती री की ट त क न ग
२

तार	सु॰ऽ	
मध्य	धु धु ▲मु ▲मु धु धु	गु गु ▲मु ▲मु गु
मन्द्र		

धी री की ट त क धा न ग धी री की
१

तार	
मध्य	ग ▵म ▵म ग •४ ग ग ग ग ग गग गस •४
मन्द्र	

ट त क धा न ग धी री की ट त क धा
२

राग मालकंस नं. ३१.

ताल तीनताल.

रंग रलीया करत सोतनके संग नालीनी हमारी नेक खबर ॥ हमसे आवत बिद आनत बिलन है नीत बालमके यही ढौंग ॥

तार	स स ग स
मध्य	स नि ध नि ध म ग म म ग स
मन्द्र	

रं ग र . ली . या . क . र . त . सौ
३ २

तार		
मध्य		स म म म ग ग ग म ध म म
मन्द्र	नि ध नि	

. . . त न के स . ग ना ली . नी ह
१ २ ३

तार	स स	
मध्य	म ध नि नि	ध नि ध ध म म ग ग
मन्द्र		

मा . . . री . ने . . क . ख . ब
२ १ २

तार		स स ग स
मध्य	स स . ४	स नि ध नि ध म ग
मन्द्र		

. र रंगर . ली . या . क . र
.३ २

तार		
मध्य	म म ग स	✕ ग ग ग म म म
मन्द्र	नि ध नि	

. त . सो . . . ह म से आ व त

१२ ३ २

तार		स स स स स स ग स स म
मध्य	ध नि	नि ध नि
मन्द्र		

बि द आ न त बि ल म हैं . . नी त बा .

१ २ ३

तार	ग ग स स	
मध्य		ध ध नि ध म म . ✓
मन्द्र		

. ल म के य ही . ढौं . ग

२ १ २

राग मालकंस नं. ३२.

ताल तीनताल.

—:०:—

न लागी मोरी ठुमक पलंग ना अरून नदीया। तुमरे बिरन मोसे करत फैल बाजे घुंगरीया॥ तन मन धनको छावरे करोरी भसमाग पिय राजबनीको अदारंग हस मोसे भुज पकरत सुंदर जात कुब्र जात मुंदरीया॥

तार		
मध्य	म ग म स स	स स म म म म म
मन्द्र	नि ध नि	

न ला . गी मो . री . टू म क प लं ग न।
३ २ १ २

तार		
मध्य	ग म म म ध म म ग	ग ग ग ग म ध म
मन्द्र		

. अ रू न न दी या . तु म रे बि र न मो
३ २ १ २

तार	स् स् स् स्	स् स् स्	
मध्य	ध् नि् नि् ध्¹ नि्	ध् म्² ग्	
मन्द्र			

से क र त फै . ल बा . . जे . घुं ग री
३ २ १ २

तार		स् स् स् स् स् स्		
मध्य	नि ध् म्		ध् म्	ग् म् ध् नि्
मन्द्र				

. या . त न म न ध न नों . छा . व रे
३ २ १

तार	स् स् स स स . स् स् स्	
मध्य		ध् म् ध् नि् ध म
मन्द्र		

क रो री भस्मां ग पि य रा . ज ब नी को
२ ३ २ १ २

तार		स स स स
मध्य	स स म म म म	ग म ध नि नि
मन्द्र		

अ दा रं ग ह स मो से भु ज प क र त सुं
३ ५ १ ३ ३

तार	स स ग स स स	
मध्य		ध म ध नि ध म ग ग
मन्द्र		

द र जा त कु ब जा . त मुं द री या .
२ १ २

राग मालकंस नं. ३३.

ताल तीनताल.

मुख मोर मोर मोसे कहत जात अत छबीली नारकर कर सिंगार ॥ काहुकी अखिया रसीली मन भाई या व्रिज सुंदर वो कहेलाई चली जात सब सखीयें साथ ॥

तार		
मध्य	ग ग ग म स स ग स.	स म म म
मन्द्र	नि ध ध	

मु ख मो . र मो . र . मो से क ह त जा
३ २ १ २

तार	स स स स	
मध्य	म ग ग स ध नि नि	ध नि ध
मन्द्र		

त अ त छ वि ली ना . र क र क र सिं
३ २ १

तार			स स स ग
मध्य	म म	ग ग ग ग म म ध नि	
मन्द्र			

गा र का हु की अ खि या र सी ली म न भा
२ ३ २ १ २

तार	सॖ स सॖ सॖ सॖ	
मध्य	नि नि निॖ निॖ	धॖ धॖ धॖ निॖ
मन्द्र		

. . ई या ब्रि ज सुं द र वो . क हे
३ २ १

तार	गॖ गॖ मॖ गॖ सॖ सॖ सॖ सॖ	
मध्य	धॖ मॖ म	धॖ निॖ धॖ म मॖ
मन्द्र		

ला . इ च ली . जा . त स ब स खी य स
२ ३ २ १ २

राग केदार नं. ३४.

ताल तीनताल.

—:०:—

जो जो बुंद परे जीय लरजे छतीया मोरी थर आरकरे ॥
चहुं और बादल घन छाये प्यारा घर नही डर मोहे आवे
प्यारा आवे गले हुं लगावे छतीया मोरी थर आरकरे ॥

तार		सं	
मध्य	▲म प ▲म प ध ध प	म म रि स	नि
मन्द्र			नि

जो जो बूं . . . द प रे . जी य ल र
३ २ १ २

तार		सं
मध्य	स स स म म प प	प ध नि नि ध ▲म
मन्द्र		

जे छ ति या . मो री थ र . . आ र क
३ २ १ २

तार		स स स	स स स स स रि स
मध्य	प . ४	प प	
मन्द्र			

रे च हूं औ र बा द ल घ न छा . ये
३ २ १ २

तार	सु सु सु सु	सु रि सु सु
मध्य	धु धु	धु पु·४△म
मन्द्र		

प्या रा घ र न हीं ड र मो हे आ वे प्या
३ २ १ २ ३

तार	सु	
मध्य	पु धु ४नि धु पु	मु मु रि सु रि सु·४सु
मन्द्र		नि

रा आ . . वे . ग ले हूं ल गा . वे छ
२ १ २ ३

तार		सु
मध्य	सु मु मु पु पु	पु धु नि नि धु△मु पु ·४
मन्द्र		

ति या . मो री थ र . . आ र क रे
२ १ २

राग आडाणा नं. ३५.

ताल तीनताल.

—:०:—

घगरी मोरी भरन नही देत धीट लंगरवा मतवारो ॥ जीत जाऊ उत आडोही डोरत अब न रहो मै तोरी नगरी ॥

तार	रिं सं रिं सं सं	सं.
मध्य	४नि प ४नि म प	४नि
मन्द्र		

घ ग री मो री भ र न न ही दे .

३ २ १

तार	
मध्य	४ध ४नि प. ४ प म प म प ४नि ४नि
मन्द्र	

. . त धी . ट लं . ग र

२ ३ २

तार			
मध्य	ग॒ ग॒	म॒ म॒ रि॒ स॒ रि॒ स॒ .	म॒ प॒ ध॒
मन्द्र			

वा . . . म त वा रो जी त जा
१ २ ३

तार	स॒ स॒ स॒	स॒ रि॒ स॒ सं .
मध्य	ध॒ नि॒	नि॒ नि
मन्द्र		

. उ , उ त आ . डो ही डो .
२ १ २

तार	स॒ ग॒ म॒ रि स॒
मध्य	ध॒ नि॒ प॒ म॒ प॒ नि॒ नि
मन्द्र	

. र त आ ब न र हो . मै . .
३ २

तार	रि सु	
मध्य	४नि प ४नि प . ४	
मन्द्र		

हो . रीन ग री
१ २

राग गुंजी कानडा नं. ३६.

इस रागमे दो धवत दो निषाद बाकी सब शुद्ध स्वर.

बिलंबित तीनताल.

—:०:—

सुधे सुगंधवा और अबीर चढाये बाजे कुतबदीनके ॥
ब बन आये औलीया अंबी या हाजरत अमीर बनाये आये
मरुवा डारे ॥

तार		सं .
मध्य	४नि ४नि ४नि म प	प ४नि प ४नि ४नि
मन्द्र		

सुं . धे . सु गं . . ध वा .
२ १ २ ३

तार	सं सं स॰ सं रिं सं	सं रिं रिं सं
मध्य	स ध नि	नि
मन्द्र		

ब न . . आ ये औ ली यां अं वी . . .

३ २ १

तार	स ऽ स स स रि	॰ स
मध्य	प नि[1] प[2] ॰ नि	
मन्द्र		

. . . हा . . ज र त . . अ

२ ३ २ १

तार	रि रि रि स स स स ॰ स[2]
मध्य	नि ध नि ध नि स[1]
मन्द्र	

मी . . . र ब ना . . . ये . आ .

२ ३ २

तार	स़ रि स़ स़
मध्य	नि प नि नि पमप मगम.
मन्द्र	

ये तो म रु वा डा रे . . . .
१ २ ३

राग कामोद नं. ३७.

ताल द्रुत चारताल.

मोरी नै लगान लागीरे तुमसे मंहमदसा पियाके सुमीरन करत रहत निसदीन घरी पलछीन ॥ हुं तो तेहारी बात करत हुं सुनी न देत याद तोरी निसदीन ॥

तार		
मध्य	ध प ग म रि स स	म रि प ध ध म
मन्द्र	नि	

मो री नै . ल गा . न ला गी रे तु म से
२ ३ २ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	प ध ध प	म • म प ▵ म ध प ग म रि स
मन्द्र		

• मं म द सा पि या • के • सु मि र न
२ २ १ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	स स स स स म ग प ▵ म	ध प
मन्द्र	ध नि ध	

क र त र ह त नि सा दि न घ री प ल
१ ३ २ २ २ २ १

तार		स स
मध्य	ग म ध प ग म रि स स	प •
मन्द्र	नि	

छी न मो री नै • ल गा • न हुं तो ते
३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार	स. स.	स रि स	
मध्य		ध नि ध नि ध प	ध ध प म
मन्द्र			

हा री बा . . त क र त हूं . सु नि न दे
३ २ २ १ ३ २ ३ २ २ १ ३ २

तार			
मध्य	म स म ग प ▲म	ध प ग म	
मन्द्र			

त या द . तो री नि स दी न
३ २ २ १ ३

राग बागेश्री नं. ३८.

इस रागमे ग, नी, अतिकोमल बाकीके सब शुद्ध स्वर. लगता है.

ताल द्रुत एकताल

भरन पन घटवा अकेली मै गईली प्यारी मदन मोहन मग कैसे करत छेड देखो देखो चुनरी मोरी झटकी मटकी फोरी ॥ बरजो न माने सखी करत धिटाई हमसे रोरी बडो है निडर गोरी मग झगडत कर पकरत हस मटकत जिया कटकत मांगत दान कुवर कान्ह का हे को गयेरी ॥

तार		
मध्य	म ग रि स	स ग म ध म ध नि
मन्द्र	नि ध नि	

भ र न प न घ ट वा . . अ के .
३ २ २ १ ३ २ ३

तार	स	
मध्य	नि ध प ध	म प ध म ग रि ग म ध नि
मन्द्र		

. ली मै . ग ई . . ली . . . प्यारी .
२ २ १ ३ २ ३

तार	स स	
मध्य	नि ध नि	ध म म म प ध म ग रि स स
मन्द्र		

. म द न मो ह न म ग कै से क र त छे ड
२ २ १ ३ २ ३ २ २

तार		
मध्य	स रि स स ध ध नि ध म प ध	म ग
मन्द्र	नि ध नि	

दे खो . . दे खो चु न री मो री झ ट की म ट

१ ३ २ ३ २ २ १

तार		स
मध्य	रि रि स म ग रि स	ग म ध नि
मन्द्र	नि नि ध नि	

की फो री . भ र न प न घ ट ब र जो न मा

३ २ ३ २ २ २ ३ २

तार	स स स म ग रि स	
मध्य		नि ध प . प ध प ध नि ध
मन्द्र		

ने स खी क र त धि टा ई ह म् से रो . . री

३ २ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	रि ग रि म	ग रि स स स स स स स
मन्द्र		नि

ब डो है नि ड र गो री म ग क्ष ग ड त
२ २ १ ३ २ ३

तार		
मध्य	म म म म म म ग ग म म	म म ध ध ध
मन्द्र		

क र प क र त ह स म ट क त जि या क
२ २ १ ३

तार	स स स
मध्य	ध ध ध म म म ध ध म ध नि नि
मन्द्र	

ट क त मां ग त दा न कु व र का न्ह का हे
२ ३ २ २

तार		
मध्य	धु गु मु गु • रि सु	
मन्द्र	नि	

को ग ये • री • •
१ ३ २

राग बागेश्री नं. ३९.

ताल तीनताल.

जै जै जै गिरिराज किशोरी। जै महेश मुखचंद्र चकोरी॥
जै गजवदन षडानन माता। जगत जननी दामिनी द्युती गाता॥

तार	सु	
मध्य	धु नि नि धु ग रि सु	सु धु धु पु पु धु
मन्द्र		धु नि

जै • • जै • जै गि रि रा • ज की शो • री •
३ २ १ २

तार		सुरिगु रिसु सु
मध्य	निमम धनिधनि	नि निधपध
मन्द्र		

. जै म हे श मु ख चं . . द्र च को . री . . .
३ ५ १ २

तार		ससुसुरि सुस
मध्य	म मुमु धु नि धु नि	नि धु
मन्द्र		

जैं ग ज व द न प डा न न मा . . ता ज
३ २ १ ५ ३

तार	सुमगुरिसु .	रिगुरिसु
मध्य	नि नि	१ २ धपपधनि
मन्द्र		

ग त ज न नी दा . मी नी द्यु ती गा ता . .
२ १ २

समाप्त.
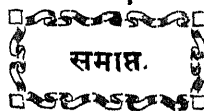
[कव्हर पान २ वरून पुढे चालू.]

		भाग	रु.	आ.	पै.
प्रवेश कल्याण	(हिंदी)	१	०	१२	०
प्रवेश भैरवी	,,	२	०	१२	०
प्रवेश भूपाली	,,	३	०	१२	०
प्रवेश खमाज	,,	४	१	०	०
प्रवेश भैरव	,,	५	०	१२	०
प्रवेश बडहंस	,,	६	०	८	०
प्रवेश सारंग	,,	७	१	०	०
प्रवेश हमीर	,,	८	१	०	०
प्रवेश श्रीप्रकाश	,,	९	०	१२	०
प्रवेश केदार	,,	१०	०	१२	०
प्रवेश असावरी	,,	११	०	१२	०
प्रवेश पुरिया	,,	१२	१	८	०
प्रवेश बरवा	,,	१३	०	१२	०
प्रवेश बागेश्री बहार	,,	१४	१	८	०
प्रवेश मल्हार	,,	१५	१	८	०
प्रवेश देशी खमाज.	,,	१६	१	८	०
प्रवेश मुलतानी	,,	१७	१	८	०
...भ्यासके साथ संगीत	(हिंदी)	१	०	८	०
...भ्यासके साथ संगीत	(हिंदी)	२	०	८	०
...ीत प्रथम भाग १ ला राग विहाग २ रा ...			...		...
कल्याण ३ रा भूपाली ४ था भैरव ५ वा ...			...		...
		...	१०	०	०
सालकंस ...					
...दंग और तबलेकी पुस्तक	(हिंदी)	१	१	०	०
	(हिंदी)	१	१	८	०
...तारकी पुस्तक					

		भाग	रु.	आ.	पै.
सतारकी पुस्तक	(हिंदी)	२	१	८	०
नारदीय शिक्षा भषा टीका सभेत	(हिंदी)	१	१	०	०
भजनामृत लहरी ...	...	१	०	८	०
भजनामृत लहरी ...	...	२	०	८	०
भजनामृत लहरी ...	...	३	०	८	०
भजनामृत लहरी ...	...	४	०	८	०
भजनामृत लहरा ...	...	५	२	८	०
राम गुणगान. ...	(मराठी)	१	१	०	०
होरी.	(हिंदी)	१	१	०	०
कर्नाटकी संगीत.	(कर्नाटकी)	१	१	८	०
भारतीय संगीत लेखनपद्धति	(हिंदी)		०	२	०
राम नामावली	(हिंदी)		०	२	०
संगीत नामस्मरणी	(हिंदी)		०	४	०
भक्त प्रेम लहरी	(हिंदी)		०	२	०
भजनावली.	(हिंदी)		०	२	०
राष्ट्रीय संगीत ...	...	...	०	४	०
परिषदेचें रीपोर्ट सन १९१८, १९१९, ते १९२०.			१	१२	०

रा. रा. कै० सुकथनकरकृत. (मराठी)

१ रामपद्यावली	५ श्रीराम सुमनावली	प्रत्येकी २ आणे.
२ श्रीरामपद्यमाला	६ श्रीराम रत्नावली	
३ रामगीतावली	७ श्रीराम गायनमाला	
४ राममुक्तावली	८ श्रीराम पद्मावली	
९ रामभजनावली		

मॅनेजर,

श्रीराम-नाम-आधार आश्रम,

पंचवटी-नाशिक.